एक सिद्ध मनुष्य का डील-डौल

धन्यवाद, भाई नेविल। प्रभु आपको आशीष दे।

आज सुबह फिर से आराधनालय में वापस आना अच्छा है। आप सभी के लिए एक अनुग्रह से भरा "सुप्रभात।" और मैं विश्वास करता हूं कि हमारे प्रभु की इस—इस उपस्थिति में यह हम सबके लिए एक महान दिन होगा। और अब मेरे पास आज सुबह एक विषय है। मैं सीधे इस विषय पर जाना चाहता हूं, क्योंकि यह एक... मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है। और यह एक... और भीड़ को बहुत ही परेशानी से रोकने के लिए, आप जानते हैं, लंबे समय तक रुकना पड़ता है, बहुत से लोग खड़े रहते हैं। मैं सीधे पाठ के अंदर जाऊंगा।

2 और अब, आज रात को मैं, *मेरे जीवन का मार्गदर्शक* के विषय पर बोलना चाहता हूं। और मैं आशा करता हूं कि बहुत से लोग जो आ सकते है, जितने लोग आ सकते हैं आ जाए, आज रात के लिए, उस समय पर उपस्थित होंगे। हालांकि, यदि आपके पास आपकी खुद की एक कलीसिया है, तो हम... निश्चय ही, हम चाहते हैं कि आप अपनी कलीसिया में—में ही रहे। वहां पर होना आपका कर्तव्य है, जहां आपका कर्तव्य का पद है, जिससे कि आपका उजियाला चमके।

3 अब, हम आशा करते हैं कि, हर बार जब आप वापस आयेंगे, तो हमारे पास यहाँ आसपास थोड़ा और स्थान होगा। लेकिन हमें इसके साथ मुश्किल हो रही है, ओह, हर कहीं। उन ट्रस्टी बोर्ड ने स्थान की अनुमति के लिए निश्चय ही हर एक चीज़ करने की कोशिश की है। और वे एक स्थान पर भेजते हैं, वे इसके लिए तैयार होते है; फिर इसे कहीं और भेज देते हैं, और वे इसे मना कर देते हैं। और इसे वापस भेजते है, और वे इसे *यहाँ* पर हां करते है, और वापस भेज देते है। ओह, हमारे पास क्या ही मुश्किल समय था! लेकिन, आप जानते हैं, शैतान हमेशा ही जो सही है उसके विरोध में एक लड़ाई को लड़ता है। बस याद रखें, आप हमेशा ही सही होते हैं...

4 मैं सोच रहा था कि आप कहां पर है, एंथोनी। मैंने आपको आपके पिता से मिलते हुए देखा। और मैं बाहर श्रोतागण में से होते हुए देख रहा था। उसने कहा आप वहां बैठे हुए है। हमें ख़ुशी है कि आप और आपके पिता हमारे साथ यहां पर हैं, न्यूयॉर्क से भाई मिलानो। आशा करता हूं, इस बार विदेश जाते हुए, यदि प्रभु की इच्छा हुई, तो न्यूयॉर्क से बाहर कहीं मुझे फिर से आगे बढ़ने का एक और अवसर मिल जाए।

5 और इसलिए हम आप में से हर एक के लिए बहुत खुश हैं। बस—बस आपका यहाँ होना बहुत अच्छा है।

6 और कल रात हमारे पास महान समय था, या कम से कम मेरे लिए तो था। मेरे पास एक... [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] "और यशायाह मंदिर में है।" और सो आप...

7 और आज सुबह, हम इस विषय पर बोलना चाहते हैं, या शिक्षा देना चाहते हैं, यदि हम दे सकते हैं, "जीवित भवन को बनाना; जीवित परमेश्वर के वास स्थान का जीवित भवन बनाना—बनाना, अर्थात सिद्ध मनुष्य; जीवित परमेश्वर का जीवित आराधनालय, जहां पर वह वास करता है।" और यदि...

8 मैं समझता हूं कि उनके पास यहां कुछ अच्छे गीत गाने वाले है। मुझे उन्हें सुनने का मौका नहीं मिला। और आज रात, मैं यहां पर आने की कोशिश करूंगा। मेरी पत्नी ने मुझे एक भाई अनग्रेन के बारे में बताया है, मैं सोचता हूं यही उनका नाम है, वे टेनेसी में—में रहते है। अब, वह कल रात यहां पर थे। मैं आज सुबह उसे नहीं देख पा रहा हूं, लेकिन मैं समझता हूं कि वह यहीं कहीं पर है। और मैं उन्हें आज रात गाते हुए सुनना चाहता हूं, यदि मैं सुन सकता हूं, तो, या तो इस गीत को *वहां उसकी महिमा से*, या *आप कितने महान हैं*। मैं इस गीत को सुनना चाहूंगा। कितने लोग भाई अनग्रेन को सुनना चाहेंगे? [सभा के लोग कहते है, "आमीन।"—सम्पा।] ओह, मुझे—मुझे अच्छे गीत पसंद है। और मेडा ने कहा कि उनकी एक प्रकार की मध्यम सुर की आवाज़ है। और यह मुझे हमारे भाई बैक्सटर की याद दिलाता है; वो भी एक गायक है, जैसा कि हम सभी जानते हैं। और ये गीत *वहां उसकी महिमा से,* या *आप कितने महान है*। मैं सोचता हूं कि अब मैंने उन्हें देख लिया है कि वो कहाँ है... यह ठीक रहेगा, भाई अनग्रेन, आज रात, यदि आप चाहे तो, क्या आप यहीं पर रुकेंगे? क्या आप रात

की सभा के लिए यहीं रुकने वाले है, या रुकने की कोशिश करेंगे? तो ठीक है, मैं—मैं... तो ठीक है, नहीं... मैं आपको बताता हूं, इस विषय में क्या है, यदि हम... मैं किसी के लिए कोई भी विवाद का कारण नहीं बनना चाहता हूं। लेकिन तब ऐसा क्यों नहीं करते, यदि हम, *सात मोहरों* के समय के दौरान, जब हम इसका प्रचार करेंगे, क्या आप आयेंगे। तो मैं इसे टेप करना चाहता हूं, आप देखो, कि उस समय पर इन गीतों को रिकॉर्ड करूं, *आप कितने महान हैं,* और, *वहां उसकी महिमा से*।

9 ओह, क्या प्रभु की सेवा करना ये अद्भुत नहीं है? मैं नहीं जानता कि यदि मैं एक मसीही नहीं होता तो मैं क्या करता!... ? ... एक मसीही होना ये बहुत ही अच्छा है। मैं बस ऐसा महसूस कर रहा हूं जैसे बस ऊपर और नीचे कूदूं और अपनी तेज आवाज में चिल्लाऊं। एक मसीही होना, इसके बारे में सोचे, सारे मसीह में लंगर डाले हुए है!

10 मैं जानता हूं कि मैं हर बार इस व्यक्ति के नाम को गलत उच्चारण करता हूं। यह या तो एस.टी. है या टी.एस., या ऐसा ही कुछ तो है। सुमनेर, भाई सुमनेर। वह... मैं उसे और उनकी बहुमूल्य छोटी पत्नी को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं सोचता हूं कि बहन को, ऐसा दिखाई देता है जैसे, इस *सात कलीसिया युगों* को टाइप करने में लगभग छह महीने का समय लग गया। और अब हमें ये टाइप होकर यहाँ मिल गया है, जाँच के लिए तैयार है, और पुस्तक के रूप में छपने जा रहा हैं, *सात कलीसिया युग।* बहन सुमनेर, आप जहां कहीं भी हैं, निश्चय ही आप हमें इसके लिए आपको भुगतान करने दे। यह, इसमें बहुत मेहनत लगी है। क्यों, यह *इतना* मोटी पुस्तक है। मुझे इसे पढ़ने के लिए लगभग छह महीने लगेंगे, टेप को सुनकर इसे टाईप करने की तो बात ही छोड़ दो, और फिर बार–बार टेप को पीछे करके और दोबारा सुनते हुए टाइप करना, और इसे एक पुस्तक के रूप में बनाना। हम इसे तैयार करके और इसे तुरंत छापने के लिए भेजेंगे, क्योंकि हमें लगता हैं कि यह एक ऐसी चीज है जिस पर लोगों के पास ठीक अभी पकड़ होनी चाहिए, और आप इसका अध्ययन कर सकते हैं। और बिली मुझे अभी दिखा रहा था, जब मैं कुछ मिनट पहले वहां आया था, कि—कि—कि ये—ये अब तैयार है कि इसे छपने के लिए भेजा जाये। इसलिए, बहन, आराधनालय आपको इसके लिए भुगतान करेगा। मैं यह आशा नहीं करता कि आप इसे बिना किसी भुगतान के करेगी। और—और या तो हम... यदि हमें पुस्तक मिलती है और इसके लिए दाम को देना पड़े, या कुछ तो, हम

इसका एक दाम रखेंगे जहाँ आपको कुछ तो मिलेगा जब भी वे इसे बेचते है, जो कुछ भी ये है। आप बस बोर्ड से इस विषय पर बात करें, ट्रस्टी बोर्ड से, या वहां उनमें से किसी से, और वे आपके लिए इसका ध्यान रखेंगे। प्रभु आपको बहुत–बहुत आशीष दे।

11 छोटे बुजुर्ग भाई और बहन किड यहां पर बैठे हुए हैं, कुछ सौ से कम उम्र है, बस कुछ ही। और मैं बहन से कुछ समय पहले मिला था, और उसने कहा, "यह शायद आखिरी बार हो कि जब मैं आपसे मिलूंगी, भाई बिली।" कहा, "मैं बहुत बूढ़ा हो रही हूं।"

12 मैंने कहा, "ओह, प्रभु! मैं आपको यह कहते हुए नहीं सुनना चाहता हूं। आप बस एक बुजुर्ग माता और पिता की तरह हो।" हम भाई और बहन किड से प्रेम करते हैं। हम, हर एक जन, प्रेम करते हैं। और यह बस...

13 यह मेरे लिए कुछ तो करता है जब मैं उन्हें कलीसिया में चलते हुए देखता हूं, और इस तरह का एक छोटा सा बुजुर्ग जोड़ा। और जरा सोचिए, वे मेरे जन्म से भी पहले सुसमाचार प्रचार कर रहे थे। और मैं एक बूढ़ा मनुष्य हूं। जी हां, जरा सोचिए, वे मेरे जन्म लेने से पहले प्रचार कर रहे थे। और अब मैं यहां पर हूं, मैं सोचता हूं कि मैं बहुत बूढ़ा हो रहा हूं। मैं अब छोड़ने के लिए लगभग तैयार होने के विषय में सोचता हूं। मैं भाई और बहन किड को अंदर आते हुए देखता हूं, "परमेश्वर की महिमा हो! हाल्लेलुय्या!" तब मैं कहता हूं, "नहीं, मुझे अच्छा महसूस हो रहा है।" जी हां, श्रीमान। उन्हें देखकर, वे किस तरह से कर सकते हैं, वे वास्तव में आपको किस तरह से प्रेरित करते हैं!

14 तब आप यह अनुभव करते हैं कि, लगभग मेरी आयू से, दोगुनी आयू के है, और फिर भी कार्य क्षेत्र में जा रहे हैं। आज सुबह उन्होंने नीचे आकर और किताबों के लिए पूछा, क्या वे किताबों को लेकर और उन्हें बेच सकते हैं। वे टेपों को लेना चाहते है, ताकि वे बाहर जाकर, लगभग सौ वर्ष की उम्र में इन टेपों को चलाकर प्राणों को जीत सके। अब आपके "दो पंख" कहाँ पर है जिनके बारे में हम कल रात बात कर रहे थे? जी हां। मैंने इस विषय में सोचना आरंभ किया, "मेरे पंख कहां पर है? " जब उसने इसे—इसे कल कहा। बहन किड, आपकी उम्र क्या है? [बहन किड कहती है, "मैं इक्यासी वर्ष की हूं।"—सम्पा।] इक्यासी। आपकी उम्र क्या हैं, भाई टॉम? [भाई किड कहते हैं, "बयासी।"] इक्यासी और बयासी वर्ष के,

और अब भी अपने पंखों को क्रिया में उपयोग कर रहे हैं, अभी भी करना जारी हैं।

15 ओहियो में कुछ भी गलत होता है, जिसके विषय में बहन किड जानती है, तो हमारे घर पर फोन की घंटी बजती है। एक दिन, बहन ने फोन किया, और एक छोटी बच्ची, एक छोटी लड़की, मैं सोचता हूं कि उसका जन्म हुआ था, और उसकी आंते इसके बाहर की ओर थी। [बहन किड कहती है, "मूत्राशय।"—सम्पा।] मूत्राशय, बच्चे के बाहरी हिस्से पर था। और डॉक्टर को नहीं पता था कि इसके विषय में क्या करना है, और वो ऑपरेशन करने से डर रहे थे। हमने प्रार्थना की। ["भाई ब्रंहम, ऑपरेशन किया गया, और इसे वापस अंदर डाला गया, क्योंकि, उन्होंने कहा, 'यह जीवित नहीं रह सकती।' और उन्होंने बस इसके आंतो को वापस अंदर डाल दिया।"] एक ऑपरेशन करके, आंतों को वापस अंदर डाल दिया, और सोचा कि यह जीवित नहीं रह सकती। और वो जीवित रही। ["कोई नली या मार्ग नहीं था।"] तब कोई नहीं था क्योंकि—क्योंकि... वहां मलाशय से, जिससे कि भोजन उस नली या मार्ग में से होकर जा सके। और बहन किड ने फिर से फोन किया। हमने फिर से प्रार्थना की, और अब इसकी नली या मार्ग सामान्य हो गया है। और यहाँ वह एक गवाह के रूप में है; डॉक्टर, भी। समझे? यह एक गवाह है कि प्रभु यीशु, वो महान सृष्टिकर्ता है! देखा शैतान ने क्या करने की कोशिश की? उस बच्चे के जीवन को काटने की कोशिश की। और फिर, देखो, तब मैं विश्वास करता हूं कि वह महिला प्रभु के पास आई। ["वह प्रभु के पास वापस आ गई, सीधे मेरे घर पर आई।"] प्रभु के पास वापस आ गई। बहन किड ने उसे वापस मसीह की ओर अगुवाई की, उसकी बच्ची के लिए इस महान आश्चर्यकर्म के घटित होने के बाद।

16 कल मेरे पास कैलिफोर्निया से टेलीफोन आया था, एक छोटा सा भाई वहां पर सेवकाई कर रहा था, जिसके साथ मैं वर्षो पहले था, जब मैं पहली बार कैलिफोर्निया गया था। उसका छोटा पोता जन्मा था, उसके ह्रदय में चार... तीन वाल्व बंद थे। और मैंने उसे उस मामले के बारे में बताया। मैंने कहा, "वह परमेश्वर जो इस दूसरे की सृष्टि कर सकता है और इसे सही कर सकता है, निश्चय ही वो आपके पोते को चंगा कर सकता है।" बस उस लड़के से कहो कि वह हिम्मत रखे।

17 और जब मैं पहली बार कैलिफ़ोर्निया में गया था, तो वह लड़का उस

सभा में आया था। अब से लगभग अठारह वर्ष पहले, सोलह वर्ष पहले, यह बात हुई है। और मैं कैलिफोर्निया में था। और वह... उस सभा ने उस लड़के को इतना प्रभावित किया इतना तक कि... जब उन्हें बालक हुआ, और इसका जन्म हुआ था, और उन्होंने देखा कि वहां कुछ तो गड़बड़ है, वह नीला पड़ गया था, और उन्होंने इसमें ऑक्सीजन को पंप करने की कोशिश की, और इत्यादि। और ऐसा नहीं दिखाई दे रहा था कि वह बच जाएगा, और उसके बाद डॉक्टरों ने जांच की, और पाया कि उसके हृदय में तीन वाल्व बंद थे। बिल्कुल भी खुल नहीं रहे थे, देखो, बस—बस एक वाल्व पंप हो रहा था। और उसने अपने पिता को फ़ोन किया, और कहा, "डैडी, भाई ब्रन्हम को तुरंत फोन करें। उन्हें बताए कि सब... 'अभी मसीह से मांगे। वो उसे करेगा।'" ऐसा ही है। ओह, प्रभु! वह प्रभाव, जो वे देखते हैं, देखो, हमने पिछली रात को बात की थी। सही समय पर सही बात।

18 तो ठीक है, हम बात करते रहेंगे, तो हम कभी भी इस विषय को नहीं लें पायेंगे, क्या हम नहीं करते? यह बस एक ठंडी सुबह के गुड की तरह है, यह बस उतना ही गाढ़ा है जितना गाढ़ा हो सकता है, आप जानते हैं, और सभी एक साथ चिपके हुए होते हैं। हम इस तरह की संगति को पाकर बहुत खुश हैं। जी हां, श्रीमान।

19 तो अब आइए हम अपने आप को शांत करें, अब, और अब विषय पर आ जाए। जाते हुए हो सकता है... मैं नहीं जानता कि आप इसे ब्लैकबोर्ड पर देख सकते हैं या नहीं। हो सकता है यदि मैं इसे *इस* तरह से, कुछ ही समय में घुमा दूं, क्यों, हम देख पाएंगे, अब, आप में से कुछ लोग... [भाई एडगर "डॉक्" ब्रंहम कहते हैं, "क्या इस पर रोशनी चाहिए?"—सम्पा।] क्या कहा? ["क्या आप इस पर एक तेज रोशनी को चाहते हैं?"] नहीं, मैं अभी तो ऐसा नहीं सोचता, डॉक। बस हो सकता है थोड़ी देर में। ["ठीक नीचे फर्श पर, मैं इस पर एक तेज रोशनी को डाल सकता हूं।"] तो ठीक है, हम—हम ऐसा करेंगे जब मुझे कुछ... यहां कुछ रोशनी डालेंगे? तो ठीक है। आइए बस इस रोशनी को ठीक इस पर घूमा देंगे। क्या आप वहां पीछे देख सकते हैं? क्या आप देख सकते हैं? यदि आप देख सकते हैं, तो अपना हाथ ऊपर उठाएं, यदि आप उस ब्लैकबोर्ड को देख सकते हैं, इसे वहां से पढ़ सकते है तो। नहीं। तो ठीक है। उस पर तेज रोशनी को डाले। अब, जबकि वे इसके लिए तैयारी कर रहे हैं...

20 मैं आज सुबह देर से शुरू कर रहा हूं; या, नहीं, नहीं, लगभग पंद्रह मिनट पहले कर रहा हूं। और इसलिए, तब, हम बस अपना समय लेंगे, क्योंकि हम जल्दबाजी में नहीं करना चाहते। जब आप जल्दी में होते हैं, तब आप बस उन बातों को ख़राब कर देते हैं जो आप कहने जा रहे थे। अब, मैं एक दिन टेप को सुन रहा था, जैसा कि मैंने आपको बताया था, और मैं अपने आप से बहुत ही लज्जित हुआ; ना ही उसके लिए जो मैं कह रहा था, लेकिन जिस तरह से मैं इसे बहुत जल्दी–जल्दी कह रहा था, और यह बस एक घबराहट वाली बात लग रही थी। मुझे लगता है कि जैसे रुकना चाहिए था। ये...

21 मैंने—मैंने हाल ही में उस दिन देखा जहां वे एक बड़ा चिड़ियाघर बनाने जा रहे थे, यहां लुइसविले के बीच में। और श्रीमान ब्राउन, मुझे लगता है कि वो वहां पर थे, उस चिड़ियाघर के लिए दस लाख डॉलर देने का प्रस्ताव किया गया था। खैर, यदि मेरे पास इतना पैसा होता था, तो मैं उन्हें लगभग दे देता कि उन जानवरों को आजाद कर दे। मैं—मैं इस प्रकार से किसी भी चीज को पिंजरे में बंद करने में विश्वास नहीं करता। मैं बस... मैं चिड़ियाघर जाता हूं और उन बेचारे जानवरों को देखता हूं, भालू, और शेर, और इत्यादि जानवरों को, यहाँ से वहाँ चलते हुए, जीवन भर के लिए क़ैद, आप देखते है। यह आपको बुरा महसूस कराता है। आखिरकार, वे एक मनुष्य की बुद्धि के द्वारा पकड़े गए हैं जो उनसे अधिक बुद्धिमान है। देखो? और उन्होंने उन्हें पकड़ कर और उन्हें कैद खाने में डाल दिया।

22 और मैं इस विषय में सोचता हूं: शैतान ऐसा करता है। वो उन बहुमूल्य लोगों को लेता है जिन्हें परमेश्वर के इन महान स्थानों, और कार्य–क्षेत्रों, और—और इस तरह की चीजों में यहाँ–वहाँ जाना चाहिए, फिर उसे किसी कैदखाने में डाल देते है, या किसी संप्रदाय में, या किसी मत–सिद्धांत, या ऐसा ही कुछ तो, और उसे वहां बांध देते है। और यह क्या ही भयानक बात है।

23 और मुझे चिड़ियाघर पसंद नहीं है। लेकिन मैं उन जानवरों में से एक के समान महसूस करता हूं, जब आप पूरी तरह पिंजरे में बंद हो जाते हैं और बस निकलने की कोशिश कर रहे होते है, आप जानते हैं, कि—कि कुछ करने के लिए बाहर निकले।

24 अब, इससे पहले कि हम वचन की ओर बढ़े, आइए वचन के लेखक

के पास जाए, जैसा कि हम अब अपने सिरों को अब प्रार्थना में झुकाते है।

25 हमारे अनुग्रहकारी स्वर्गीय पिता, हम आज सुबह फिर से इकठ्ठा हुए हैं प्रभु यीशु के नाम में, अर्थात आपका बहुमूल्य पुत्र। परमेश्वर, देहधारी हुआ, धरती पर आया, हमारे पापों के प्रायश्चित के लिए, और मर गया, वो धर्मी; जिससे कि हम, उसके धार्मिकता के द्वारा, अधर्मी होते हुए, उसमें सिद्ध बन सके। प्रभु, हम यह स्वीकार करते हुए आते हैं कि हम अयोग्य हैं। हमारे विषय में कुछ भी अच्छा नहीं है। और हम सब एक बड़े कैदखाने में हैं। कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम किस कोने में खड़े हैं, हम फिर भी जेल में हैं। एक उस दूसरे की सहायता नहीं कर सकता था। लेकिन, परमेश्वर, उसकी अनंत दया में, नीचे आकर और हमें आजाद करने के लिए जेल के दरवाजे खोल दिए। अब हम पिंजरे में बंद नहीं है। हम संसार के चिड़ियाघर में नहीं हैं, लेकिन अब हम आजाद हैं। हम बाहर है।

26 ओह, हम उससे कितना प्रेम करते हैं और उसकी आराधना करते हैं! हम कैसे उसकी प्रतिज्ञा के महान कार्य क्षेत्रों में से होकर चल सकते हैं, और उन्हें हमारे सामने प्रकट होते हुए देख सकते हैं! और हमारी अपनी आंखों से, उस महान अनंतता के परमेश्वर को अपने सामने प्रकट होते हुए देखते हैं, और वो स्वयं को वास्तविक बनाता है, जैसे उसने पुराने समय के भविष्यव्यक्ताओं के साथ किया था। यह जानते हुए, कि वे एक आश्वासन के साथ विश्राम करते हैं, कि किसी दिन हम फिर से वापस लौटाए जाएंगे, इस जीवन के समाप्त होने के बाद, पुनरुत्थान पर, एक अनंत जीवन के निमित, जो कभी भी नहीं मिटेगा। हमारे शरीर बूढ़े नहीं होंगे। और हम कभी भी नहीं मरेंगे। और हमें कभी भूख नहीं लगेगी। और हमारे पास कभी कोई आवश्यकता नहीं होगी। लेकिन हम उसके साथ चलेंगे। हम उसे यह कहते हुए सुनना चाहते हैं, "प्रभु के आनंद में प्रवेश करो, जो कि तुम्हारे लिए जगत की उत्पत्ति से पहले तैयार किया गया था।" पीछे पाप के अंदर आने से पहले, कैसे उसने तैयारी की थी, जैसे आदम और हव्वा के लिए, कि उन्हें कभी भी बीमार नहीं होना पड़ेगा या उन्हें कोई परेशानी ना होगी। और अब उसने इसे हमारे लिए तैयार किया है, और वह पहले से जानता था कि हम आ रहे हैं। पाप ने एक बड़ी रुकावट को बनाया, और अब पाप को यीशु के लहू के द्वारा दूर कर दिया गया है। अब, हम प्रतिज्ञा के देश के लिए बाध्य हैं, परमेश्वर की प्रतिज्ञा के द्वारा, जो कि अनंत है।

27 अब हमें आशीष दे, पिता, जैसे हम आपके वचन का अध्ययन करते हैं। हम जानना चाहते हैं कि हमें वहां होने के लिए किस प्रकार के लोग होना चाहिए। आज इस स्कूल में हमारी सहायता करें, जिससे कि हमारे पास वो महान गुरु शिक्षक हमारे साथ हो सके, अर्थात पवित्र आत्मा, जो नीचे आकर और अपने आप को उसके वचन के द्वारा हम पर प्रकट करे। क्योंकि हम इसे उसके नाम में और उसकी महिमा के लिए मांगते हैं। आमीन।

28 अब, पहले, मैं चाहूंगा कि आप मेरे साथ दूसरे पतरस के 1ले अध्याय को निकाले। मैं इस वचन के एक भाग को पढ़ना चाहता हूं, दूसरा पतरस, 1ला अध्याय। और अब आप लोग जिनके पास पेंसिल और कागज है...

29 और मैं विश्वास करता हूं कि मुझे आज सुबह बताया गया था कि—कि किसी समय, मेरे सिर को वहां माइक से यहाँ–वहाँ घुमाने पर, ये टेप पर आवाज़ को कम कर देता है। मेरा वास्तव में ऐसा करने का इरादा नहीं होता है। और मैं विश्वास करता हूं, कभी–कभी, यदि हम एक—एक वेब माइक लेने पर विचार करते हैं, और इसे यहां छत पर लटका देते हैं, तब कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता आप कहीं पर भी हों, आप सही जगह पर होंगे, चारों ओर से, सब कुछ एकदम सही होगा, बस छत के ऊपर एक माइक लगा होगा।

30 और अब, जब कि मैं बात कर रहा हूं; और यदि आप, सभा के बाद, या आप चाहते हैं, तो इस पिरामिड के ढांचे को यहाँ पर से चित्रित कर सकते हैं। फिर मैंने इसे यहाँ पर भी टाइप किया है। मैं एक कील को लेकर और इसे यहां सामने लगा दूँगा, यदि आप किसी भी समय चित्रित करना चाहे तो। आज दोपहर को थोड़ा जल्दी आ जाए, जिससे कि हम समझ सके।

31 अब हम *सात मोहरों* की ओर बढ़ रहे हैं। हमने बस अभी *सात कलीसिया युगों* को समाप्त किया है। और यह शिक्षा पर एक संदेश है, जो मनुष्य को इसमें बांधता है, यही है जिसे प्रभु यीशु के लहू के द्वारा छुड़ाया जायेगा, और ये उस कलीसिया युग में होने जा रहा है, उस अनंत कलीसिया युग में मोहरों के अंत में। अब हम जानते हैं कि हमारे पास सात तुरहियां, सात विपत्तियां, कटोरे और आदि–आदि है, जिनमें हम जायेंगे, जैसे–जैसे हम आगे बढ़ते हैं। लेकिन हम और अधिक स्थान के लिए रुके हुए हैं जिससे कि लोगों को बैठाया जा सके।

32 अब, और मुझे लगा कि यह ठीक उसी में जुड़ जाएगा जहां पर मैं अपेक्षा कर रहा था। मैंने अपेक्षा नहीं की थी कि मैं इस पिरामिड का ढाँचा बनाऊँगा, लेकिन उस दिन मैं अपने कुछ बहुमूल्य मित्रों के साथ था, कॉक्सेस में, जो वहां केंटकी में है। मैं वहां पर गया, सोचा कि हो सकता है कि ऋतु समाप्त होने से पहले एक और दिन गिलहरी के शिकार के लिए मिल जाये। और मैं अपने मित्र चार्ली के साथ जंगल में वहां ऊपर था, और रॉडनी, उसका भाई साथ में थे। मैंने यहाँ तक एक गिलहरी को भी नहीं देखा। मैं सोचता हूं कि जब मैं वहां जंगल में चिल्लाया था तो मैंने उन सबको डरा दिया। यही है जो बात मेरे मन में आयी, भाइयों, और—और बहन नेल्ली और मार्गी, और जब मैंने आपको बताया था कि रविवार को जब मैं उस विषय पर पहुँचूँगा, तब तुम्हें बताऊँगा। यही है जो मेरे मन में आया, उस एक संदेश के विषय पर जिस पर मैं बोलने जा रहा था। और किस तरह से इसका बाकी का हिस्सा ठीक इसमें जुड़ा हुआ है! और, ओह, मैं इसे पसंद करता हूँ। वहां ऊपर जंगल में, एक—एक सच्ची—सच्ची जयजयकार की आत्मा थी।

33 सो अब, आइए अब हम पहला पतरस पढ़ें, मतलब... दूसरा पतरस, 1ला अध्याय, इसमें का भाग।

> *शमौन पतरस, की और से जो यीशु मसीह का दास और प्रेरित है, उन लोगों के नाम जिन्होंने हमारे परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की धार्मिकता से हमारे जैसा बहुमूल्य विश्वास प्राप्त किया है:*

34 मैं उस तरीके को पसंद करता हूं जो ठीक वहां पर कहा गया है, क्योंकि आज सुबह मेरा सारा विषय विश्वास पर आधारित है। देखा? मुझे इसे फिर से पढ़ने दे। ध्यान से सुने।

> *शमौन पतरस की और से जो यीशु मसीह का दास और प्रेरित है, उन लोगों के नाम जिन्होंने हमारे परमेश्वर* और *उद्धारकर्ता यीशु मसीह की धार्मिकता से... हमारे जैसा बहुमूल्य विश्वास...* प्राप्त*—प्राप्त किया है:*

35 ध्यान दें, वो कह रहा है, कि, "मैंने यह विश्वास प्राप्त कर लिया है, और मैं यह उन लोगों को संबोधित कर रहा हूं जिन्होंने उसी बहुमूल्य विश्वास को प्राप्त किया है।" मैं चाहता... यह बाहरी संसार के लिए नहीं है। यह कलीसिया के लिए है, देखो, वे जो मसीह में हैं।

परमेश्वर के और हमारे प्रभु यीशु मसीह *की पहचान के द्वारा अनुग्रह और शान्ति तुम* (में बहुतायात से) *बढ़ती जाए,*

उसके अनुसार जैसा कि उसके दिव्य सामर्थ ने *हमें सारी चीजों को दिया है... उसके दिव्य सामर्थ ने* अब *हमें सारी चीजों को* दिया *है जो जीवन से संबंध रखती है... ईश्वरीय, हमें उसी के ज्ञान के द्वारा दिया है, जिसने हमें अपनी ही महिमा और सद्गुण के अनुसार बुलाया है:*

जिनके द्वारा... उसने हमें... *उसने हमें बहुत ही बड़ी और बहुमूल्य प्रतिज्ञाएं दी हैं: ताकि इनके* (इन प्रतिज्ञाओं) *के द्वारा* हम *दिव्य स्वभाव के सहभागी बन सके,...*

36 अब इस इस बात को बहुत गहराई में जाने दे। आज सुबह प्रचार नहीं कर रहा हूं; हम बस इस पाठ पर शिक्षा को दे रहे हैं। "दिव्य स्वभाव।" अब मैं उस 4थे पद को फिर से पढ़ूंगा, ताकि आप इससे चूक ना जाए। "जिसके द्वारा हमें दिया गया है... "

जिनके द्वारा उसने हमें बहुत ही बड़ी और बहुमूल्य प्रतिज्ञाएं दी है: जिससे कि इन (इन प्रतिज्ञाओं) *के द्वारा हम दिव्य स्वभाव के सहभागी हो सके, जिससे कि उस सड़ाहट से छूट जाए जो संसार में बुरी अभिलाषाओं से होती हैं।*

37 देखो, "संसार," अब हम इससे बच निकले हैं। वह इसे कलीसिया के लिए संबोधित कर रहा है। इसलिए हम आज सुबह यहां पर हैं, यह जानने के लिए कि मार्ग क्या है, परमेश्वर की मांग क्या है। यहां पर कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है, जो परमेश्वर से प्रेम करता हो, लेकिन मसीह के समान और अधिक बनने की इच्छा—इच्छा ना रखता हो। अब इसे यहाँ रखा गया है। हर एक मसीही! मैं एक पुराना अनुभवी योद्धा हूं। भाई और बहन किड को यहाँ देखें, वे शायद भवन में सबसे बुजुर्ग लोग हैं। लेकिन यदि मैं उनसे पूछूं, "आपकी हृदय की इच्छा क्या है? " तो वे कहेंगे, "परमेश्वर के और समीप रहना।" जब आप मसीह के बारे में जानते हैं, तो उसके विषय में कुछ तो है जो बहुत ही प्रेमी है, आप बस ठीक उसके अंदर जाने की कोशिश करते हैं।

38 इस अभिव्यक्ति के लिए क्षमा करें। मैंने अपनी पत्नी से, यहाँ कुछ समय पहले कहा, वह... हम दोनों बूढ़े हो रहे है, और मैंने उससे कहा, मैंने कहा,

"क्या तुम मुझसे वैसे ही प्रेम करती हो जैसे तुम हमेशा करती थी? "

उसने कहा, "मैं निश्चय ही करती हूं।"

39 और मैंने कहा, "तुम जानती हो, मैं तुमसे इतना अधिक प्रेम करता हूं, इतना तक कि मैं तुम्हें लेकर और तुम्हें अपने अंदर खींचना चाहता हूं, जिससे कि हम सचमुच में और अधिक एक हो सके।"

40 अब, इस बात को दस करोड़ से गुणा करें, और तब आप पाएंगे कि किस तरह से वो विश्वासी, जो मसीह के साथ प्रेम में पड़ता है, वो उसके अंदर जाना चाहता है, क्योंकि ये एक प्रेम है। और यहां वह हमें दिखाने जा रहा है कि कैसे, इन प्रतिज्ञाओं के द्वारा, हम मसीह के दिव्य स्वभाव के सहभागी हो सकते हैं। ये, मरणहार शरीर, हम किस तरह से उसके सहभागी हो सकते हैं।

41 मैं यहां पर कुछ कह सकता हूं। कारण मैं विश्वास करता हूं... अब ज़्यादा समय नहीं हुआ किसी ने तो मुझे यहां गलत समझा। मुझे सेवको के संगठन से एक पत्र मिला है, जिसमें कहा गया है कि मैं यह विश्वास करता हूं कि वहां... "हमारा प्राण से संबंध था। और यदि हमारा उनके साथ प्राण से संबंध नहीं है तो हमें अपने जीवन साथी को छोड़ देना चाहिए, ताकि किसी और से विवाह करे जिसके साथ हमारा प्राण से संबंध था।" ओह, प्रभु!

42 मैंने कहा, "मैं इस तरह के विरोध मत के लिए दोषी नहीं हूं।" मैं हमेशा ही इसके विरोध में रहा हूं। मैं—मैं उस पर विश्वास नहीं करता। निश्चय ही नहीं। मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर हमें एक जीवनसाथी देता है। यह सच है। और फिर हम एक दूसरे का भाग बन जाते हैं। यह सही है। और इससे पहले कि एक व्यक्ति विवाह करे, उसे इन बातों पर अच्छी तरह से सोचना चाहिए, इस पर अध्ययन करना चाहिए।

43 एक दिन एक युवक ने मुझसे पूछा, कहा, "क्या आप सोच सकते है, कि मुझे *फलां–और–फलां* लड़की से विवाह करना चाहिए, भाई ब्रन्हम? "

मैंने कहा, "तुम उस लकड़ी के बारे में कितना अधिक सोचते हो? "

उसने कहा, "ओह, प्रभु, मैं बस उससे प्रेम करता हूं।"

मैंने कहा, "तो ठीक है, यदि तुम उसके बिना नहीं रह सकते हो, तो तुम्हारे लिए बेहतर होगा कि तुम उससे विवाह कर लो। लेकिन यदि तुम

उसके बिना रह सकते हो, तो तुम्हारे लिए अच्छा होगा कि नहीं करो। सो, लेकिन यदि यह बात तुम्हें मार देगी, तो बेहतर होगा कि तुम—तुम आगे बढ़ो और विवाह कर लो," मैंने कहा। और इसलिए मैं उसे क्या समझाने की कोशिश कर रहा था, यह, कि, क्या तुम उससे इतना अधिक प्रेम करते हो!

44 अब, ठीक अभी, जब तुम विवाह करते हो, तो हर एक चीज बस सही और अच्छी होती है। लेकिन तुम्हारे विवाह हो जाने के बाद, तब जीवन के कष्ट और परीक्षाये आने लगती है। यही है जब तुम्हें इतना अधिक प्रेम में होना है कि तुम एक दूसरे को समझ सको। जब तुम उसमें निराश हो जाते हो, वह तुम में निराश हो जाती है, तुम तब भी एक दूसरे को समझते हो।

45 इसी तरह से यह मसीह के साथ होता है। समझे? हमें उसके साथ इतना प्रेम करना है, इतना तक कि जब हम कुछ मांगते हैं, और वह हमें नहीं देता है, तो यह चीज हमें जरा भी नहीं हिलाती है। समझे? देखा? क्यों? और केवल एक ही तरीका है कि आप ऐसा कर सकते हैं, कि उसके दिव्य स्वभाव के सहभागी बने, तब आप उस कारण को समझेंगे जो वो आपको इसे नहीं दे सकता है। "उसके दिव्य स्वभाव के सहभागी।"

46 और यहाँ देखें, "उस सड़ाहट से बच निकले है जो संसार में बुरी अभिलाषा के द्वारा होती है।" इससे बच निकले! देखा यह किसके लिए है? यह कलीसिया के लिए है, उनके लिए जो मसीह में है, इन चीजों से ऊँचा उठाया गया है। ना ही उसने खुद को ऊंचा किया, लेकिन मसीह ने उसे ऊपर लाया।

47 मेरे अश्वेत भाइयों और बहनों के लिए जो आज सुबह यहाँ उपस्थित हैं, मेरा मतलब किसी भी तरह से हानि पहुंचाना नहीं है। लेकिन, कुछ समय पहले मैं एक सभा में था, मैं नहीं जानता कि क्या मैंने इस बात को कभी आराधनालय में कहा है या नहीं। मैंने इसे बहुत से स्थानों पर बताया है। वहां एक अश्वेत बहन ने कहा, "क्या मैं गवाही को बताऊं, या गवाही दे सकती हूं?"

"निश्चय ही, बहन, सीधे आगे बढ़कर गवाही को दे।"

48 उसने कहा, "मैं परमेश्वर की महिमा के लिए इस गवाही को देना चाहती हूं।" उसने कहा, "आप जानते है, मैं—मैं वो नहीं हूं जो मुझे होना चाहिए," और उसने कहा, "मैं—मैं वो नहीं हूं जो मैं बनना चाहती हूं,

लेकिन," उसने कहा, "एक बात तो निश्चित है, मैं वो भी नहीं हूं जो मैं हुआ करती थी।" देखा? वह कहीं से तो आई थी। वहीं उसका पालन–पोषण हुआ था।

49 इसी तरह से हम जानते हैं कि हम मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुके हैं। हम पीछे उस गड्ढे की ओर देखते हैं जहां से हमें काटा–छाँटा गया था। समझे? हम वो नहीं हैं जो हम बनना चाहते हैं; हम यहां तक वो भी नहीं हैं जो हमें होना चाहिए; लेकिन एक बात के लिए हम धन्यवादित हैं, हम वो भी नहीं हैं जो हम हुआ करते थे। यह सही बात है। हम मार्ग पर हैं।

50 "और संसार की सड़ावट से बच निकले है।" संसार की अभिलाषा और सड़ावट से बच निकलने के बाद, आप उससे ऊपर हैं। अब यह—अब यह उस प्रकार का व्यक्ति है जिससे वह बात कर रहा है, वह व्यक्ति जो इन बातों से बच निकला है, देखो, संसार की सड़ावट।

और इसी कारण, तुम सब प्रकार का यत्न करके, अपने विश्वास पर सद्गुण; और सद्गुण पर ज्ञान;

और ज्ञान पर संयम;... संयम पर धीरज;... धीरज पर भक्ति;

और भक्ति पर भाईचारे के प्रीति; और भाईचारे की प्रीति पर प्रेम को बढ़ाते जाओ।

51 अब उसने हमें यहाँ पर रूपरेखा को दे दिया है कि क्या करना है, जानते है कि इसे कैसे करना है। अब, जैसा कि मैंने कहा, हम सब परमेश्वर के और निकट आने की कोशिश कर रहे हैं। इसी कारण से मैंने आज सुबह इस संदेश को कलीसिया के लिए चुना है, यह जानते हुए कि लोग यात्रा करके आए हैं। क्योंकि पिछली रात, मैंने कहा, "शहर के बाहर से कितने लोग यहां पर है?" लगभग अट्ठानबे प्रतिशत लोग, शहर के बाहर से है। "यहां कितने लोग सौ मील की दूरी से आये है?" क्यों, मैं सोचता हूं, अस्सी प्रतिशत से भी अधिक लोगों के हाथ ऊपर गए। "यहां कितने लोग पांच सौ मील से अधिक दूरी से आए हैं?" और लगभग एक—एक तिहाई लोग यहां सौ, पांच सौ मील अधिक दूरी से आए है। इस पर सोचे, यात्रा करने वाले लोगों के बारे में। तो ठीक है, वे लोग कलीसिया में इस तरह से अपने आप को दिखाने के लिए नहीं आते हैं। यहाँ ऐसा कुछ भी नहीं है... जैसे बाहर की दुनिया इस जगह की कोई सुंदरता को देखे। वे सभी साधारण

लोग है, गरीब, साधारण से कपड़े पहने हुए। यहाँ कुछ ऐसे दिखावा करने वाले स्वर्गदूतों का कोई समूह गान नहीं होता, न पाइप ऑर्गन, और न ही रंगीन काँच की खिड़कियाँ है। कभी–कभी तो आपको बैठने के लिए बेंच पर जगह मिलना भी मुश्किल होता है और दीवार के पास खड़े रहना पड़ता है। वे ऐसी चीज़ों के लिए यहाँ नहीं आते। लेकिन वे इसलिए आते हैं क्योंकि उनके अंदर कुछ तो ऐसा है जो एक सुंदरता को देखता है जिसे स्वाभाविक आंख नहीं देख सकती है। यह एक आत्मिक आंख है जो मसीह की सुंदरता को पकड़ती है। इसलिए वे आते हैं।

52 इसलिए, सभा को लेने से कई दिन पहले, मैं निरंतर प्रार्थना में रहता हूं। जंगल में जाकर, मेरी जेब में लेकर... पत्नी को बताता हूं, "मैं आज सुबह गिलहरी का शिकार करने जा रहा हूं।" और मैं अपनी जेब में एक पेंसिल और एक कागज का टुकड़ा डाल देता हूं। जैसे ही देखने के लिए पर्याप्त उजियाला हो जाता है, मैं कहीं तो एक पेड़ से टिककर बैठ जाता हूं, हाथों को ऊपर हवा में उठाकर, और कहता हूं, "प्रभु, मैं आज क्या कर सकता हूं? आप मुझे अपने बच्चों के लिए क्या देंगे? "

53 फिर जब मैं किसी ऐसी चीज की प्रेरणा को पाता हूं जो जलती हुई प्रतीत होती है, जो कुछ तो इस तरह से आती है। जब उसकी उपस्थिति निकट आने लगती है, तो मैं दूर से कुछ तो इस तरह से सुनना आरंभ करता हूं, इसी क्रम में कुछ तो। "दो गुना दो बराबर चार।" ये और निकट आती है, "दो गुना दो बराबर चार। दो गुना दो बराबर चार। दो गुना दो बराबर चार।" इस तरह से आगे, आगे, आगे। यह उसकी उपस्थिति है जो अंदर आती है।

54 अपने आप को समर्पित करता हूं, और थोड़ी देर के बाद आप खुद से अलग हो जाते हैं। वहां दर्शन आता है, "*ऐसे–ऐसे* स्थान पर जाओ, और *ऐसी–ऐसी* कोई बात को करो।" समझे? अपने मन को परमेश्वर पर मनन करना आरंभ करता हूँ, संसार से बाहर, संसार से दूर, वहां बाहर जंगल में, अपने आप से।

55 और यह आना आरंभ होता है, "एक, एक... " मैं कोई भी नंबर को कहता हूं, या कुछ भी, बस कुछ तो धीरे–धीरे शुरू होने लगता है, धीमे से अंदर आने लगता है। उसके बाद यह बहुत ही तेजी से, बहुत ही तेजी से आता है। आप वहां बैठकर और अपने हाथों को ऊपर उठाते है, एक शब्द

भी ना कहते, बस अपने हाथों को हवा में ही रखते है। पहली बात जो आप जानते हैं, आपका सारा अस्तित्व दूर उठा लिया जाता है। तब आप उन चीजों को देखते हैं जिसे वह चाहता है कि आप जाने, वह आपको आने वाली बातों को दिखाता है।

56 कभी–कभी यह एक किसी निश्चित स्थान तक आता है, और फिर रुक जाता है। यह किसी दर्शन में नहीं जाता है। उसके बाद वचनों को बस एक साथ उंडेला जाता है। मैं अपनी पेंसिल को पकड़ता हूं, इसलिए कि मैं इसे ना भूलूं, और इसे लिख लेता हूं, इसे लिखकर रखता हूं।

57 और मैं घर आता हूं और इसे बार–बार देखता हूं, और इसका अध्ययन करता हूं। और कभी–कभी इसका मेरे लिए कोई अर्थ ही नहीं होता है जब मैं इसे बार–बार देखता हूं। और फिर, थोड़ी देर बाद, यहाँ ये आता है! यह अचानक समझ में आता है, और फिर से दूर हो जाती है। फिर मैं *इस* तरह की एक छोटी सी किताब को लेता हूं, और बस रेखाचित्र बनाना शुरू करता हूं, जितना मैं जोर लगाकर कर सकता हूं इसे करता हूँ, जो वो मुझे बताता है। मैंने सोचा, "प्रभु, मैं आराधनालय में जाकर और उन्हें बताऊंगा। मैं... 'नीचे आ जाओ।' मेरे पास उनके लिए कुछ तो है।" तो, इसी तरह से यह आता है। बिल्कुल ऐसा ही है। जब तक, पहले, वह मुझे इसे नहीं देता, तब तक मैं इसे नहीं दे सकता।

58 तो, फिर, इन छोटे–छोटे रेखाचित्र जिस पर आप मुझे इसकी ओर विचार करते हुए देख रहे हैं। और सबसे पहले मैंने जब इसे शुरू किया था, लेकिन यह वाला हिस्सा मुझे अभी एक–दो दिन पहले ही जंगल में समझ में आया।

59 अब, ये लोग हैं—हैं... पतरस यहाँ कह रहा है, कि किस तरह से हमें उसके दिव्य स्वभाव का सहभागी होना चाहिए। अब, हम में से हर एक जन परमेश्वर के डील–डौल में बढ़ने की कोशिश कर रहा है।

60 अब, जब हम सात मोहरों में से होकर जाते हैं उसके बाद, तब, सातवी मोहर के आवाज़ देने के समय पर, मेरा मतलब इसके खुलने पर... निश्चय ही, हम जानते हैं कि एक मोहर क्या होती है, ये सेवकाई का खुलना है, ताकि सात मोहरों को खोले। और हम इसे ठीक यहाँ चार्ट पर देखेंगे। ये एक संदेश का खुलना है, कुछ तो जो मोहरबंद किया गया है।

61 पिछले रविवार की रात को, मैंने उस पर प्रचार किया, "वो चाबी।"

और चाबी विश्वास है। विश्वास चाबी को थामे रखता है, और चाबी वचन है। और मसीह वो द्वार है। समझे? इसलिए विश्वास वचन की छोटी–छोटी कड़ियों को लेकर और परमेश्वर की उन महिमा और भलाई को वहां उसके लोगों के लिए खोल देता है। देखा? इसलिए, यह, विश्वास उस चाबी को पकड़कर लोगों के लिए मसीह को खोल देता है; इसे खोल देता है, इसे प्रकट करता है।

62 तो, आज, हम उसी चाबी को लेने की कोशिश करेंगे, ताकि परमेश्वर के डील–डौल में एक गुणी मसीही बनने के मार्ग को खोल सके, जो कि, जीवित परमेश्वर के वास करने के लिए एक जीवित भवन बन सके।

63 याद रखें, परमेश्वर अपने आप को तीन तरह से प्रकट करता है। पहली बार, उसने स्वयं को अग्नि के स्तंभ में प्रकट किया, जो पितृत्व कहलाया था। उसके बाद वही परमेश्वर, जो यीशु मसीह में प्रगट हुआ, जिसे उसने एक शरीर बनाया, इस शरीर को बनाया। तीसरा, उस शरीर के मृत्यु ज़रिए से, उसने एक कलीसिया को पवित्र किया जिसमें वह वास कर सकता है। यह हमारे ऊपर परमेश्वर था; परमेश्वर हमारे साथ; परमेश्वर हमारे अंदर; वही परमेश्वर।

64 यही कारण है कि इसे पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा कहा गया है। ना ही तीन परमेश्वर; एक परमेश्वर के तीन कार्य स्थान। उन्होंने केवल निसियन परिषद में इसके बारे में सोचा होता, तो हम सब गड़बड़ी में तो नहीं होते, क्या हम होते? यह सही है। ना ही तीन ईश्वर। लोग यह नहीं समझ सकते है कि यीशु ने पिता से कैसे बात की, और वो और पिता एक हैं। तो ठीक है, वहाँ पूरी बात ऐसी है। निश्चय ही, बस इसे खोल देता है। निश्चित रूप से। समझे? यह तीन परमेश्वर नहीं है। तीन कार्य स्थान है! तीन मा–...

65 यह क्या है? परमेश्वर अपनी सृष्टि के लिए अपने स्तर से नीचे उतर कर आता है। परमेश्वर आराधना को चाहता है। *परमेश्वर* शब्द का अर्थ है "आराधना की वस्तु।" और यह परमेश्वर अपने लोगों को तैयार करने का प्रयास कर रहा है, ताकि वो उनसे वह उद्देश्य को पूरा करवा सकें जिसके लिए उसने उनकी सृष्टी की। उसने आपको कभी भी परमेश्वर के बेटे और बेटी के अलावा कुछ और बनने के लिए नहीं बनाया। यदि आप परमेश्वर के बेटे और बेटी होने से चूक गए हैं, तो आप निशाने से चूक गए हैं।

66 और "चूक," उस *एस–आई–एन* पाप शब्द का अर्थ है "निशाने से

चूकना," निशाने से चूक जाना। फिर, यदि मैं एक निशाने पर गोली चला रहा हूं, पचास गज की दूरी पर एक लक्ष्य को साध रहा हूं, और मैं गोली को चलाता हूं; मेरी बंदूक को थोड़ा नीचे करके और गोली चलाता हूं, और मैं चार या पांच इंच निशाने से चूक जाऊंगा, ऐसा क्यों हुआ? मेरी बंदूक को ऊपर की ओर करने की आवश्यकता है। वहां कुछ तो गलत है। और यदि मैं परमेश्वर में विश्वास करने से चूक जाता हूं, यदि मैं एक मसीही होने से चूक जाता हूं... परमेश्वर ने आपको यहां एक मसीही बनने के लिए रखा है। यदि आप एक ओर हट गए हैं, तो वापस आकर और ख़ुद का सुधार कर ले। और केवल एक ही चीज है जो आपको सुधार सकती है, वह है वचन। पवित्र आत्मा वचन में होता है, जो आपका सुधार करता है, आपको फिर से सीधे निशाने पर लाता है। बिल्कुल सही है।

67 अब, हम उसके वचन का अध्ययन करने जा रहे हैं। स्तिफनुस ने प्रेरितों के काम 7 में कहा, और यह भी... आइए हम अब इसे पढ़ें। (अब इस पर बात करते हुए, हम परमेश्वर के एक भवन के बारे में बात कर रहे हैं।) अब, स्तिफनुस ने कहा... (क्योंकि, यह जीवित परमेश्वर का एक जीवित भवन होने जा रहा है।) स्तिफनुस ने प्रेरितों के काम के 7वें अध्याय में कहा, और मैं विश्वास करता हूं कि हम... प्रेरितों के काम 7 में, लगभग 44वें पद से आरंभ करते है:

> *साक्षी का तंबू जंगल में हमारे पूर्वजों के बीच में था, जैसा उसने* ठहराया, *जिसने मूसा से कहा, कि उसे इसे उसी के अनुसार बना जिस प्रकार से उसने इसे देखा है।*
>
> *उसी तम्बू* को हमारे पूर्वजो *ने पूर्वकाल से पाकर... यीशु के साथ यहां* ले आए, *जिस समय कि उन्होंने उन अन्यजातियों* का *अधिकार पाया,* जिन्हें *परमेश्वर ने हमारे पूर्वजों के सामने से* निकाल *दिया, और वह दाऊद के* समय *तक रहा;*
>
> *उस पर परमेश्वर ने अनुग्रह किया, और उसने विनती की, कि मैं याकूब के परमेश्वर के लिये निवास स्थान बनाऊँ।*
>
> *परंतु सुलैमान ने उसके लिये* एक *घर बनाया।*
>
> *परंतु परमप्रधान हाथ के बनाए घरों में नहीं रहता; जैसा कि भविष्यव्यक्ता ने कहा,*

स्वर्ग मेरा सिंहासन, और पृथ्वी मेरे पाँवों तले की चौकी है: मेरे लिए तुम *किस प्रकार का घर बनाओगे? प्रभु यों कहता है: और मेरे विश्राम का कौन सा स्थान होगा?*

68 अब... अब, "भवन," ये, निश्चय ही, एक स्थान है जहाँ हम विश्राम करने के लिए जाते है, अब, ताजगी को प्राप्त करने, और इत्यादि बातों के लिए, जैसे नींद से विश्राम करना, या इसी तरह की चीजें। अब, इब्रानियों 10, और 5वां पद, पौलुस इस बात को लाता है।

इसी कारण मसीह जगत में आते समय कहता है, बलिदान... (यह मसीह है।)... *बलिदान और भेंट तूने न चाहा, पर तूने मेरे लिए एक शरीर को तैयार किया:*

69 अब भवन क्या है? एक शरीर, परमेश्वर एक शरीर में वास कर रहा है।

70 परमेश्वर एक बार, ऊंचे पर, जब वह नीचे पहाड़ पर नीचे उतर आया, यहां तक कि यदि एक—एक बैल या गाय उस पहाड़ को छू भी ले, तो उसे अवश्य ही मार दिया जाना है। परमेश्वर पवित्र है।

71 कल शाम को इस बात को लिया था, जब उन दूतों ने अपने चेहरे को ढांप लिया। पवित्र साराप पवित्र चेहरों के साथ, जिन्हें यह भी नहीं पता कि पाप का क्या मतलब होता है, और उन्हें अपने चेहरे को परमेश्वर की उपस्थिति में ढांकना होता है; उनके पैरो को नम्रता में ढांकते है।

72 अब, पवित्र परमेश्वर पाप को अनदेखा नहीं कर सकता था, इसलिए कोई भी उस पहाड़ को छू भी नहीं सकता जहां परमेश्वर था।

73 तब परमेश्वर देहधारी हुआ और हमारे बीच डेरा किया, यीशु मसीह के रूप में, उसका पुत्र, उसकी सृष्टि। तब उस पुत्र ने अपना जीवन दिया, और परमेश्वर की लहू की कोशिका फूट निकली, जिससे कि वो जीवन हमारे लिए लहू में से बाहर आ सके।

74 उस लहू के द्वारा हम शुद्ध किए गए हैं। और अब हमारा लहू, हमारा जीवन, जो कि यौन इच्छा के द्वारा आया है, हमारे जीवन को संसार में ले आया। यीशु मसीह का लहू हमें शुद्ध करता है, हमारे स्वभाव को बदलता है, हमारे ऊपर पवित्र आत्मा को भेजने के द्वारा; तब हम परमेश्वर के दिव्य स्वभाव के भागीदार बन जाते हैं, तब हम परमेश्वर के लिए रहने का स्थान

बन जाते हैं। यीशु ने कहा, "उस दिन तुम जानोगे कि मैं पिता में हूं, और पिता मुझ में है; मैं तुम में, और तुम मुझ में।" समझे?

75 जानते है कि परमेश्वर कैसे अपनी कलीसिया में है। कलीसिया को अब मसीह के स्थान को लेना चाहिए, उसकी सेवकाई को जारी रखते हुए। "वह जो मुझ पर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं वह भी करेगा। अब थोड़ी देर रह गई है, और अब संसार मुझे फिर ना देखेगा; तौभी तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, यहां तक तुम में रहूंगा, संसार के अंत तक।" देखा? वहां है ये, उसके काम को जारी रखते हुए।

76 अब, परमेश्वर ने, या बाईबल ने यहाँ इसे कहा। स्तिफनुस ने सुलेमान के लिए एक मंदिर बनाने के बारे में बताया, "और परमप्रधान हाथों से बनाए मंदिरों में नहीं रहता। क्योंकि स्वर्ग मेरा सिंहासन है, और पृथ्वी मेरे पांवों की चौकी है। और मेरे विश्राम का स्थान कहां पर है? ' 'परंतु तूने मेरे लिए एक देह को तैयार किया है।'" आमीन। वहां आप है।

77 "तूने मेरे लिए एक देह को तैयार किया है।" परमेश्वर एक मनुष्य के डील–डौल में वास करता है, अपने आप को उस अस्तित्व में प्रतिबिंबित करते हुए। सिद्ध आराधना! परमेश्वर हम में है, उसका निवास स्थान होने के कारण, परमेश्वर प्रगट हो रहा है। ओह, किस तरह से हम इस बात पर तब तक बने रह सकते हैं जब तक कि गर्मी के मारे आपका यहाँ दम न घुटने लगे। ध्यान दें, कि, परमेश्वर ने हमेशा ही, हर समय, मनुष्य में स्वयं को प्रतिबिम्बित किया है।

78 वह मूसा में परमेश्वर था। उसकी ओर देखें, एक अगुवे के रूप में जन्मा; अर्थात मसीह। जिस समय में उसका जन्म हुआ था, वहां बच्चों का सताव था, उसे ढूंढने की कोशिश कर रहे थे; ऐसा ही मसीह के साथ हुआ था। और वो—वो उस समय पर जन्मा था; उसी तरह से मसीह जन्मा था। वह एक व्यवस्था को देने वाला था; उसी तरह से मसीह था। मूसा चालीस दिनों तक ऊपर गया, और आज्ञाओं को लिया, और नीचे आया। मसीह चालीस दिनों तक जंगल में गया, और वापस आया, कहते हुए, "तुमने उनके बारे में सुना है पुराने समय के लोगो को, 'तू व्यभिचार मत करना।' लेकिन, मैं तुमसे कहता हूं, जो कोई भी किसी स्त्री पर कुदृष्टि डाले, वह पहले ही उसके साथ व्यभिचार कर चुका है।" देखा? ये सारी भिन्न–भिन्न चीजें, जो, परमेश्वर स्वयं को प्रतिबिंब कर रहा था।

79 यूसुफ की ओर देखो, जो एक—एक भाइयों के झुण्ड के बीच में एक आत्मिक लड़का जन्मा था। वे सारे भले पुरुष थे, वे सारे कुलपिता। लेकिन, जब युसूफ आया, तो वो अलग ही था। वह दर्शन देख सकता था, सपने का अनुवाद कर सकता था, और इस कारण से उसके भाई उससे घृणा करते थे। क्योंकि उसी काम को करने के लिए परमेश्वर ने उसे धरती पर रखा था, उसके भाइयों ने इस बात के लिए उससे घृणा की। समझे? और यह सब क्रूस की ओर संकेत कर रहा था। और, देखो, उसे उसके भाइयों के द्वारा लगभग तीस चांदी के सिक्कों में बेचा गया था। अपने भाइयों के द्वारा, मरने के लिए एक खड्डे में फेंका गया। उस गड्ढे में से उठा लिया गया, और जाकर और फिरौन के दाहिने हाथ पर बैठा। और कोई भी मनुष्य फिरौन के पास नहीं आ सकता, जिसने उस दिन पर संसार को नियंत्रित किया था, कोई भी फिरौन के पास नहीं आ सकता था, केवल यूसुफ के द्वारा ही आ सकता था। कोई भी मनुष्य परमेश्वर के पास नहीं आ सकता, केवल मसीह के द्वारा ही आ सकता है। और जब यूसुफ महल से निकला, इससे पहले कि वह वहां से निकलता, वहां पर एक तुरही बजती थी, और दौड़ने वाले उसके आगे–आगे दौड़ते, वे चिल्लाते, "घुटने टेको! यूसुफ आ रहा है!" कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कहीं पर भी हो, या आप जो भी कर रहे हो, आपका काम कितना भी महत्वपूर्ण हो; आपको अपने घुटनों पर आना था जब तक कि यूसुफ वहां पर नहीं आ जाता।

80 और जब इन दिनों में से किसी एक दिन तुरही फूंकी जाएगी, तो हर एक घुटना झुकेगा और हर एक जीभ अंगीकार करेगी। जब मसीह, हमारा यूसुफ, महिमा को छोड़ कर और आता है, तब आपका काम महत्वपूर्ण नहीं होगा। हर एक घुटना झुकेगा, और उसे परमेश्वर का पुत्र होने के लिए अंगीकार करेगा। यह सही बात है।

81 ओह, किस तरह से हम उसे दाऊद में देखते हैं! कैसे दाऊद, एक अस्वीकृत राजा, अपने ही सिंहासन से ठुकराया गया, अपने भाइयों के द्वारा, उसका अपना पुत्र, जैतून के पहाड़ पर बैठा हुआ था, जब वह ऊपर गया, जैतून के पहाड़ की चोटी पर, पीछे मुड़कर यरूशलेम की ओर देखा और रोया; क्योंकि वहां उसके अपने ही लोग थे, जिसकी उसने सेवा की और उन्हें परमेश्वर की शिक्षा दी, और उसके अपनों ने ही उसे अस्वीकार किया और उस पर चीजों को फेंका, उस पर थूका और मजाक उड़ाया, जब उसने ऊपर पहाड़ पर जाना आरंभ किया और अस्वीकार किया गया। ओह,

परमेश्वर का पुत्र कितना सिद्ध है, आठ सौ वर्षो के बाद; एक अस्वीकृत राजा, अपने ही लोगों के बीच, पहाड़ पर बैठा हुआ और यरूशलेम के लिए रोया, एक अस्वीकृत राजा के रूप में।

82 ये क्या था? परमेश्वर स्वयं को उन भविष्यद्वक्ताओं में प्रतिबिंब कर रहा था, मसीह को प्रतिबिंबित कर रहा था।

83 तब वहां एक आया जो परमेश्वर की सिद्धता था। यह हमारे मध्य में परमेश्वर था।

84 और उस समय से लेकर, उसने अपने आप को उसकी कलीसिया में प्रतिबिंबित किया, कलवरी के इस ओर। तो, आप देखते हैं, हम सब इस निवास स्थान में जाने की कोशिश कर रहे हैं, अर्थात जीवित परमेश्वर का भवन। अब वहां कुछ लोग है...

85 हम यहाँ ध्यान देते हैं, उसने कहा, "पहले हमारे पास विश्वास, सद्गुण, ज्ञान, संयम, धीरज, भलाई मेरा मतलब भक्ति, और भाईचारे का प्रीति होती है।" तो ठीक है। भाईचारे का प्रीति, और उसके बाद प्रेम को जोड़े। मुझे इसे सारा पढ़ने दे, फिर से, जिससे कि आप निश्चित रूप से इसे अभी समझ जाए। अब हम 5वें पद से शुरू करेंगे।

> *और इसी कारण, सब प्रकार का यत्न करके, अपने विश्वास के सद्गुण को; और सद्गुण पर ज्ञान को जोडे;*
>
> *और ज्ञान पर संयम; और संयम पर धीरज; और फिर धीरज पर भक्ति;*
>
> *और भक्ति पर भाईचारे की प्रीति; और भाईचारे के प्रीति पर दैविक प्रेम को बढ़ाते जाओ,* जो कि प्रेम है।
>
> *... यदि ये बातें तुम में बनी रहे, और बढ़ती जाए, तो ये तुम्हें हमारे प्रभु यीशु मसीह के पहचान में न तो बांझ या न ही निष्फल होने देंगे।*

86 अब, पतरस यहाँ हमारे लिए कुछ तो रूपरेखा को बना रहा है, कि वहाँ कैसे पहुँचा जाए।

87 अब मैं यह कहना चाहता हूं, कि, वहां कुछ लोग हैं जिनके पास इस सद्गुण का कुछ भाग है, ज्ञान, बुद्धि, धीरज, और आदि–आदि, जो यहां तक कि मसीह होने का दावा भी नहीं करते है। अब हम बस... हम संडे

स्कूल की शिक्षा दे रहे हैं। और यह सच है। कुछ लोगों के पास इसका कुछ भाग है, जो मसीही होने का ढोंग भी नहीं करते। लेकिन ऐसा नहीं... यह ऐसा नहीं करेगा। यह एक काली चिड़िया के समान है, जो अपने पंखों में मोर के पंख लगाने की कोशिश कर रही है, ताकि उसे एक मोर बनाये। वह केवल स्वयं को शर्मिंदा करता है। बेहतर होगा कि एक काली चिड़िया बने रहे। समझे? जब वो एक मसीही हुए बिना ही इन बातों को करने की कोशिश करता है, तो वह बस पूरी तरह से हर स्थान से बाहर होता है।

88 यह एक गूलर के पेड़ की तरह है जो सेबो का उत्पादन करने की कोशिश कर रहा है। यह ऐसा नहीं कर सकता, देखो, भले ही ये एक पेड़ है। लेकिन यह सेबो का उत्पादन नहीं कर सकता है।

89 यह एक खच्चर के समान है, जो ऊन उत्पादन करने की कोशिश कर रहा है, वो भेड़ बनने की कोशिश करता है जब कि वह ऊन होता है, मेरा मतलब, वो एक खच्चर है। आप देखिए, वह ऊन का उत्पादन नहीं कर सकता। वह इसे कर ही नहीं सकता। ऊन एक भेड़ के लिए एक दान है, ना ही एक खच्चर के लिए। वो एक भेड़ की तरह अभिनय करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन वह फिर भी एक खच्चर ही है। समझे? इसलिए, वह कहता है, "तो ठीक है, मैं एक भेड़ की तरह खा सकता हूं। मैं एक भेड़ की तरह *ऐसा* कर सकता हूं।" और कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या कर सकते हैं, आपको ऊन को लाने के लिए एक भेड़ बनना होगा।

90 और मैं यहां एक मिनट के लिए रुकुंगा। भेड़ ऊन का उत्पादन नहीं करता है। उसके पास ऊन होता है क्योंकि वह एक भेड़ है। बहुत से लोग कहने की कोशिश करते हैं, "भाई, मैं अच्छा बनने की कोशिश करूंगा। मैं *ऐसा* करने की कोशिश करूंगा।" कुछ भी उत्पादन मत करो। नहीं, आप इसे नहीं कर सकते है। एक भेड़ नहीं करता, ना ही माँग की जाता है, ना ही ऊन के उत्पादन की अपेक्षा की जाती है। ये ऊन को उत्पन्न करता है, और यह इसे उत्पन्न करता है क्योंकि ये एक भेड़ है।

91 और जब आप एक मसीही होते हैं, तो आप बस आत्मा के फल को उत्पन्न करते हैं। आप—आप इसका उत्पादन नहीं करते हैं। आप इसे बनाने की कोशिश नहीं करते हैं। आप कोशिश करते है... अपने आप को कुछ ऐसा ना बनाए जो आप है ही नहीं। आप बस वही बने जो आपको बनना चाहिए, और फिर बाकी सब अपने–आप ही हो जाता है। क्या आपने लोगों

को कहते सुना है, "अच्छा, मैं आपको बताता हूं। मैं... मैं कलीसिया से जुड़ गया हूं। मुझे—मुझे वास्तव में यह झूठ बोलना छोड़ देना चाहिए"? आप अब कुछ तो फिर से उत्पादन करने की कोशिश कर रहे हैं। आप इसे नहीं कर सकते हैं, इसलिए कोशिश करने की कोई आवश्यकता नहीं है, ठीक वैसे ही—वैसे ही जैसे एक—एक खच्चर जो अपने आप से ऊन को नहीं ला सकता है। वह यह ऐसा नहीं कर सकता।

92 या, एक गिद्ध पिंडुकी के साथ खाने की कोशिश कर रहा है, एक गिद्ध कोशिश करता है—एक गिद्ध पिंडुकी बनने की कोशिश कर रहा है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि वहां एक गिद्ध है, कहता है, "आप जानते हैं, मैं एक पिंडुकी हूं," और अपने ऊपर कुछ पंख को लगाता हैं, कहता है, "देखो, मैं ऐसा दिखता हूं जैसे... " देखा? वह बस पूरी तरह से बैडोल होता जाता है। ऐसा ही एक—एक मनुष्य होता है जो कुछ तो होने का दावा करता है जबकि वो नहीं होता है। देखो, आप ऐसा नहीं कर सकते।

93 आप यह नहीं कह सकते, "अब देखो, मेरे पास सद्गुण होना चाहिए, इसलिए मैं सद्गुण को दिखाऊंगा। मुझे भक्ति का जीवन जीना है, इसलिए मैं बस इसे दिखाऊंगा।" क्यों, आप केवल पंख लगाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि वे आपकी पहुंच में हैं, लेकिन आप गलत पक्षी में पंखों को नहीं लगा सकते है। समझे? यह बस काम नहीं करेगा। और यह केवल दिखाता है कि वह पक्षी कितना ढोंगी है। समझे? क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि एक पुराना सा गिद्ध पिंडुकी के कुछ पंखों को लगाने की कोशिश कर रहा है, कहता है, "यहाँ देखो, देखो, मैं एक पिंडुकी हूँ"? समझे? अरे, हम सब जानते हैं कि वह एक गिद्ध है। समझे? समझे? बस ऐसा ही है। हम बता सकते हैं कि वो एक गिद्ध है।

94 तो, अब यह इसी तरह से है, मसीहत का उत्पादन करने की—की कोशिश करना। आप इसे नहीं कर सकते। सबसे पहली चीज जो आपको करनी है, वो है फिर से जन्म लेना। आपको बदलना होगा। समझे? और जब आप बदल जाते हैं, तो आप एक नई सृष्टि बन जाते हैं। अभी आप सही होते जा रहे हैं, अब। समझे? अब आपको पंखों की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, यह अपनी चिंता स्वयं ही करेगा, जब—जब आप फिर से जन्म लेते है। जी हां, श्रीमान।

95 जैसा कि मैंने हमेशा कहा है। आप एक—एक सूअर को लेते हैं, उसे

अच्छी तरह साफ़ करते हैं और उसको एक टक्सैलर का सूट पहनाते है, या मेरा मतलब टक्सीडो का सूट, उसे पहनाते है, और उसे वहाँ से बाहर की ओर घुमाते है; वह सीधे वापस कीचड़ के गड्ढे और गंदगी में लौट जाता है। क्योंकि, आप देखते हैं, इससे कोई लाभ नहीं होगा। वो एक सूअर है। यही उसका स्वभाव है। गंदगी में लौटना उसका स्वभाव है। आपको उसके स्वभाव को बदलना होगा, और (वो) इसका बाकी का अपने आप ही संभाल लेगा।

96 अब, ध्यान दें। आपको फिर से जन्म लेना ही होगा, जो कि बदला हुआ होता है। वहां एक बदलाव को होना है।

97 आप कहते हैं, "खैर, भाई ब्रन्हम, मैं यहां इस फंला स्त्री को जानता हूं, क्यों, उसने कभी भी कुछ भी गलत नहीं किया। वह एक अच्छी स्त्री है। या, यह *ऐसा–और–ऐसा* पुरुष, वो एक अच्छा पुरुष है। वह कभी कुछ भी नहीं करता। आप जानते हैं कि वह किसी को नुकसान नहीं पहुंचाता है।" इसका जरा भी लेना–देना नहीं है। वो एक अच्छा पड़ोसी हो सकता है, लेकिन वो तब तक एक मसीही नहीं होता है जब तक कि वो फिर से जन्म नहीं लेता है।

98 यीशु ने कहा, "जब तक मनुष्य फिर से जन्म ना ले," संत यूहन्ना 3, कि, "वो यहाँ तक राज्य को देख भी नहीं सकता।" अब, इसका मतलब, *देखना*, इसका मतलब "समझना" होता है।

99 आप किसी भी चीज की ओर देखकर, कहते हैं, "मैं बस इसे नहीं देखता।" आपका मतलब है कि आप इसे नहीं समझते हैं।

100 एक मनुष्य नहीं समझ सकता कि लोग क्यों चिल्लाते हैं। एक मनुष्य नहीं समझ सकता है कि एक मनुष्य की भाषा क्यों बदल जाती है और वो अन्य जुबान में बोलता है। स्वाभाविक मनुष्य नहीं देख सकता कि कैसे परमेश्वर की महिमा मनुष्य की आंखों के ऊपर आ जाती है, और वो दर्शन को देखता है और मनुष्य को कुछ बातों को बताता है, और क्या करना है; उन्हें उन चीजों को बताता है जिनका घटित होना तय है, और वे चीजें जिनका पूरा होना तय है, जैसे कि यहाँ तक प्रभु ने हमारे लिए कल रात को भी किया। देखा? देखा? वो—वो स्वाभाविक मन इसे समझने की कोशिश करता है। "खैर, उसने क्या किया? या, वह किस प्रकार के धोखे का प्रयोग कर रहा है? उसके पास कौन सा हथकंडा है?" किसी मनुष्य को अन्य जुबान में

बोलते हुए देखकर, वे कहेंगे... और कोई तो उसका अनुवाद करता है और देह के किसी सदस्य को बिल्कुल ठीक–ठीक बताता है कि उन्होंने क्या किया है, और उन्हें क्या नहीं करना चाहिए। समझे? देखा? वे सोचते हैं कि यह किसी प्रकार का धोखा है। "जरूर उन दोनों के बीच में कुछ तो तय हुआ है।"

101 वे इसे तब तक नहीं समझ सकते जब तक वह मनुष्य फिर से जन्म नहीं लेता। फिर जब उसका नया जन्म होता है, तब वह संगति के क्रम में होता है, क्योंकि वो एक नई सृष्टि है। उसके पास वो पुराना सन्देहजनक, संदेह करने वाला चरित्र था, ये मर जाता है। अब, वो एक नई सृष्टि है। तो, आप देखते हैं, उसे अब उसके लिए कुछ भी जोड़ने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यह अपने आप ही जुड़ जाएगा।

102 ध्यान दे, आपको फिर से जन्म लेना ही है। और जब आप नया जन्म लेते हैं, तो आपके पास बिना विश्वास के नया जन्म नहीं हो सकता। यह सही है। तो, आप देखे, मेरी इस चार्ट पर, मैंने उसी को बुनियाद पर रखा है, विश्वास ही इन सभी की बुनियाद है। "क्योंकि विश्वास के बिना परमेश्वर को प्रसन्न करना असंभव है। वो जो परमेश्वर के पास आता है उसे अवश्य ही विश्वास करना चाहिए कि वो है, और उन्हें प्रतिफल देता है जो उसे यत्न से ढूंढते हैं।" देखा? उसे करना ही है। और जब आप बाईबल पर संदेह करने वाले होते हैं, जब आप वचन के सही होने के संदेह करने वाले होते हैं, जब तक आप खुद इस पर विश्वास नहीं कर लेते, तब तक आपका पीछे रुके रहना ही सही रहेगा।

103 पाप क्या है? अविश्वास। मनुष्य जाति को नियंत्रित करने वाले केवल दो ही तत्त्व हैं। यह या तो संदेह है या विश्वास, दोनों में से एक। आप उस एक को धारण किए हुए होते है जो आपके जीवन पर अधिकार करता है। बस ये इस पर निर्भर करता है कि आपके पास कितना विश्वास है, आप कितना ऊंचा उठ सकते हैं।

104 लेकिन, पहले, इसे विश्वास होना होगा। मुझे उस बुनियाद पर कुछ समय के लिए बने रहना है। अब, विश्वास ही वो है जिसे आपको भरोसा करना ही है। विश्वास ही वह है जो... "विश्वास आशा की हुई वस्तुओं का प्रमाण है।" ये, आपके पास पहले से ही ये है जब आपके पास विश्वास होता है, क्योंकि यह विश्वास में प्रकट हुआ है। "विश्वास आशा की हुई

वस्तुओं का," इब्रानियों 11, देखो, "प्रमाण है।" यह क्या है? किस प्रकार का प्रमाण? एक पवित्र प्रमाण।

105 इसलिए, जब आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर एक चंगा करने वाला है।" तो ठीक है, यदि आप यह विश्वास करते हैं, और फिर उसे अपना चंगाकर्ता के रूप में स्वीकार करते हैं, और ना ही झूठ बोलते हुए, लेकिन वास्तव में यह विश्वास करते है कि उसके कोड़े खाने से आप चंगे हो गए हैं, वहां आपको इससे कोई भी हटा नहीं पाएगा। यह एक समाप्त हुआ काम है। अब आप आशा तो रख सकते है, तब आप *इस* पर और *उस* पर डगमगाते रहेंगे। लेकिन जब आपके पास विश्वास होता है, तो आप इसे जानते हैं, क्योंकि यह प्रमाण है। आपके पास पहले से ही ये हैं। मैं...

106 कितने लोगों ने, कोई है, जिसने आज सुबह ओरल रॉबर्ट्स को सुना है, जब वह आज सुबह प्रचार कर रहे थे, ओरल रॉबर्ट्स? मैंने—मैंने उसे कुछ तो कहते सुना या इस विषय में कि वहां एक विश्वास था, जो छुटकारे का है, छुटकारे की विश्वास की प्रार्थना को करते हुए। उसने कहा, "रेडियो को छूने के द्वारा अपने संपर्क को बनाये, किसी चीज को छूने के द्वारा अपने संपर्क को बनाये, ऐसा करने में... " वह मनुष्य ऐसा कर रहा था, जिससे कि यह लोगों को कुछ तो ऐसा दे, जिस पर वे अपने हाथों को रख सके। कुछ तो, आप कहते हैं, "अब मुझे यह मिल गया, क्योंकि उसने मुझे मेरे रेडियो को छूने के लिए कहा। मुझे यह मिल गया।" समझे? अब, वो सब ठीक है। लेकिन, अब, वास्तविक सच्चा विश्वास किसी भी चीज को छूना नहीं होता है। अब, मैं भाई ओरल को बिल्कुल भी दोषी नहीं ठहराता हूं, बिल्कुल भी नहीं। वह एक महान काम को कर रहे है, और एक धर्मी मनुष्य है, और मैं—मैं निश्चित रूप से ओरल रॉबर्ट्स को बहुत ही मानता हूं। कितनी अफ़सोस की बात है कि हमारे बीच उनके जैसे और लोग नहीं हैं।

107 लेकिन जो मैं कहने की कोशिश कर रहा हूं, कि—कि, विश्वास को किसी वस्तु की आवश्यकता नहीं है। देखा? विश्वास परमेश्वर के वचन पर भरोसा करता है। क्योंकि विश्वास "छूने" के द्वारा आता है? नहीं। "विश्वास सुनने से आता है और सुनना परमेश्वर के वचन से होता है।" जो इसे लंगर डालता है। यह वहां पर है। समझे? और विश्वास, जैसा कि इसे कहा गया, इससे कोई दूरी नहीं है। विश्वास ठीक अभी यहां पर है।

विश्वास यहां पर है। अब जैसे कि यदि कोई तो...

108 वह छोटा बालक, उस दिन। वो माँ जिसके बारे में बहन किड और उन्होंने बताया, जिसके पास वो छोटी बच्ची थी जिसकी आंते बाहर की ओर थी, मलाशय के निकलने का मार्ग नहीं था, जिससे कि भोजन उसमें से होकर गुजरे। अब, यह महिला, बहन किड को और उन्हें गवाही को देते सुन रही थी, उसने विश्वास किया कि यदि वह संपर्क में आ सके, और मैं उस बच्ची के लिए प्रार्थना करूं। अब, देखिए, परमेश्वर हमें लोगों को देता है...

109 हम में से कुछ लोगों के पास परमेश्वर के साथ अनुभव है, इतना—इतना वास्तविक कि परमेश्वर ऐसे बन जाता है बस जैसे वो यहां से जा रहा है, जैसे कि, आप भाई नेविल से बात करते हैं या किसी से भी जिससे आप परिचित हैं। और हम कभी–कभी उन लोगों से हमारे लिए प्रार्थना करने के लिए कहते हैं। यही है जो हमें करना चाहिए। तब यदि हमें विश्वास होता है कि वह पुरुष या स्त्री, जो कोई भी हमारे लिए प्रार्थना कर रहा है, परमेश्वर से बात कर रहा है, तब हमारा विश्वास दृढ़ हो जाता है। यह मजबूत हो जाता है। यह पक्का हो जाता है।

110 यहाँ। रोमी यीशु से मिलने के लिए वहां पर गया। और उसने कहा, "मैं—मैं इस योग्य नहीं हूं कि तू मेरी छत के नीचे आए। मैं—मैं नहीं हूं। मैं—मैं योग्य नहीं हूं। और मैं—मैं नहीं... मैं—मैं अपने आप को इस तरह से नहीं मानता। लेकिन," कहा, "मेरा पुत्र बहुत बीमार है। और तुम केवल वचन को बोलो, देखो, और मेरा पुत्र जीवित रहेगा।"

111 यह क्या था? दूरी से कोई फर्क नहीं पड़ता। देखा? क्योंकि, परमेश्वर सर्वव्यापी है। परमेश्वर सर्वशक्तिमान है। और जहाँ कहीं परमेश्वर है, सर्वशक्तिमान वहां है। और परमेश्वर, सर्वव्यापी होने पर, ये परमेश्वर को हर कहीं, हर जगह बनाता है। समझे? परमेश्वर जर्मनी में, स्विट्जरलैंड में, और नीचे अफ्रीका में उतना ही महान है, ठीक इस मिनट में, वह ठीक यहाँ पर उतना ही महान है। ओह! वहां आप है।

112 सो अब उसने कहा, "मैं योग्य नहीं हूं कि तू मेरी छत के तले आए। केवल वचन को बोल।" यह क्या था? यह रोमी लोगों का विश्वास था। उसने इसका विश्वास किया।

और यीशु ने कहा, "अपने मार्ग पर जा। तेरा पुत्र जीवित है।"

113 और उसने दो दिन के सफर को पूरा किया। और अगले दिन, इससे पहले कि वह घर पहुंचे, वह अपने कुछ सेवकों से मिला जो आ रहे थे। और उन्होंने कहा, "तेरा पुत्र जीवित है।"

114 और रोमी इतना रोमांचित था, इतना तक उसने कहा, "दिन के कौन से समय से वह ठीक होने लगा? दिन का कौन सा पहर?"

उसने कहा, "लगभग ग्यारहवी घड़ी में, उसकी सेहत में सुधार होना आरंभ हुआ।"

115 और रोमी जानता था कि यह वही घड़ी थी जब यीशु ने कहा, "तेरा पुत्र जीवित रहेगा," और उसने विश्वास किया था। आमीन।

116 सर्वशक्तिमान, सर्वव्यापी, सर्वज्ञानी, अनंत, यही परमेश्वर है। तो, जब वे एक फोन करते हैं और कहते हैं, "प्रार्थना करो!" वो संपर्क! और आपका विश्वास परमेश्वर को लाता है। यही वो चीज है जो प्रार्थना और परमेश्वर को एक साथ दृश्य में लाती है। प्रार्थना! विश्वास *यहाँ* से *यहाँ* बदल जाता है। यह इसे एक साथ लाता है।

117 "वचन को बोले। मैं केवल इतना ही चाहता हूं कि तू वचन को बोले, और सब कुछ ठीक हो जाएगा।" देखिए, उसे वहां होने की आवश्यकता नहीं थी। "केवल वचन को बोल।" क्यों? परमेश्वर सर्वव्यापी है। वह सर्व–सामर्थी है। वो ठीक नीचे संसार में उतना ही सामर्थी है जितना कि वह संसार के ऊपर है, या जितना दोनों ओर है। वो परमेश्वर है। "और केवल एक ही चीज जो तुझे करना है कि केवल वचन को बोल," उसने कहा।

118 और, अब, विश्वास इसके बाकी के सारा काम को करता है। विश्वास बाकी के काम को करता है। इसलिए आपके पास बुनियाद के लिए विश्वास का होना जरूरी है। सारी मसीहत, आप जो कुछ भी हैं, आप जो कुछ भी होने जा रहे हैं, यह वचन में विश्वास पर आधारित है। यही वो कारण है कि मैं वचन का विश्वास करता हूं। समझे?

119 मैं अपने विश्वास को किसी और चीज पर नहीं रख सकता। यदि मैं इसे कलीसिया पर रखता, तो मैं इसे किस कलीसिया पर रखता: कैथोलिक, लूथरन, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, पेंटीकोस्टल पर? मैं इसे कहां पर रखता? मैं नहीं जानता। वे पूरी तरह उलझन में हैं और बाकी की हर एक चीज, बातों को घुमाते हैं, और पता नहीं क्या–क्या करते हैं।

120 लेकिन जब मैं अपने वचन में विश्वास को रखता हूं, तो यह लंगर हो जाता है। कोई भी इसका अनुवाद नहीं कर सकता। यहाँ यह, **यहोवा यों कहता है** वाला वचन है। तब मैं इसका विश्वास करता हूं। वहां वो आधार है।

121 यहाँ शहर में एक अच्छा छोटा सा डॉक्टर है, मेरा एक मित्र, डॉक्टर सैम अडायर। हम बचपन से एक साथ रहे हैं। आप सब सैम को जानते हैं। और उसने मुझसे कहा, उसने कहा, "बिल... " उस दर्शन के आने के बाद, उसे बताया कि वह उसके स्थान को कहां बनाएगा, यह कैसा दिखेगा। अब वहां उसके पास जाकर, उससे कभी भी पूछे कि क्या यह सच नहीं है। ऐसा घटित होने से दो या तीन वर्ष पहले, मैंने उसे बताया कि यह कहां पर होगा। मैंने कहा, "तुम लगभग उस शहर के ब्लॉक जितने स्थान को ले लोगे।" और उसके और उनके बीच में केवल एक ही बाधा है, और यह वो पुनर्वास का स्थान है। डॉक्टर एडैर के पास इसका बाकी का सारा है, और ये दवाई की दुकान है। ऐसा ही है। डॉक्टर एडैर ने उस दर्शन को बिल्कुल ठीक–ठीक पूरा कर दिया। वह स्थान जिसके बारे में उसने कहा था, "पच्चीस वर्ष तक इसे छुआ भी नहीं जा सकता। यह मामला अदालत में है।"

122 मैंने कहा, "डॉक्टर, प्रभु ने इसे आपको आपकी विनम्रता के कारण दिया है।"

उसने कहा, "मुझमें कोई अच्छाई नहीं है।"

123 मैंने कहा, "आप एक कछुआ है। आपके बाहर की ओर एक ढांचा है, एक सख़्त परत जो आप अपने मित्रों को यहां बाहर की ओर दिखाई देते है, लेकिन अंदर से आप एक सच्चे मनुष्य हैं। उस सख़्त ढाँचे से बाहर आ जाये।" मैंने कहा, "परमेश्वर आपको इसे देगा।"

124 उसने कहा, "बिली, मैंने कभी भी आप पर संदेह नहीं किया है, लेकिन मुझे उस बात संदेह करना होगा।"

मैंने कहा, "अपने ऑफिस में जाओ।" और इसलिए वह वहां से चला गया।

125 अगली सुबह, उसने मुझे फोन किया, कहा, "मैं ठंड से मर रहा हूं।"

126 मैंने कहा, "क्या बात है? " यह जुलाई के आस–पास का समय था। मैंने कहा, "डॉक, क्या बात है? "

127 कहा, "मैं पहले ही उस स्थान को ख़रीद चुका हूं, बिली। उनकी कल रात को बोस्टन में एक बैठक हुई थी, और मैंने आज सुबह ही उस स्थान को खरीद लिया है।"

कहा, "मैंने तो आपको बताया था।"

128 एक दिन मैं वहां पर नीचे था, उससे बात कर रहा था, जब बंदूक मेरे चेहरे के पास ही विस्फोट हुई थी। उसने कहा, "मेरा अनुमान है कि यहाँ आने वाले लगभग एक हज़ार लोगों से मैंने यह बात इसी तरह कही होगी।" यह क्या है? अब, जब परमेश्वर कुछ भी कहता है, तो इसे होना ही है।

129 पिछली शाम को कुछ मित्र आए थे। उन्होंने उस दर्शन को सुना था जो बारहसिंगा के बारे में था जिसके बयालीस इंच के सींग थे, और भूरे ग्रिजली भालू के बारे में। मैं नहीं जानता कि कितने लोग घर पर आए हैं, जो इसे देखना चाहते थे। मैंने कहा, "यहां पर मापने का टेप है। इसे सींग पर रखो।" उसने इसे घटित होने से पहले ही सुना था। देखा? क्यों? जब परमेश्वर कुछ भी कहता है, तो इसे घटित होना ही है। यही कारण है, यह मूल–आधार है।

130 अब, *यहाँ* उद्धार की योजना है। और फिर यदि उसका दर्शन सिद्ध रूप से पूरा होता है, ठीक उसी तरह से जैसे वे कहते हैं कि वे होते हैं, और यहां यह कलीसिया जानती है कि यह सही है, तब उसके वचन के विषय में क्या है? समझे? यह दर्शन से भी अधिक निश्चित है। यदि दर्शन वचन के अनुसार नहीं बोलता, तो फिर दर्शन गलत है। लेकिन पहले यह वचन है, क्योंकि वचन परमेश्वर है। देखा? इसलिए, वह सर्वव्यापी है। उसने यहां पर इसे बोलता है, और इसे केनडा में घटित करता है। आमीन। देखो, वह सर्वव्यापी है। तो ठीक है।

131 पहले, आपको फिर से जन्म लेना अवश्य है। और फिर जब आपका फिर से जन्म होता है, तो आपके पास विश्वास होता है; आप वचन पर विश्वास करते हैं। जब तक आप फिर से जन्म नहीं लेते है, आप इसके विरुद्ध वाद–विवाद करते रहेंगे। यदि आप बस धार्मिक प्रवृत्ति वाले है, और—और आपके पास कुछ—कुछ—कुछ जरा सा मानवीय ज्ञान होता है कि आपको सही करना चाहिए, तो आप कभी भी परमेश्वर के वचन पर सहमत नहीं हो पायेंगे। आप ऐसा कभी नहीं करेंगे। आपको फिर से जन्म लेना होगा। और, फिर से जन्म, यह विश्वास को उत्पन्न करता है। तो ठीक

है। फिर, आपके विश्वास को पाने के बाद, यह जो ठीक *यहाँ* पर है, एफ़–ए–आई–टी–एच, विश्वास, तब आप बस बढ़ने की स्थिति में होते हैं।

132 अब, बहुत से लोग वेदी पर जाते हैं, और प्रार्थना करते हैं, और कहते हैं, "प्रभु, मुझे क्षमा करें।" और पवित्रीकरण का एक महान अनुभव उन पर आता है, और इत्यादि। तब आपके पास एक महान समय होगा, वेदी पर उठकर, चिल्लाते हुए। आप वापस जाकर, कहते है, "परमेश्वर धन्य है, मुझे ये मिल गया।" नहीं, आपने तो केवल बस एक ऐसे स्थान पर जाना आरंभ किया है जहां आप बढ़ सकते हैं। आपने अभी तक कुछ नहीं किया है। देखा? केवल एक चीज जो आपने की है वो है कि बस बुनियाद को डाला है।

133 अब आप एक घर बनाने जा रहे हैं, और आप बुनियाद डालते हैं, कहते हैं, "लड़के, मुझे ये मिल गई।" देखा? आपके पास बुनियाद है ताकि उस पर अपना घर बनाये। अब आपको एक घर बनाना है।

134 अब यही है वो जहाँ पर वो चीज आती है, आज सुबह, जिसके बारे में हम अब बात करने जा रहे हैं। तो ठीक है। एक घर, पहले यह बुनियाद है। मसीहत की बुनियाद क्या होती है? परमेश्वर के वचन में विश्वास। यही आपकी बुनियाद है। तब आप बढ़ने लगते हैं। तब आप आरंभ करते हैं, आप इस बुनियाद में जोड़ना आरंभ करते हैं।

135 अब, जब एक घर बनाते है, आप अपने खड़े खंभों को और बाकी की हर एक चीज को डालते है। भाई वुड, और इनमें से कुछ बढ़ई और यहां पर ठेकेदार हमें बता सकते हैं कि आप अपना घर कैसे बनाते हैं। देखा? लेकिन मैं आपको बताऊंगा कि आप अपने आत्मिक घर को कैसे बनाना है, जहां परमेश्वर वास कर सकता है। वह आप में वास करना चाहता है। वह आपको अपने समान बनाना चाहता है। वह चाहता है कि आप प्रतिबिंबि करें, बल्कि, उसके अस्तित्व को प्रतिबिंबित करें।

136 आप जानते हैं, पुराने समय में जब वे सोने को तैयार करते थे, इससे पहले कि उनके पास इसे जलाने के लिए गलाने वाला यंत्र होता था, वे अक्सर सोने को पीटते थे, पीट कर कचरा बाहर निकालते थे, लोहा और तांबा और चीजें बाहर निकालते थे, और इसे बस पीटते रहते थे, और इसे पलटकर, और इसे पीटते थे। भारतीय लोग अब ऐसा करते हैं, सोने को पीटते है, और वे इसे पीटते हैं। आप जानते हैं कि वे कैसे बता सकते हैं

कि सारा लोहा उसमें से बाहर निकल गया है, और सारी गंदगी और चीजें, और धातु का कचरा बाहर चला गया है? जब वो व्यक्ति जो इसे पीट रहा होता है, वो अपने प्रतिबिंब को उसमें देख सकता है, एक दर्पण की तरह। यह साफ और इतना स्पष्ट होता था इतना तक कि इसने पीटने वाले को प्रतिबिंबित किया।

137 इसी तरह से परमेश्वर करता है। वह उस सोने को लेता है जो उसने धरती पर पाया है, और वह इसे पवित्र आत्मा के द्वारा पीटता है, इसे घुमाता है, और बार–बार, और बार–बार, और इसे पीटता रहता है जब तक कि, (वो ग्रहण नहीं करता) वो उसमें उसके प्रतिबिंब को नहीं देख सकता है। [भाई ब्रन्हम अपने हाथों से कई बार ताली बजाते है—सम्पा।]

138 और यही है जो हमें करना चाहिए, परमेश्वर के पुत्र को प्रतिबिंबित करें। और अब हमें उसका काम करना चाहिए। उसने कहा, "वह जो मुझ पर विश्वास करता है... " संत यूहन्ना 14:7, "वह जो मुझ पर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं वह भी करेगा।" आप मसीह के कामों को प्रतिबिंबित करना आरंभ करते हैं।

139 लेकिन हम में से बहुत से लोग मसीह के कामों को करने की कोशिश करते हैं इससे पहले कि मसीह का प्रतिबिंब हम में हो। अब वहां पर वो परेशानी है। हम उन चीजों को घटित होते हुए देखते हैं। आप यह जानते हैं। मैं यह जानता हूं। हम मार्ग में इन ठोकरों को देखते हैं। हम सेवको को कूड़े के ढेर के समान पाते है, मसीही लोगों के, सड़क के किनारे ढेर लगे होते है, क्योंकि वे इसमें सही तरह से इसके अंदर नहीं गए।

140 और इसीलिए मैं आज सुबह यहां पर हूं, इस छोटी सी कलीसिया को शिक्षा देने की कोशिश कर रहा हूं, और मैं खुद, कि कैसे हम जीवित परमेश्वर का निवास स्थान बन सकते हैं। कितने लोग ऐसा होना पसंद करते हैं? जीवित परमेश्वर का निवास स्थान!

141 अब यहाँ है जो हम करते हैं। पहली बात क्या है? विश्वास करे और फिर से जन्म ले। यही उस बुनियाद को रखा जाना है।

142 फिर, जब हम बुनियाद को डालते हैं, उसके बाद आप अपने बुनियाद पर जोड़ते हैं। "अपने विश्वास में जोड़े," पतरस ने यहां कहा। अपने में जोड़े... पहले आपके पास विश्वास होता है, फिर आप अपने विश्वास में

सद्गुण को जोड़ते हैं। यह अगला स्तंभ है। पहले, अपने बुनियाद को उंडेल दे, अर्थात विश्वास। उसके बाद, अपने विश्वास पर, सद्गुण को जोड़ें।

143 अब, ठीक वहाँ पर हम में से बहुत से लोग हमें नीचे गिराते हैं। जी हां, श्रीमान। जी हां। "अपने विश्वास में सद्गुण को जोड़े।" इसका मतलब केवल कुंवारा जीवन जीना नहीं है, आप जानते हैं, जैसे स्त्री या पुरुष, और इत्यादि। इसका इसके साथ जरा भी कोई लेना–देना नहीं है।

144 बाईबल ने कहा, हम यहां लुका की पुस्तक में पढ़ते हैं, जहां इसने कहा, "उसमें से सद्गुण निकला।" यह सही है? यदि हम उसके समान बनने जा रहे हैं, तो फिर हमारे पास अवश्य ही सद्गुण होना है। हमारे पास होना ही है, ताकि हम उसके समान बन सकें। यह पहला गीत है जिसे मैंने कभी पसंद किया, स्तुती के गीत में—में, सबसे महान गीतों में से एक, जो था, *यीशु के समान बनू*। तो ठीक है, यदि मैं यीशु की तरह बनने जा रहा हूं, तो मेरे पास सद्गुण होना ही चाहिए, और एक ऐसा मार्ग होना चाहिए जिससे वह मुझसे होकर लोगों तक जा सके। क्योंकि, "लोगों के लिए उसमें से सद्गुण बाहर निकला।" सद्गुण! और इससे पहले कि आप इसे बाहर दे सके, पहले आपके पास ये होना है। आपके पास यह नहीं है, तो यह बाहर नहीं आएगा। अंदर ऐसा कुछ है ही नहीं जिससे यह बाहर निकल सके।

145 क्या हो यदि कोई हम में से सद्गुण को निकालने की कोशिश करता है, और चेक वापस आ जाएगा "अपर्याप्त धन"? समझे? नहीं, नहीं, वहां से निकालने के लिए कुछ नहीं है, चेक बाउंस हो जाता है। कोई तो आपकी ओर एक मसीही के रूप में देख रहा होता है, और अगले दिन आपको यहां एक पापी की तरह व्यवहार करते हुए देखता है, तो उसमें से कुछ भी सद्गुण नहीं खींचा जा सकता है। समझे? ठीक है।

146 सद्गुण को हम में होना ही है। और जब तक हम सद्गुण प्राप्त नहीं करते... फिर जब हम सच्चे सद्गुण को प्राप्त करते हैं, तो हम इसे हमारे विश्वास में जोड़ सकते हैं। यह अगली बुनियाद की दीवार है। अब, पहले आपके पास विश्वास होना चाहिए। विश्वास अकेला इसे नहीं करेगा। आपके पास... पतरस ने कहा, "तब अपने विश्वास पर सद्गुण को जोड़े।" आपके पास सद्गुण होना ही है, जिससे कि इसे आपके विश्वास में जोड़ा जाये।

147 अब, फिर, ऐसा हो सकता है, आपके पास यह नहीं होने का जो कारण है, क्योंकि आज की बहुत सी कलीसियाये आपको सिखाती है कि आपके

पास इसके होने की आवश्यकता नहीं है, या इसके दिन बीत चुके हैं। "उनके पास ये होने की आवश्यकता नहीं है। केवल एक चीज जो आपको करनी है कि बस कलीसिया से जुड़ जाये। हाँ, इसके दिन बीत गए हैं।"

148 सद्गुण, कोई भी जानता है कि सद्गुण शब्द का क्या अर्थ होता है, देखो, और हमारे पास यह होना ही है। यदि उसमें से सद्गुण निकला, कि उस बीमार स्त्री को चंगा करे, तो वो अपनी कलीसिया में उसी सद्गुण की अपेक्षा कर रहा है, क्योंकि वह हमारा उदाहरण है। और यदि उसके पास लोगों को देने के लिए सद्गुण थे, तो वह हमसे लोगों को देने के लिए सद्गुण की अपेक्षा करता है। और सद्गुण क्या है? सद्गुण शक्ति है, सामर्थ है।

149 उनमें से कुछ लोग तो परमेश्वर की सामर्थ में विश्वास तक नहीं करते। वे कहते हैं, "यह—यह—यह तो बीत चुका है। केवल एक चीज जो आपको करनी है, बस अपना नाम किताब में लिखवा ले, और छिड़काव करे, या पानी को उंडेले, या बपतिस्मा ले, या ये जो कुछ भी है। और आपको बस इतना ही करना है।"

150 लेकिन पतरस ने यहां कहा, "सद्गुण को जोड़ो।" अब, पतरस परमेश्वर के भवन को बनाने के बारे में बात कर रहा है, देखो, परमेश्वर का मंदिर, इसे एक स्थान पर तैयार कर रहा है। और आपके पास सद्गुण होने के बाद, आपके पास होना है... आपके पास विश्वास होने के बाद, आपके पास इसके साथ सद्गुण होना ही है। यह सही है। सारे संसार के लिए सद्गुण होना है।

151 मुझे लगता है कि मैंने लगभग बीस वर्ष पहले एक उपदेश को प्रचार किया था, आदरणीय श्रीमान लिली पर। लिली, वो पास्टर। इसे उस लेख से लिया जहां यीशु ने कहा, "सोसन या लिली के फूलों पर ध्यान दो, कि वे कैसे बढ़ते है, वे ना तो परिश्रम करते है और न काटते हैं। तौभी मैं तुम से कहता हूं, कि सुलेमान भी अपने सारे वैभव में उनमें से किसी के समान वस्त्र पहने हुए न था।"

152 लिली की ओर देखो। यह वहां बहुत ही नीचे कीचड़ में से निकलता है। और दिन के हर एक मिनट में इसे धरती पर से खींचना होगा। समझे? और यह इस सद्गुण के साथ क्या करता है जो इसे प्राप्त करता है? यह इसे बाहर बांटता है। यह प्रशंसको के लिए एक सुंदर दृश्य को बनाता है। यह अपने आप को मधु के लिए खोल देता है ताकि मधुमक्खी आकर और

अपने भाग को ले ले। कोई शिकायत नहीं करता। इसके पास बस ये देने के लिए ही होता है। क्या हो यदि मधुमक्खी वहां आ जाए; वहां अपर्याप्त धन हो, कोई शहद नहीं हो? वह छोटी मधुमक्खी अपने सिर को खुजाकर और कहेगी, "यह किस प्रकार का एक लिली का फूल है?"

153 यदि साथ ही वहां एक मनुष्य आ रहा हो, जो उद्धार को पाने की कोशिश करता है, वो उस कलीसिया में जाता है जो ये विश्वास करती है कि आश्चर्यकर्मों के दिन बीत चुके हैं?

154 जैसे जैक कोए ने एक बार कहा था। एक होटल के अंदर जाते हुए, और एक खाने की बड़ी व्यंजन–सूची को लेता है; इसे पढ़ना आरंभ करता है, हड्डी वाला मटन और आदि–आदि। कहता है, "मेरे लिए हड्डी वाला मटन लाना।"

"तो, यह तो बीते कल के दिन के लिए था। हमारे पास यह नहीं है।"

155 हो सकता है आप उसी तरह से व्यंजन–सूची को भी नीचे रख दे और बाहर निकल जाए, देखिए, यह सही है, क्योंकि वैसे भी उनके पास खाने के लिए कुछ भी नहीं है। इसलिए आप वहीं पर जा सकते हैं जहां एक होटल में खाने के लिए कुछ तो हो।

156 और आत्मिक मनुष्य, जो बढ़ रहा है, उसे खाने के लिए किसी चीज की जरूरत होती है। यही परमेश्वर का वचन है। मैं इसके हर एक वचन का विश्वास करता हूं।

परमेश्वर के पास एक मेज बिछी हुई है जहाँ परमेश्वर
के संतों को खिलाया जाता है,
वह अपने चुने हुए लोगों को आमंत्रित करता है, "आओ
और भोजन करो।"
उसके मन्ना के साथ वह भोजन करता है, वह हमारी
हर आवश्यकता को पूरा करता है,
ओह, हर समय यीशु के साथ भोजन करना ये मीठा
होता है!

157 यह सही है। जी हां, श्रीमान। उसके पास यह भोजन है। कलीसिया के पास यह है, जीवित परमेश्वर की कलीसिया के पास, जो इस मसीह के ज्ञान के सिद्ध मनुष्य में बनी है। अब, अब आपके पास सद्गुण होना ही है।

158 तब मैंने कहा, पहली बात जो आप जानते हैं, कि कोई ने कोई सुगंध की ख़ुशबू को लेना पसंद करता है। वह स्वार्थी नहीं है। उसके पास सुगंध है। इससे पहले कि वह सुगंध को दे सके, उसके पास यह होना चाहिए। इससे पहले कि वह शहद को दे सके, उसके पास ये होना चाहिये। इससे पहले कि वह सुंदरता को दे सके, उसके पास ये होना चाहिए।

159 इससे पहले कि आप सद्गुण को दे सकें, आपके पास ये होना है। इसलिए, अपने विश्वास पर, सद्गुण को जोड़ें। आमीन। समझे? हम उस पर लंबे समय तक बने रह सकते हैं, लेकिन हमारा समय हमसे दूर निकल जाएगा। अपने विश्वास पर सद्गुण को जोड़ना। अब, पहले है विश्वास, उसके बाद सद्गुण।

160 और फिर, तीसरी बात, आप ज्ञान को जोड़ते हैं। अब ज्ञान, इसका अर्थ सांसारिक ज्ञान से नहीं है, क्योंकि यह परमेश्वर के लिए मूर्खता है; लेकिन जांचने के लिए ज्ञान, जांचना है (क्या?) सही और गलत को। तब, आप इसकी जाँच कैसे करते हैं, यदि आपके पास आपके सद्गुण और विश्वास के साथ मसीही ज्ञान होता है? आप जांचते है कि वचन सही है या गलत है। और यदि आप अपने सारे मत–सिद्धांत को एक तरफ रख सकते हैं, और आपके सारे अविश्वास को, हर एक चीज जो आप दावा करते हैं जिसे आपने किया है, तब आपके पास ज्ञान होता है यह विश्वास करने के लिए कि परमेश्वर झूठ नहीं बोल सकता। "हर एक मनुष्य का शब्द झूठा ठहरे, लेकिन मेरा वचन सच्चा ठहरे।" समझे? अब आप ज्ञान को प्राप्त कर रहे हैं। यही सर्वोच्च ज्ञान है। आपके पास किसी कॉलेज से चार डिग्रियां होने की आवश्यकता नहीं है, या ऐसा ही कुछ, इसे होने के लिए, क्योंकि यह सारे सद्गुण आपको परमेश्वर के द्वारा दिए गए हैं, ताकि आपके विश्वास की बुनियाद पर रखे, जिससे कि आप एक सच्चे, परमेश्वर के सिद्ध मनुष्य के डील–डौल तक आ सके। जी हां, श्रीमान।

161 जोड़े, ज्ञान को जोड़ें, इसलिए, उसके वचन का ज्ञान। आपको अवश्य ही इसी तरह से विश्वास करना है। जैसे कि, आपको आज विश्वास करना चाहिए कि... और इसे स्वीकार करें, कि आश्चर्यकर्मों के दिन समाप्त नहीं हो गए। इसका ज्ञान कि परमेश्वर ने जो कहा, परमेश्वर इसे करने में सक्षम है।

162 अब्राहम ने यह विश्वास किया। और जब वह सौ वर्ष का था, तो वह अविश्वास में से होते हुए परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर नहीं डगमगाया। देखो वह

वचन कितना हास्यास्पद दिखाई दे रहा था। यहाँ सौ वर्ष का एक पुरुष है, जो अपने घर में एक नब्बे वर्ष की स्त्री के द्वारा एक बालक के जन्म लेने की प्रतीक्षा कर रहा है। देखा? बिना बालक के लगभग पचास वर्ष बीत गए थे, वह उसके साथ तब से रह रही थी जब वह एक—एक युवा लड़की थी, या किशोरावस्था। और यहां पर वो है, उसकी जीवन की धारा मरी हुई थी। और साराह का गर्भ मरा हुआ था। और सारी आशाएं जा चुकी है, जहाँ तक ये आशाएं थी। लेकिन, फिर भी, आशा के विपरीत, उसने आशा में विश्वास किया, क्योंकि उसके पास ज्ञान था कि परमेश्वर हर चीज को पूरा करने में सक्षम था जिसकी उसने प्रतिज्ञा की है।

163 अब, जब आपके पास यह इस प्रकार से होता है, तब इसे अपने विश्वास पर जोडे। जब आपके पास सच्चा सद्गुण हो, तो इसे अपने विश्वास पर जोड़ें। जब आप यहां रास्ते पर चल सकते हैं, एक मसीही की तरह जीते हैं, एक मसीही की तरह व्यवहार कर सकते हैं, एक मसीही बनते है, इसे अपने विश्वास पर जोड़ें। जब आपके पास ज्ञान होता है...

164 आप कहते हैं, "तो ठीक है, अब मैं नहीं जानता कि क्या *यह* वचन बस सही है या नहीं। अब यहां प्रेरितों के काम 2:38 है, मैं नहीं जानता कि इसके विषय में प्रेरितों के काम 28:19 के साथ कैसे जाना है, मैं नहीं जानता।" तो ठीक है। आप कुछ—आप कुछ भी नहीं जोड़ते, क्योंकि आपके पास यह अभी तक नहीं है। समझे? आप क्या करने जा रहे हैं? क्योंकि, आपके पास परमेश्वर को जानने के लिए अब भी पर्याप्त ज्ञान नहीं है, कि बाईबल स्वयं के विपरीत नहीं होती है। इसे ऐसा ही छोड़ दे। इस विषय में अधिक ना कहे। समझे? इसे ऐसा ही छोड़ दो।

165 लेकिन जब आप देख सकते हैं कि वचन अपने ही विपरीत नहीं कहता है, आप यह कह सकते हैं; और देख सकते है, कि परमेश्वर के प्रकाशन के द्वारा, सारा वचन रहस्यों में लिखा है, और केवल परमेश्वर का ज्ञान ही इसे प्रकट कर सकता है; फिर जब आप समझते हैं और कहते है, परमेश्वर के हर वचन को "आमीन" के साथ विराम चिन्ह लगाते हैं, तब इसे अपने विश्वास पर जोड़ते है।

166 ओह, आप ठीक अभी एक बहुत अच्छे व्यक्ति बन रहे हो। समझे? आप ऊपर की ओर बढ़ रहे है, देखो। किसके साथ? विश्वास के साथ, फिर सद्गुण के साथ, उसके बाद ज्ञान। देखा कि यह कैसे इस मनुष्य को

बना रहा है? आप देख सकते हैं कि इससे बचने का कोई मार्ग नहीं—नहीं है। मसीह के डील–डौल में बनने का यही मार्ग है। जी हां, श्रीमान।

167 जांचने के लिए, सही जांचे। जांच करें कि यह सही है या गलत, ताकि परमेश्वर के वचन पर विश्वास करें। जांच करें कि क्या यह सही है या गलत, क्या मुझे एक मत–सिद्धांत की सेवा करनी चाहिए या परमेश्वर की सेवा करनी चाहिए। जांच करें कि यह सही है या गलत, मुझे फिर से जन्म लेना चाहिए या एक कलीसिया से जुड़ना चाहिए। तब आप शुरुआत कर रहे हैं। सही जांच करे, जब प्रचारक कहता है, "आश्चर्यकर्मों के दिन बीत चुके है।" बाईबल ने कहा, "यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" अब आप किस पर विश्वास करने जा रहे हैं?

168 जब आप कहते हैं, "मैं परमेश्वर को लूंगा।" अब, आप बस ऐसे ही कहने के लिए नहीं कहते हैं, "तो ठीक है, मैं—मैं इसे लूंगा," बस अपने हृदय से कहते है। लेकिन, आप में कुछ तो है, आपका विश्वास वहां बाहर की ओर धकेलता है। वहां आप है। आपका विश्वास कहता है, "मैं जानता हूं कि वो एक सा है। आमीन। मैंने उसकी वैसी ही गवाही दी है। कोई भी चीज इसे मुझसे दूर नहीं कर सकती। मैं जानता हूं कि वो सच्चा है।" आमीन। तब इसे अपने विश्वास पर जोड़ें। इसे वहां बुनियाद पर रखें। अब ऊपर आ रहे है, ठीक ऊपर राज्य की ओर आ रहे है। अब एक स्थान पर पहुंचते है। तो ठीक है।

169 अब, अगली बात, प्रचारक आपको बताएगा, और कई लोग कहेंगे, "वो... ये बातें जो आप बाईबल में पढ़ते हो, वे किसी और दिन के लिए थी। अब, मैं आपको बताऊंगा क्यों। क्योंकि, हमें आज उन चीजों की आवश्यकता नहीं है। हमें इसकी आवश्यकता नहीं है। देखा? हमें नहीं चाहिए। हमें उन चीजों का अभ्यास नहीं करना चाहिए, अर्थात दिव्य चंगाई। हम कलीसिया में अन्य जुबान में बोलने का अभ्यास नहीं करते हैं, कि—कि हमारी कलीसिया को सीधा बनाये रखें। और हम *इसे* नहीं करते।"

170 हम इस बात पर जायेंगे। मेरे पास इस विषय में एक वचन लिखा हुआ है, देखो, देखते है कि क्या हमें अभी इसे लेना चाहिए या नहीं, अब।

171 लेकिन यहाँ उसने कहा, "मैं नहीं जानता। हमें आज ऐसा नहीं करना चाहिए। मैं सोचता हूं कि हमें केवल एक काम करना चाहिए, हमें भीड़ के सामने सही तरह से बोलना सिखना चाहिए। हमें जाकर और एक

मनोचिकित्सक से हमारे दिमाग की जांच करवाने की जरूरत है, यह देखने के लिए कि क्या हम अपने आप को सामने रखने में सक्षम हैं, क्या हमारा बौद्धिक स्तर इसे करने के लिए पर्याप्त ऊंचा है, और—और इसी प्रकार से इत्यादि चीजें। मैं सोचता हूं... और हमारे पास सबसे बड़ी संख्या में लोग है। हम हमारे संगठन बनाते हैं।"

172 हम एक संगठन को नहीं बना रहे हैं। मैं आज सुबह यहां एक संगठन को बनाने के लिए नहीं हूं। मसीह ने मुझे कभी भी संगठन बनाने के लिए नहीं भेजा। मसीह ने मुझे व्यक्तिगत रूप से यीशु मसीह के डील–डौल में बनाने के लिए भेजा, जिससे कि वे उसके वचन के द्वारा सामर्थ का भवन और आत्मा का वास करने का स्थान बन सके। उसके वचन के द्वारा, देखो, उस स्थान के लिए व्यक्तिगत रूप से बनाता है। ना ही एक बहुत बड़े संप्रदाय के लिए संगठन को नहीं बनाता हैं, लेकिन परमेश्वर के बेटे और बेटियों के लिए व्यक्तिगत को बनाता हैं। यही वो विचार है। देखा? अपने विश्वास पर सद्गुण को जोड़ें; अपने सद्गुण पर, ज्ञान को जोड़ें। तो, अब आप एक स्थान पर आ रहे हैं।

173 अब जब वे कहना आरंभ करते है, "खैर, हमें आज इसे स्वीकार नहीं करना चाहिए... " आपको करना ही है। इसे करना ही है।

174 वचन झूठ नहीं बोल सकता। "और उनका कोई निजी अनुवाद नहीं है," बाईबल ने कहा। आप बस इसका विश्वास करें जिस तरह से यह वहां पर लिखा गया है। देखा? आपके पास ये बातें होनी चाहिए। और केवल एक ही तरीका है कि आप कभी भी उन्हें पाने में सक्षम होंगे, ये स्वर्ग से जन्मा ज्ञान होता है। और स्वर्ग से जन्मा ज्ञान वचन को प्रमाणित करेगा। समझे?

175 आपको विश्वास करना होगा, ना ही इसका बनावटी विश्वास। इनमें से कोई भी बनावटी विश्वास नहीं है, देखो, यदि आप यह कहने की कोशिश करते हैं, "मुझे ये मिल गया।" अपने आप में मोर के पंखों को डालने वाली काले पक्षी ना बने, देखो, क्योंकि वे सीधे बाहर गिर जाएंगे। वे पंख वहां स्वाभाविक रूप से विकसित नहीं हुए हैं। वे बस इसमें लगाये गए हैं।

176 मैं सोचता हूं कि जहाँ पर दाऊद ने कहा, भजन संहिता 1, "वह उस पेड़ के समान होगा जो जल की नदियों के किनारे पर रोपा गया है।" आप जानते हैं, वहां रोपे जाने और बाहर कहीं ऐसे ही गाड़ने, फंसा देने एक फ़र्क़

होता है। पुराने बतुल के पेड़ की तरह, इसे रोपा जाता है, जो नीचे की ओर फैलता जाता है और एक अच्छी जड़ को पकड़ता है। वहां पर छोटी पुरानी सी लकड़ी को ऐसे ही गाड़ दिया जाये, तो आप नहीं जानते कि इसका क्या होने जा रहा है। जिसकी कोई जड़ नहीं है। इसकी कोई बुनियाद नहीं है। समझे?

177 यह कुछ ऐसा है जैसे कुछ लोग धर्म विद्यालय से आते है या ऐसे ही कहीं से, देखिए। नहीं है... "तो ठीक है, डॉक्टर *फलां–और–फलां* ने मुझे सेवकाई के लिए नियुक्त किया है।" इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह क्या है।

178 मसीह ने आपको इसमें जन्म दिया है, देखो, देखो, आपके विश्वास के द्वारा। समझे? आपने फिर से जन्म पाकर इसमें जन्म लिया है। और उसके बाद जब आप इसमें जन्म लेते हैं, तो ये वे चीजें हैं जो वह आपसे जोड़ने की अपेक्षा करता है। बस इन्हें जोड़ते रहिए। अब हम बिल्कुल एक क्रम से आगे बढ़ रहे हैं।

179 अब इस ज्ञान पर एक और बात होगी, जिसके विषय में हम बात कर सकते हैं, ईश्वरीय ज्ञान। देखा? "क्या इस दिन में बाईबल ने अपना अर्थ खो दिया है?" देखो, वे, बहुत से लोग आपको यह बताते हैं, कि बाईबल का सही अर्थ ऐसा नहीं है। यदि परमेश्वर मेरी ओर देखता रहता है, और मेरे पाप में मेरा सुधार करता है, और यदि मैं परमेश्वर का बेटा हूं, तो वो ऐसा करता है। वह आपके साथ इसी प्रकार से करता है, बेटे और [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] बेटियां। जब आप कुछ भी गलत करते हैं, तो वह आपको सुधारता है। फिर यदि परमेश्वर आपके विषय में इतनी परवाह करता है, कि वह आप पर नज़र रखें रहता है और आपको सुधारता है, तो फिर वह अपने वचन के विषय में कितना अधिक करता होगा, जो कि आपका आदर्श है, जो स्वयं वही है!

> *आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था।*
>
> *और... देहधारी हुआ, और हमारे बीच वास किया,...*

180 वचन यीशु मसीह का प्रकाशन है, बाईबल ऐसा कहता है, मसीह अपने वचन में प्रगट हुआ है। और यदि वो आप पर नज़र रखता है, जब आप इन नियमों का उल्लंघन करते हैं, तो वह आपको इसके लिए दोषी ठहराता है,

तो फिर वो अपने नियमों पर कितना अधिक नज़र रखता होगा जो आपको दोषी ठहराते है! आमीन।

181 आगे बढ़ो, लड़के, मुझे इन चीजों को मत बताओ!

182 मैं वास्तविक, पवित्र आत्मा के ज्ञान में विश्वास करता हूं। पवित्र आत्मा का ज्ञान हमेशा "आमीन" के साथ वचन को विराम चिन्ह लगाएगा। जब आप इन बातों को लेते हैं जो बाईबल में स्वयं के विपरीत दिखाई देती हैं, आप बैठकर और इसका अध्ययन करें, और इस तरह से प्रार्थना करें। और पहली चीज जो आप जानते हैं, पवित्र आत्मा भीतर आना आरंभ करता है। थोड़ी देर के बाद आप देखते हैं कि यह एक साथ जुड़ता है, और वहां आपको इसकी समझ मिल जाती है। देखा? यही ज्ञान है।

183 उनमें से कुछ कहते हैं, "तो ठीक है, अब, बाईबल ने कहा कि वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।"

184 और कलीसिया कहती है, "किसी मायने में, वो एक सा है।" हुंह–उह! हुंह–उह! आपने ठीक वहां पर अंतर को तोड़ दिया। देखा? जी हां, श्रीमान। नहीं, श्रीमान। वह एक सा है। जी हां, श्रीमान।

185 "यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" उसमें बिल्कुल भी कोई अंतर नहीं है। वह उसकी कलीसिया में रहता है, उसी काम को करता है। "थोड़ी देर रह गई है," जैसा कि मैंने कुछ समय पहले उल्लेख किया था, "थोड़ी देर रह गई है कि संसार मुझे नहीं देखेगा, तो भी तुम मुझे देखोगे।" क्योंकि, उसने कहा, "मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, यहां तक कि तुम्हारे अंदर रहूंगा, संसार के अंत तक।" फिर से, उसने कहा, "जो काम मैं करता हूं वह तुम भी करोगे।" फिर से, उसने कहा, "मैं दाखलता हूं। तुम डालियाँ हो।" और डाली केवल दाखलता के जीवन के द्वारा ही जीवित रहती है। जो कुछ भी दाखलता में है, वह डाली में से होते हुए बाहर आता है। महिमा! तब, "मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" यह प्रभु यीशु मसीह के जीवन को उत्पन्न करता है। आमीन।

186 ज्ञान; ना ही सांसारिक (यह तर्क करता है)। किसी भी प्रकार का सांसारिक ज्ञान तर्क को करता है। समझे? लेकिन विश्वास के पास तर्क नहीं होता। परमेश्वर आप पर प्रकट करता है कि एक *ऐसी–ऐसी* बात घटित होने जा रही है, संसार का हर एक वैज्ञानिक आपको यह बता सकता है, "यह विपरीत है। यह नहीं हो सकता।" जो भी हो, आप इसे विश्वास करते

हैं। देखा? जी हां, श्रीमान। यह तर्क नहीं करता। बाईबल ने कहा, "हम तर्कों को निकाल देते है।" आप विश्वास के साथ तर्क नहीं करते। विश्वास के पास कोई तर्क नहीं होता है। विश्वास जानता है कि यह कहां पर है। विश्वास कार्य करता है। विश्वास थामे रहता है। यह हिल नहीं सकता। कोई भी इसे हिला नहीं सकता है। मैं परवाह नहीं करता जो कुछ भी *यह, वह, इत्यादि* कहा जाये। यह जरा सा भी हिलता नहीं है। यह ठीक वहीं पर बना रहता है, रुका रहता है, रुका रहता है, रुका रहता है, रुका रहता है। कोई भी फर्क नहीं पड़ता। यह ठीक वहीं पर बना रहता है।

187 परमेश्वर ने नूह से कहा कि यह बातें घटित होने जा रही है। उसने इसका विश्वास किया। समझे? परमेश्वर ने मूसा से कहा कि ये बातें घटित होने जा रही हैं। उसने इसका विश्वास किया। परमेश्वर ने चेलों से कहा कि कुछ बातें घटित होने जा रही हैं, "वहां पेंटीकोस्ट पर वहां ऊपर जाओ और रुके रहो।" वे ठीक वहीं पर रुके रहे। जी हां, श्रीमान। तो ठीक है।

188 अब, ज्ञान, अब, ना ही सांसारिक ज्ञान, लेकिन यह स्वर्गीय ज्ञान है। और स्वर्गीय ज्ञान, जब कि परमेश्वर सारे ज्ञान का सोता है, और परमेश्वर ही वचन है, फिर, यदि आपके पास स्वर्गीय ज्ञान है, तो आप वचन पर विश्वास करते हैं, और आप हर बात का तर्क वचन के द्वारा करते हैं।

189 और यह टैक्स के मामले जिसमें ये कलीसिया होकर गई है, या जिसमें से मैं होकर गया हूं। उन लोगों में से एक व्यक्ति ने एक समय, छोटी सी कोर्ट की सुनवाई में, मुझे बताया। कहा, मैंने कहा... "उन्होंने कुछ भी गलत नहीं पाया।" और इसलिए वे आरंभ करते हैं...

190 मैंने कहा, "तो ठीक है, तब, यदि वहां कुछ भी गलत नहीं है, तो आप मेरा पीछा क्यों नहीं छोड़ते? " देखा? देखा? और मैंने आगे बढ़कर, उससे कुछ वचनों के बारे में बता रहा था।

191 उसने कहा, एक बड़ा व्यक्ति अपने हाथ में सिगरेट लिए हुए, उसने कहा, "श्रीमान ब्रन्हम, मैं एक बाईबल का विद्यार्थी हूं।"

मैंने कहा, "मुझे यह सुनकर खुशी हुई।"

192 उसने कहा, "अब मैं जानना चाहता हूं कि यह अंधविश्वास क्या है, आप इन रूमालों के लिए जो आप भेजते हैं उसका पैसा लेते है, उस रुमालों पर प्रार्थना करना और उन्हें बाहर भेजने का वह छोटा सा अंधविश्वास,

वे 'अभिषिक्त कपड़े,' जिन्हें आप, 'वस्त्र' कहकर बुलाते हैं।" उसने कहा, "उसके बाद आप उनके लिए पैसा लेते है।"

मैंने कहा, "नहीं, श्रीमान इसका कोई पैसा नहीं है।"

और उसने कहा, "तो ठीक है, इस अंधविश्वास पर।"

193 मैंने कहा, "आप इसे अंधविश्वास कहते हैं, श्रीमान। आपने मुझे कुछ मिनट पहले बताया कि आप एक बाईबल के विद्यार्थी थे।"

उसने कहा, "मैं हूं।"

194 मैंने कहा, "मेरे लिए प्रेरितों के काम 19:11 का हवाला दे।" ज्ञान! उसने अपने आप को इसमें फंसा लिया, उसने विषय को बदलने की कोशिश की। मैंने कहा, "तो फिर मुझे यूहन्ना 5:14 का हवाला दे।" वह इसे नहीं बता सका। मैंने कहा, "तब याकूब 5:14।" वह इसे नहीं बता सका। मैंने कहा, "क्या आप यूहन्ना 3:16 को जानते हैं?" समझे? ज्ञान, होशियार, संसार! लेकिन जब...

195 उसने कहा, "लेकिन, श्रीमान ब्रन्हम, आप इस मुक़दमे को बाईबल के द्वारा चलाने की कोशिश कर रहे हैं। हम इस मुकदमे को देश के कानूनों के द्वारा लड़ने की कोशिश कर रहे हैं।"

196 मैंने कहा, "श्रीमान, क्या देश के कानून बाईबल पर आधारित नहीं है? तब यही तो न्याय है।" आमीन! निश्चय ही।

197 ज्ञान; ना ही सांसारिक। वचन का आत्मिक ज्ञान, यह जानते हुए कि परमेश्वर ने क्या कहा, वही करें जो परमेश्वर ने कहा, यह सही बात है। फिर यदि आपने यह समझ लिया है और आप इन सारी बातों का विश्वास कर सकते हैं, कि वह एक सा है, और ये सारी बातें जो वचन कहता है सत्य है, आप हर एक को "आमीन" के साथ विराम चिह्न लगाते हैं। तो यह सही बात है। इसे अपने विश्वास पर जोड़ें। यह सही बात है। जी हां।

198 यदि कोई आपको यह बताने की कोशिश करे, कि, "बाईबल अपनी सामर्थ खो चुकी है। पवित्र आत्मा के बपतिस्मे जैसी कोई चीज नहीं है।" हूं–उह। इसे ना जोड़ें। यह काम नहीं करेगा। यह गिर जाएगा। यह चट्टान पर मिट्टी को डालने के समान है, यह खड़ा नहीं रहेगा। यह चूर–चूर हो जाएगा।

199 तब लोग आपको कहते हैं, "बाईबल पर आज भरोसा नहीं किया जा सकता। अब आप सावधान हो जाए। आप इसका विश्वास ना करें। यह नहीं कर सकता ट–... " आपने यह हमेशा ही सुना है। छोटी सी कहावत है, "आप बाईबल पर भरोसा नहीं कर सकते।" तो ठीक है, यदि—यदि आपके मन में यह बात है, तो आप इसे जोड़ने का प्रयास ना करें, क्योंकि वो काम नहीं करेगा। पूरी की पूरी इमारत ठीक वहां नीचे गिर जाएगी।

200 उसे पवित्र आत्मा के द्वारा सीमेंट के मसाले को लगाना है। मेरा मतलब है कि एक साथ चिपकाकर रखना, वो सीमेंट जो इसे मोहर करता है। और वही चीज जो इसे मोहर करती है... आप जानते है वह तरीका...

201 एक रासायनिक प्रक्रिया से गर्म करके लगाया गया ट्यूब एक ऊपर से चिपकाये हुए पुराने रबर के चिथड़े की तुलना में हमेशा अधिक समय तक टिकता है। थोड़ा सा गर्म करके टायर के ऊपर रबर का चिथड़ा चिपकाया जाता है, पहली बात जो आप जानते हैं, उस टायर को थोड़ा सा गर्म होने दों, थोड़ा सा तेज घुमने दो, और यह चिथड़ा पिघल कर निकल जाएगा। जी हां, श्रीमान। देखा?

202 और आजकल बहुत से लोगों के साथ यही मामला है। वे सांसारिक ज्ञान पर अपने ज्ञान को चिपकाने की कोशिश करते हैं, उस एक जरा सी पुराने सांसारिक गोंद से, और, जब परीक्षाए आती है, "ठीक है, हो सकता है मैं गलत था।" समझे? और हवा निकल जाती है, आप कुछ ही मिनटों में पंचर हो जाते हैं। आपका सार चिल्लाना और ऊपर–नीचे कूदना इससे आपका कोई भला नहीं हुआ। लोग आपको फिर से उसी गंदे कीचड़ में वापस लौटते देखते हैं। समझे? यह सही बात है।

203 लेकिन यदि आप वहां पवित्र आत्मा की पर्याप्त गर्मी के साथ तब तक बने रहते हैं, जब तक कि यह आपको और ट्यूब को एक नहीं बना देता है। ऐसा ही है। आप और ट्यूब एक बन जाते है। जब आप वहां पर बने रहते है, जब तक आप और परमेश्वर की हर एक प्रतिज्ञा एक नहीं बन जाती है, तब इसे अपने विश्वास पर जोड़ें। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो इसे बिल्कुल भी ना जोड़ें।

आप कहते हैं, "वचन पर भरोसा नहीं किया जा सकता है।" इसे जोड़ने की कोशिश ना करे।

204 आप कहते हैं, "यहां पर जो पवित्र आत्मा के बपतिस्मा की प्रतिज्ञाएं

है, वो केवल बारह प्रेरितों के लिए थी," जैसे कि आज कुछ कलीसियाये कहते हैं, इसे जोड़ने की कोशिश ना करें। यही पर उनकी बुनियाद है, जो पूरी तरह टूटकर चूर–चूर हो जाती है। समझे? जैसे उज़िय्याह था, कल रात को लिया था, जब उसने इस मनुष्य की बुनियाद को देखा जिस पर उसने भरोसा किया, पूरी तरह से टूटकर चूर–चूर हो गयी, उस पर कोढ़ लग गया, यह अच्छा नहीं था। अब, "केवल बारह प्रेरितों के लिए, केवल बारह प्रेरितों के लिए।"

205 मैं भाई राइट के पास गया था... मैं सोचता हूं कि वो वहां कहीं तो पीछे बैठे हैं। एक रात, वहां पर एक सेवक था, मैं बोल रहा था, चार या पांच प्रचारक एक साथ थे। इस प्रचारक ने उठकर और कहा, "अब, मैं आप प्रिय लोगों को कुछ तो बताना चाहता हूं। ओह, मैं सोचता हूं कि आप बहुत अच्छे लोग है।"

206 मैंने कहा, मैंने किसी को बताया, मैंने कहा, "यह—यह ठीक वहां पर एक बैठा हुआ है। ध्यान दे।"

207 सो, जूनियर जैक्सन, जो वहां पीछे खड़ा था, उसने बस बोलकर समाप्त किया था। और उसने कहा... उसने परमेश्वर के अनुग्रह पर प्रचार किया था। ओह, प्रभु!

208 वह बहुत ही बैचेन था, प्रतीक्षा कर रहा था। वह उठकर वहां गया और वो समझने की कोशिश कर रहा था। "अब, मैं यह कहना चाहता हूं कि यहां श्रीमान ब्रन्हम, मैं आपको बताता हूं, वो एक मसीह विरोधी है।" और उसने रात भर इसी प्रकार से बालना शुरू किया।

209 कुछ प्रचारकों ने बोलना आरंभ किया... मैंने कहा, "एक मिनट रुकना। अब, भाइयों, कुछ भी ना कहें। वह अकेला है और हम बहुत सारे हैं।" मैंने कहा, "अभी उसे अकेला ही रहने दो। उसने मुझे निशाना बनाया है।" मैं खुद भी इसे इतना अधिक रोकना चाहता था कि मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि क्या करूँ। देखा?

210 सो, उसने कहा, "श्रीमान ब्रन्हम एक मसीह विरोधी है," और वह आगे बोलता गया और वह सब कुछ कह रहा था, आप जानते है, इस विषय में... उसने कहा, "भाई ब्रन्हम ने वहां कहा, 'पवित्र आत्मा का बपतिस्मा।'" कहा, "बाईबल ने कहा कि केवल बारह लोगों को पवित्र आत्मा का बपतिस्मा मिला।" दिव्य चंगाई के बारे में बात करते हुए कहा,

"केवल बारह प्रेरितों के पास दिव्य चंगाई थी।" उसने कहा, "हम वहीं बोलते हैं जहां बाईबल बोलती है, और जहां बाईबल शांत है वहां शांत रहते है।" मैं तब तक प्रतीक्षा करता रहा, जब तक लगभग आधे घंटा वो वहां पर शोर मचाता रहा।

211 मैंने कहा, "बस एक मिनट रुकिए। मैंने यहां बहुत सी बातों को लिखा है," मैंने कहा, "मुझे कुछ बातों का जवाब देने का मौका दे।" और जब मैं उठा, तो मैंने कहा, "श्रीमान, उसने कहा कि वो 'जहां बाईबल बोलती है,' उसकी कलीसिया ने बोला, और जहां यह शांत रहती है, ये शांत रहते है।' आप सभी इसके गवाह है। 'हां।'" मैंने कहा, "अब, उसने कहा, 'केवल बारह लोगों को ही पवित्र आत्मा मिला था।' मेरी बाईबल ने कहा कि एक सौ बीस थे, पहली गिनती।" आमीन! इस तरह के ज्ञान को बाहर फेंक दे, आप देखिए, जो वह कोशिश कर रहा था।

212 मैंने कहा, "तब मैं समझता हूं कि पौलुस ने पवित्र आत्मा को नहीं पाया जब कि उसने कहा कि उसने पाया।" समझे?

213 मैंने कहा, "वहां... जब फिलिपुस ने जाकर सामरियों में जाकर प्रचार किया। उन्होंने यीशु के नाम में बपतिस्मा लिया था। केवल, पवित्र आत्मा उन पर नहीं उतरा था। और उन्होंने किसी को भेजकर और पतरस और यूहन्ना को बुलवा भेजा, उन्होंने वहां आकर और उन पर हाथ रखे, और पवित्र आत्मा उन पर उतरा। मुझे लगता है कि ये केवल बारह लोग ही थे? "

214 मैंने कहा, "प्रेरितों के काम 10:49 में, जब पतरस घर की छत पर था, और उसने दर्शन देखा था कि वे ऊपर कुरनेलियस की और जा रहे हैं। जब पतरस अब भी इन शब्दों को बोल ही रहा था, पवित्र आत्मा उन पर उतरा जिन्होंने वचन को सुना।" मैंने कहा, "बाईबल अब भी बोल रही है। आपकी कलीसिया कहाँ है? " ये तो होने का दावा करने वालों में पीछे रह गई है। यह ठीक बात है। समझे?

215 मैंने कहा, "दिव्य चंगाई, आपने कहा, 'केवल बारह प्रेरितों के पास ही दिव्य चंगाई थी।' बाईबल ने कहा कि स्तिफनुस सामरिया में गया और दृष्ट आत्माओं को निकाला और बीमारों को चंगा किया, और वहां नगर में बड़ा आनंद था। और वह उन बारह लोगों में से एक नहीं था। वह एक प्रेरित नहीं था। वह एक डिकन था।" आमीन। आमीन।

216 मैंने कहा, "और पौलुस उन बारह लोगों में से एक नहीं था जो ऊपरी कोठरी में थे, और उसके पास चंगाई का दान था।"

217 मैंने कहा, "बस चंगाई के दानो की ओर देखो! और आगे तीस वर्ष बाद, वह अब भी कुरिन्थियों में था, मसीह की देह में चंगाई के दान को नियुक्त कर रहा था।" ओह, प्रभु!

218 अब, उस तरह का ज्ञान जो आप ऐसे किसी पुस्तक में से सीखते हैं, तो अच्छा होगा कि आप इसे कूड़ेदान में फेंक दें। इस ज्ञान में आ जाए। जब परमेश्वर ने कहा, "वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है," तो कहे, "आमीन।" जी हां, श्रीमान। जी हां, श्रीमान। ना ही बारह लोगों को; यह सब के लिए है। जब आप इस प्रकार के एक—एक विश्वास को लेते हैं, जब आपका विश्वास इस पर विराम चिन्ह लगाता है, हर एक छोटी बात में, एक "आमीन" के साथ, तब आप कहते हैं, "तो ठीक है," इसे इस पर जोड़ें।

219 चौथा। हमें जल्दी करना होगा, क्योंकि मैं बस... यहां खड़े होकर और इसके बारे में बात करना बहुत अच्छा लगता है। आमीन। [एक भाई कहता है, "हम इसका आनंद ले रहे हैं।"—सम्पा।] जी हां। चौथा... धन्यवाद।

220 "संयम" को जोड़ें। ओह, प्रभु! हम संयम पर आ गए हैं। अब, आपके पास विश्वास था, पहला; शुरुआत करने के लिए, इसका होना ज़रूरी है। फिर आप अपने विश्वास पर सद्गुण जोड़ते हैं, यदि यह सही प्रकार का सद्गुण है। तब आप ज्ञान को जोड़ते हैं, यदि यह सही प्रकार का ज्ञान है। अब आप संयम को जोड़ने जा रहे हैं।

221 संयम का अर्थ यह नहीं होता है, "शराब पीना छोड़ दो," यहाँ, ये नहीं होता। नहीं, नहीं। संयम का अर्थ शराब का इलाज नहीं है, इस मामले में नहीं। यह बाईबल का संयम है, पवित्र आत्मा का संयम। यह तो बस शरीर की अभिलाषाओं में से एक बात है, लेकिन हम पवित्र आत्मा के संयम के बारे में बात कर रहे हैं। इसका मतलब होता है, अपनी जुबान हो कैसे नियंत्रित करें, ना ही एक बकबक करने वाला बने; अपने गुस्से को कैसे नियंत्रित करें, हर बार जब कोई भी आपसे गलत बात करे तो उस पर भड़कना नहीं है। ओह, प्रभु!

222 भाई, हममें से बहुत–से लोग तो शुरुआत होने से पहले ही इस परीक्षा में गिर जायेंगे, क्या हम नहीं गिरेंगे? देखा? फिर हम सोचते हैं कि परमेश्वर

अपनी कलीसिया में क्यों नहीं है, आश्चर्य कर्मों और चीजों को नहीं कर रहा है जो वे किया करते थे। जी हां, श्रीमान। समझे?

223 इन चीजों को जोडे। इसमें संयम को जोड़े। ओह, संयम, कैसे सज्ञनतापूर्ण उत्तर देना है जब आपसे क्रोध से बात की जाए। कोई कहता है, "तुम पवित्र शोर करने वालो का झुंड हो!" तो उछलकर खड़े मत हो जाना और अपनी लड़ने के लिए आस्तीन चढ़ाना शुरू मत कर देना। समझे? ऐसा नहीं है। लेकिन ईश्वरीय प्रेम, संयम, सज्ञनता के साथ बात करें। क्या आप इसी तरह से होना चाहते हैं? जब आप पर भड़का जाता हैं, तो वापस ना भड़के। उसे आपका उदाहरण होने दो।

224 जब उन्होंने कहा, "यदि तू परमेश्वर का बेटा है, तो इन पत्थरों को रोटी में बदल दे," वह इसे कर सकता था, और दिखा सकता था कि वह परमेश्वर था। लेकिन उसके पास संयम था। जब उन्होंने उसे, "बालजबुल" कहा, उसने कहा, "मैं तुम्हें इसके लिए क्षमा कर दूंगा।" क्या यह सही है? उन्होंने उसके चेहरे से मुट्ठी भर दाढ़ी क बाल खींच लिए, और उसके मुंह पर थूका, और कहा, "क्रूस पर से नीचे उतर आ!"

225 उसने कहा, "पिता, इन्हें क्षमा कर। वे यह नहीं जानते कि वे क्या कर रहे हैं।"

226 जब, उसके पास दान था, वह सारी बातों को जानता था, क्योंकि उसमें परमेश्वरत्व की देह की परिपूर्णता थी। उन्होंने उसे आश्चर्य कर्मों को करते हुए देखा था, लोगों को यह बताते हुए कि उनके साथ क्या समस्या है, और इसी तरह से इत्यादि। उन्होंने उसके सिर के चारों ओर इस तरह से, उसकी आंखों के चारों ओर एक कपड़े की पट्टी को बांधा, और उसके सिर पर एक छड़ी से मारा, और कहा, "भविष्यवाणी कर, हमें बता कि किसने तुझे मारा। हम तुझ पर विश्वास करेंगे।" देखा? उसके पास संयम था।

227 अब, यदि आपके पास यह इस तरह से है, तो इसे अपने विश्वास पर जोड़ें। यदि आप अब भी गुस्सा करते हैं, और उपद्रव करते हैं, और वाद–विवाद करते हैं, और ऐसा करना जारी रखते हैं, हुंह–उह, आपके पास नहीं है... आप इसे नहीं जोड़ सकते, क्योंकि यह नहीं जुड़ेगा। देखा? यह मजबूती से नहीं चिपकेगा। आप रबड़ के टुकड़े को लेकर, आपको पता है, उसे लोहे के टुकड़े के साथ नहीं चिपका सकते। यह बस काम नहीं करेगा।

नहीं, इसे लचीला होना है, बिल्कुल वैसे ही जैसे रबड़ होता है। समझे? और जब आपका विश्वास और आपका संयम पवित्र आत्मा के जैसा ही संयम बन जाता है जो उसके पास था, तब यह उसके साथ मजबूती से चिपक जाएगा। आप इसमें जुड़ जाते हैं।

जब आपका सद्गुण उसके सद्गुण के समान हो जाता है, तब यह इसके साथ जुड़ जाएगा।

228 जब आपका ज्ञान उसके ज्ञान के समान होता है, "हे परमेश्वर, मैं आपकी इच्छा पूरी करने आया हूं।" समझे? पिता के वचन के साथ, उसने हर शैतान को हरा दिया। आकाश और धरती टल जाएंगे, लेकिन उसका वचन कभी नहीं टलेगा। देखा? जब आपके पास इस तरह का ज्ञान होता है, तो यह आपके विश्वास के साथ चिपक जाएगा।

229 जब आपके पास सही प्रकार का संयम होगा, जैसे कि उसके पास था, तो यह मजबूती से चिपक जाएगा। यदि आपके पास नहीं है, बस एक मनुष्य का बनाया हुआ आधा–अधूरा, मदमत्त विश्वास, मेरा मतलब संयम है, "ओह, मुझे उसे थप्पड़ मारना चाहिए, लेकिन—लेकिन हो सकता है बेहतर होगा नहीं मारूं, क्योंकि वे इस विषय में अखबार में मेरा नाम छाप सकते हैं।" यह उस प्रकार का संयम नहीं है जिस विषय में वो बात कर रहा है। इसे जोड़ने का यत्न ना करें। यह काम नहीं करेगा। लेकिन जब आप वास्तव में अपने ह्रदय की मधुरता से, हर एक मनुष्य को क्षमा करते हैं, अपने मुँह को बंद रखते है, इसे जाने देंगे, देखो, तब यह मजबूती से चिपक जाएगा। आप इसे अपने विश्वास पर जोड़ सकते हैं। व्यूह!

230 कोई आश्चर्य नहीं कि कलीसिया बहुत ही पीछे है। क्या यह सही नहीं है? कोई आश्चर्य नहीं। मैं कहता हूं, "पश्चाताप करो और बपतिस्मा लो, बाईबल ने कहा, यीशु मसीह के नाम में।" और एक सख्त त्रिएकतावादी इसे विश्वास नहीं करता हैं, कहता हैं, "वह पुराना मसीह विरोधी है। वह एक यीशु के नाम वाला है। वो एक केवल यीशु वाला है।" वहां देखो, भाई, मैं ठीक अभी आपके संयम के बारे में नहीं जानता। देखा? आप आगे आकर, क्यों नहीं कहते हैं, "आओ इस पर एक साथ विचार करें, भाई ब्रन्हम। मैं इसकी व्याख्या को सुनना चाहता हूं"? देखा? तब वहां आकर और इसे सुनते है। और फिर इसे ठीक आपके सामने रखा जाता है, और फिर आप वहाँ से चले जाते हैं; हम—हम इसे कुछ ही मिनटों में लेंगे, "भक्ति," में

देखो। लेकिन जब आप––जब आप क्रोधित हो जाते हैं, हर बात पर तुरंत ही निष्कर्ष निकालना चाहते हैं, हुंह–उह, यह––यह वो नहीं है। समझे? जब आप ऐसा करते हैं, आपके पास अभी भी बाईबल का संयम नहीं है; कि कैसे वापस उत्तर दे। तब यदि आपके पास यह सब है, तो आप इसे अपने विश्वास पर जोड़ सकते हैं।

231 फिर, उसके बाद, चौथा, आप अपने विश्वास पर धीरज को जोड़ना चाहते हैं। यदि आपके पास विश्वास है, "यह धीरज का काम करता है," बाईबल ने कहा। समझे? तो, *यह* धीरज है। अब, यही अगली चीज है जो इस डील–डौल को बनाने जा रही है। आप जानते हैं, परमेश्वर के पास उसके भवन में असली सामग्री है।

232 देखा हम कितने पीछे है, भाईयो, बहनो? देखा? देखिए क्यों, हम कहां पर हैं? जी हां, श्रीमान। देखा? हमारे पास महिमा है, हमारे पास जयजयकार करना और इत्यादि चीजें है, क्योंकि हमारे पास विश्वास है। लेकिन जब हम यहां *इन* चीजों पर आते हैं, तो परमेश्वर हमें उस डील–डौल में नहीं बना सकता है। देखा? वह नहीं बना सकता है। वह हमें उस प्रकार के ऊँचे स्तर तक नहीं ले जा सकता। हमारे अंदर ये दूसरी–दूसरी चीज़ें भरी हुई हैं। हम गिर पड़ते हैं, इसके साथ फिसल जाते हैं। समझे? वह अपनी कलीसिया को नहीं बना सकता।

233 किसके साथ धीरज? किस प्रकार का धीरज? पहली बात है, परमेश्वर के साथ धीरज धरना है। यदि आपके पास वास्तविक, सच्चा विश्वास है, तो आपके पास वास्तविक सच्चा धीरज होगा, क्योंकि विश्वास धीरज का कार्य करता है। जब परमेश्वर कुछ भी कहता है, तो आप उस पर विश्वास करते हैं। बस ऐसा ही है। आपके पास धीरज होता है।

234 कहते है, "तो ठीक है, मैंने कल रात को उससे मुझे चंगा करने के लिए मांगा, और मैं आज सुबह भी उतना ही बीमार हूं।" ओह, प्रभु! कौन सा धीरज है?

235 परमेश्वर ने अब्राहम से कहा, और वहां पच्चीस वर्ष बाद कोई एक भी चिन्ह नहीं था। वह अब भी विश्वास कर रहा था। वह परमेश्वर के प्रति धीरजवंत था। उह–हुंह।

236 उसे हमेशा ही अपने सामने रखें। हर अगली परिस्थिति में उसे अपने सामने रखो। आप उसे पार नहीं कर सकते, इसलिए बस उसे ही अपने

सामने रखें। "उसने ऐसा कहा है, और यह होने जा रहा है।" समझे? उसे अपने सामने रखें। यह सही है।

237 नूह के पास धीरज था। जी हां। नूह के पास वास्तव में, ईश्वरीय धीरज था। परमेश्वर ने कहा, "मैं इस संसार को बारिश से नष्ट करने जा रहा हूं," और नूह ने तो भी एक सौ बीस वर्ष तक प्रचार किया। बहुत सा धीरज। यहाँ तक स्वर्ग से ओस की एक बूंद भी नहीं गिरी। कुछ भी नहीं था। बस एक सौ बीस वर्षों के लिए हमेशा की तरह धूल से भरा हुआ था, लेकिन वो धीरज धरे हुए था।

फिर, परमेश्वर आपके धीरज को परखता है। यह सही बात है। परमेश्वर उनकी परीक्षा लेता है।

238 उसके बाद उसने नूह से कहा, अब उसने कहा, "नूह, मैं चाहता हूं कि तुम आगे बढ़ो और जहाज में चले जाओ। मैं वहां जानवरों को अंदर भेजने जा रहा हूं, और मैं—मैं चाहता हूं कि तुम अंदर जाओ। अब अंदर सीढ़ी से ऊपर की ओर चढ़ जाओ, ताकि तुम ऊपर की खिड़की से बाहर देख सको। अब, मैं चाहता हूं कि तुम वहां चले जाओ। मैं चाहता हूं कि तुम इन लोगों को बताओं, 'कल के दिन, जो मैं एक सौ बीस वर्षों से प्रचार कर रहा हूं, वह बात जगह लेने जा रही है।' तो ठीक है, तुम वहां पर जाकर और उन्हें बताओ।"

239 पहला चिन्ह क्या था? नूह जहाज में था। कोई बारिश नहीं हुई थी। नूह तैयार हो गया, और रेनकोट पहन लिया, और हर एक चीज को किया, जिससे कि वह कभी–कभी बाहर देख सके। तैयार हो गया। लेकिन अगले दिन...

240 मैं सोचता हूं कि उसने अपने परिवार को बताया होगा, और उसकी पुत्र वधुओं और उन सभी को, कहा, "ओह, प्रभु! कल तुम कुछ तो ऐसा देखने जा रहे हो जो तुमने कभी भी नहीं देखा होगा। क्योंकि, सारा का सारा आकाश, ये काले होने जा रहा हैं। और गर्जन होगी और बिजलियां गिरने वाली है। परमेश्वर की बड़ी तलवार तेजी से आकाश में से होकर गुजरेगी। वो इन पापियों के झुण्ड को दोषी ठहराने जा रहा है, जिन्होंने हमें इस एक सौ बीस वर्षों के लिए ठुकरा दिया है। तुम बस ध्यान देना और देखना।" समझे?

241 कुछ आधे–अधूरे विश्वासी, आप जानते हैं, जो बीच में लटके रहते

हैं और कभी भी अंदर नहीं आते हैं, आप जानते हैं। आपको—आपको अभी भी वैसे लोग मिलेंगे, आप जानते है। सो वे—वे आगे आए, कहा, "तो ठीक है, हो सकता है वो बूढ़ा व्यक्ति सही हो, इसलिए हम वहां पर जाकर और कुछ दिनों के लिए रुकेंगे, या सुबह को कुछ घंटो तक रुकेंगे, और देखेंगे।"

242 अगले दिन, बजाए एक काले बादल के, यहाँ पर सूर्य ऊपर आने लगता है, जैसा कि हमेशा ही ऊपर आता था। नूह ने बाहर की ओर देखा। कहा, "हे, वहां कोई बादल नहीं है।"

243 यह व्यक्ति वहां पर आया, बोला, "आह, मैं जानता था कि तुम उनमें से एक हो। देखो, तुम यहाँ ऊपर आसपास ही घूम रहे हो।"

244 "तो, मुझे क्षमा करें, श्रीमान। हा–हा। हो सकता है मैं—मैं—मैं बस, आप जानते हैं, मैं बस उत्साहित हो गया था, आप जानते हैं। एक प्रकार से, देखिये। हा–हा–हा।"

245 लेकिन, नूह, उसके पास धीरज था। कहा, "यदि यह आज नहीं होती है, तो यह कल यहां पर होगी।" क्यों? परमेश्वर ने ऐसा कहा है।

"उसने तुम्हें यह कब बताया, नूह? "

246 "एक सौ बीस वर्ष पहले। मैं यहां इतनी दूर तक आ गया हूं, सो मैं अब यहां प्रतीक्षा कर रहा हूं।" इसे देखा? कुछ देर के बाद...

247 हम पाते हैं, परमेश्वर यहां दूर तक आया है, कलीसिया के लिए रुका हुआ है, लेकिन ये वहां पर होगी। आप चिंता ना करें। उसने इसकी प्रतिज्ञा की है।

248 इस सारे समय पुनरुत्थान के लिए प्रतीक्षा की। वहां एक पुनरुत्थान होगा। चिंता मत करो। परमेश्वर ने इसकी प्रतिज्ञा की है। बस धीरजपूर्वक प्रतीक्षा करें। आप सो जाते हैं, इससे कोई... ऐसा होने से पहले आप थोड़ी झपकी ले सकते हैं, लेकिन आप उस समय पर जाग जाएंगे। उसने इसकी प्रतिज्ञा की है, आप देखना। एक झपकी, देखो, जिसे हम मृत्यु की झपकी कहते हैं, आप जानते है। जिसे हम मृत्यु कहते हैं, बस एक छोटी सी झपकी, या मसीह में सो जाना। मसीह में मरना ऐसी कोई चीज नहीं है। जीवन और मृत्यु एक साथ नहीं होते हैं। समझे? हम बस एक झपकी लेते हैं, एक झपकी जिसमें से हमारे मित्र हमें नहीं बुला सकते हैं। केवल वही

वो एक है जो हमें बुला सकता है। "वह बुलाएगा, और मैं उसे उत्तर दूंगा," अय्यूब ने कहा। अय्यूब अब चार हजार वर्षों से सो रहा है। चिंता ना करे। वह—वह जाग जाएगा। चिंता मत करो। वह अब भी प्रतीक्षा कर रहा है।

249 नूह ने प्रतीक्षा की। चौथा दिन बीत गया। कोई बारिश नहीं। कोई बात नहीं। यह होने जा रही है।

250 मैं सुन सकता हूं कि श्रीमती नूह वहां आकर और कहती है, "पिताजी, क्या आपको पक्क–... ?"

"इस तरह से बात मत करो।"

251 उसके पास धीरज था, क्योंकि उसके पास विश्वास था। जी हां, श्रीमान। उसके पास सद्गुण थे। उसके पास ज्ञान था कि परमेश्वर सही है। उसके पास संयम था। उसने अपने आपे को खोकर, ये नहीं कहा, "ठीक है, मैं नहीं जानता कि यह सब क्या है। वहां मैंने अपनी सारी लोकप्रियता खो दी है।" नहीं, नहीं। "लोग अब मेरी परवाह नहीं करते हैं। मैं वहां पर जाकर और फिर से नए सिरे से आरंभ करूंगा।" नहीं, नहीं। उसके पास धीरज था। परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है। परमेश्वर इसे करेगा। परमेश्वर इसे करेगा, क्योंकि परमेश्वर ने ऐसा कहा है।

252 और मैं देख सकता हूं कि उसका पुत्र आता है, कहता है, "पिताजी, आप जानते हैं... " फिर वह अपने लंबे सफेद बालों पर अपना हाथ फेरता है, आप जानते हैं। और वह सैकड़ों वर्ष की आयु का था, आप जानते हैं, वहां बैठा हुआ था। कहा, "मैं जानता हूं कि आप एक बूढ़े कुलपिता हो। मैं—मैं आपसे प्रेम करता हूं, पिताजी। लेकिन क्या ऐसा भी संभव हो सकता है कि आप थोड़े से गलत हो? "

"ओह, नहीं। नहीं।"

"क्यों? "

"परमेश्वर ने ऐसा कहा!"

253 "तो ठीक है, पिताजी, यह छह दिन हो गए है कि हम यहाँ पर बैठे हुए हैं। यहाँ इस बड़े, पुराने से, सूखे जहाज में बैठे हुए है, जो ठीक यहाँ पर खड़ा हुआ है। और यह पूरी तरह अंदर और बाहर से डाबर लगाया हुआ है। और हम इन सारे वर्षों से इसे बनाते आ रहे है। और आप वहां पर खड़े होकर और प्रचार करते रहे, इतना तक आपके बाल सफेद हो गए और अब

सारे बाल जा चुके है। और अब यहां पर आप है यहाँ ऊपर, *ऐसी–और–ऐसी* बात को कहने की कोशिश कर रहे हैं। और लोग हंस रहे हैं, और सड़े हुए टमाटरों और इत्यादि चीजों को इसके किनारे पर सामने फेंक रहे हैं। वहां देखो आप क्या कर रहे हैं। क्यों, आप जानते है... ”

“धीरज रखो, बेटे।”

“क्या आपको पक्का है? ”

“बारिश होगी!”

उसकी पुत्रवधू ने कहा, “पिताजी, आप जानते हैं... ”

“बारिश होगी!”

254 “लेकिन हम इन सारे वर्षों से प्रतीक्षा कर रहे हैं। हम तैयारी करते आ रहे हैं। और आपने हमें एक सप्ताह पहले बताया कि बारिश होने जा रही है। और हम यहां पर हैं, और सारे दरवाजे बंद हैं, और यहीं पर हम घूम–फिर रहे हैं, और सूरज बस ठीक वैसे ही नीचे तेजी से झुलस रहा था जैसा यह होता है।”

“लेकिन बारिश होगी!”

“आप कैसे जानते हो? ”

“परमेश्वर ने ऐसा कहा!”

255 अब जब आप इस तरह से पहुंच जाते हैं, तो इसे जोड़ दे। लेकिन यदि आपके पास इस तरह से नहीं है, तो इसे जोड़ने की कोशिश ना—ना करें। यह काम नहीं करेगा। यह चंगाई पर काम नहीं करेगा। यह किसी और चीज पर काम नहीं करेगा। देखा? इसे उसी सामग्री के साथ मिश्रित होना है जिससे यह मजबूती से चिपक जाता है। यह सही है। इसे जोड़ना ही है। परमेश्वर की प्रतिज्ञा के साथ धीरज धरे। जी हां, श्रीमान। नूह ने इसका विश्वास किया। और उसके पास परमेश्वर के साथ धीरज था, एक सौ बीस वर्ष तक।

256 मूसा, उसके पास परमेश्वर के साथ धीरज था। जी हां, श्रीमान। “मूसा, मैंने अपने लोगों की पुकार सुनी है। मैंने उनकी पीड़ा को देखा है। मैं उन्हें छुड़ाने के लिए नीचे आ रहा हूं। मैं तुम्हें वहां भेजने जा रहा हूं।”

257 और वहां उसके और परमेश्वर के बीच थोड़ा सा अंतर था, और परमेश्वर ने उसे अपनी महिमा को दिखाया। कहा, “देख मैं यहाँ से जाता

हूं।" जब उसने एक बार परमेश्वर की महिमा को देख लिया, आप देखो, उसके पास विश्वास था।

कहा, "यह तुम्हारे हाथ में क्या है, मूसा? "

उसने कहा, "एक छड़ी।"

उसने कहा, "इसे नीचे फेंक दे।"

यह एक सर्प में बदल गई। उसने कहा, "ओह, प्रभु!" उसने आरंभ किया...

258 कहा, "मूसा, इसे उठा ले। यदि मैं इसे सांप में बदल सकता हूं, तो मैं इसे फिर से वापस बदल भी सकता हूं।"

259 आह! आमीन! यदि परमेश्वर मुझे स्वाभाविक जीवन दे सकता है, तो वह मुझे आत्मिक जीवन भी दे सकता है! यदि परमेश्वर मुझे पहला जन्म दे सकता है, तो वह मुझे दूसरा जन्म भी दे सकता है! आमीन! यदि परमेश्वर *इसे* चंगा कर सकता है, दैविक चंगाई के द्वारा, तो वह इसे फिर से अपनी महिमा के लिए अंतिम दिन में जिला सकता है। यह सही है।

260 "मैं इस छड़ी को नीचे फेंक सकता हूं और इसे सर्प में बदल सकता हूं। मैं इसे वापस एक छड़ी में बदल सकता हूं। इसे उसकी पूंछ से उठाकर।"

261 मूसा वहां नीचे झुका और इसे उठा लिया। वहां यह थी, एक छड़ी। उसने वहां ज्ञान को जोड़ना आरंभ किया। समझे?

"अब, तुम्हारे हाथ को क्या हुआ, मूसा? "

"कुछ भी नहीं।"

"इसे अपने छाती पर रख।"

262 "तो ठीक है। इस बारे में... " वहां सफेद कोढ़ है। "हे प्रभु, मेरे हाथ की ओर देखे!"

"इसे वापस अपनी छाती पर रख, मूसा।"

263 उसने इसे *इस* तरह से हाथ को वापस रखा, इसे बस इस तरह से बदल... वह बस उन्हें *इस* तरह से तब जोड़ना आरंभ करता है, देखो। जी हां, श्रीमान।

264 वह वहां चला आया। और पहला सामना... वह वहां चला गया। वहां सामने आकर और कहा, "प्रभु परमेश्वर ने कहा है, 'मेरे लोगों को जाने

दो।' फिरौन, मैं चाहता हूं कि तुम यह जान लो। मैं परमेश्वर के प्रतिनिधि के रूप में आया हूं। तुम्हें मेरी आज्ञा का पालन करना ही है।"

265 फिरौन ने कहा, "पालन करना? क्या तुम जानते हो कि मैं कौन हूं? मैं फिरौन हूं। एक गुलाम, तेरी आज्ञा का पालन करूं? "

266 कहा, "तुम मेरी बात मानो, या तो नष्ट हो जाओ। तुम दोनों में से किसी एक को करों जो तुम करना चाहते हो।" क्यों? वह जानता था कि वह किस बारे में बात कर रहा था। उसके पास एक कार्यआदेश था। वह वहां नीचे था। उसने परमेश्वर से बात की थी। उसके पास विश्वास था। वह जानता था कि वह कहां पर है।

"तुम चाहते हो कि मैं तुम्हारी आज्ञा का पालन करूं? यहाँ से निकल जाओ!"

"मैं तुम्हें दिखाऊंगा।"

"मुझे एक चिन्ह दिखा।"

उसने एक छड़ी को नीचे फेंका; वो एक सर्प में बदल गई।

267 "क्यों," उसने कहा, "यह तो घटिया जादूगरी की चाल है! एक मिनट यहां आओ। यहाँ आओ, यन्नेस, तुम और यम्ब्रेस, अपनी लाठी को नीचे फेंको।" उन्होंने उन्हें नीचे फेंक दिया, और वे एक सर्प में बदल गई।

268 कहा, "अब, तुम घटिया चीज, यहाँ मेरे पास आओ, एक मिस्त्री, मिस्र के एक फिरौन। और तुम यहां अपने किसी घटिया जादूगरी की चाल के साथ आए हो, तुम्हारे किसी झाँसे के साथ," आप समझ रहे होंगे, मनों को पढ़ने वाला। आप जानते है कि मेरा क्या मतलब है। मैं आशा करता हूं कि आप इसके बारे में समझ रहे है। "मनो की बात को पढ़ने वाले या ऐसा ही कुछ, तुम देखा, हाँ, उसमें से ऐसे ही कुछ चीज के साथ यहां पर आये हो।" कहा, "तो ठीक है, हम भी उसी चीज को कर सकते हैं जो तुम करते हो।"

269 मूसा क्या था? उसने यह नहीं कहा, "ओह, मिस्टर फिरौन, मुझे— मुझे खेद है, श्रीमान। मैं आपका गुलाम बना जाऊंगा।" नहीं, श्रीमान।

270 वह शांत खड़ा रहा। आमीन। ठीक वहीं पर बना रहा। परमेश्वर ने ऐसा कहा था, बस उसके ह्रदय में कोई संदेह नहीं था, "अपने मुँह को बंद रखना। मैं तुम्हें कुछ तो दिखाऊंगा।" जब आप ठीक वही करते है जो

उसने करने को कहा, ऐसा दिखाई देता है कि यह गलत हो गया; शांत खड़े रहो, धीरज रखे।

271 मूसा ने कहा, "तुम जानते हो, जब मैंने उस बुनियाद को डाला, तो वहां पर धीरज को रखा गया था, सो मैं बस रुका रहूंगा और देखूंगा कि परमेश्वर क्या करेगा।"

272 वहां पर वे पुराने सांप थे, जो इधर–उधर रेंग रहे थे, फूंक मार रहे थे, एक दूसरे पर फुफकार रहे थे। पहली बात आप जानते हैं, मूसा के सांप ने जाकर, "गटक, गटक, गटक," और उन सबको निगल लिया। उसके पास धीरज था।

> वे जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वे नया बल प्राप्त करेंगे,
> वे उकाब के समान पखों के साथ उड़ान भरेंगे।

क्या यह सही है? देखा? जी हां।

> वे दौड़ेंगे और थकेंगे नहीं, चलेंगे और श्रमित नहीं होंगे।

देखो, बस प्रभु पर रुके रहे। धीरज रखें। देखा? जी हां, श्रीमान।

273 तब इस्राएल को बाहर निकाला जाना था। बड़े–बड़े विरोध आये, और मूसा रुका रहा।

274 उसके बाद वह जंगल में चला गया। यह केवल लगभग तीन– या चालीस दिन की यात्रा थी। ये वहाँ से केवल चालीस मील दूर है, जहाँ से उसने पार किया था, और ठीक उस पार जहाँ उन्होंने फिर से पार किया। लेकिन, मूसा ने जंगल में चालीस वर्ष तक प्रतीक्षा की। धीरज। आमीन। यह सही है। उसने चालीस वर्ष तक प्रतीक्षा की। ओह! जी हां, श्रीमान।

275 और हमें भी एक दूसरे के प्रति धीरज रखना चाहिए। समझे? एक बार... हम—हम एक दूसरे के साथ बहुत ही उतावले हो जाते हैं। हम सोचते हैं कि हमें मूसा की तरह होना चाहिए। मूसा के पास लोगों के साथ धीरज था। देखिए, इसी कारण से वे वहां पर नहीं जा पाये। समझे? यदि आप कुछ तो करने की कोशिश कर रहे हो...

276 जैसे, मैंने इस संदेश को आराधनालय में लाने की कोशिश की है, यह देखने के लिए कि आराधनालय का हर एक सदस्य *ऐसा* बन जाये। यह करना कठिन है। मैंने धीरज रखने की कोशिश की है; यह तैंतीसवां वर्ष है। देखा? धीरज रखें। स्त्रियां अब भी अपने बालों को काटती है, अब भी

वैसे ही है। लेकिन बस धीरज रखें। देखिए? बस धीरज रखें। प्रतीक्षा करे। करना ही है। यदि आपके पास यह नहीं है, तो *यहाँ* नीचे इस पर बनाने की कोशिश न करें। धीरज रखें।

277 यहां तक कि एक समय, जब विद्रोही लोगों के झुंड में इतना अधिक उतावलापन था, उन्होंने मूसा से कुछ तो ऐसा करवाया जो गलत था। लेकिन, फिर भी, जब यह एक निर्णायक मुकाबले की बात आयी, तो परमेश्वर उन लोगों के कामों से तंग हो गया। उसने कहा, "अपने आप को अलग करो, मूसा। मैं उनके सारे झुंड को मार डालूंगा, और नए सिरे से आरंभ करूंगा।"

278 उसने अपने आप को बिचवाई में डाल दिया, और कहा, "परमेश्वर, ऐसा ना करे।" क्या? उन लोगों के साथ धीरज रखा जो उसके विरोध में विद्रोह कर रहे थे।

279 मैं सोचता हूं कि क्या हम ऐसा कर सकते हैं? यदि आप नहीं कर सकते है, तो *इस* पर बनाने की कोशिश ना करें, क्योंकि यह—यह नहीं बदलता है, आप जानते हैं। इसी प्रकार से वो पहला एक *इसके* अंदर मजबूती से चिपकता है, और इसी तरह से उनमें से हर एक को मजबूती से चिपकना होगा। यदि आप मजबूती से नहीं चिपकते हैं, तो आप जीवित परमेश्वर के सिद्ध मनुष्य के डील–डौल में नहीं आते हैं, यदि आपके पास धीरज नहीं है, धीरज, एक दूसरे के प्रति। तो ठीक है।

280 इब्रानी बच्चों के पास धीरज था। निश्चय ही, उन्होंने धीरज धरा। परमेश्वर ने उनसे प्रतिज्ञा की थी, उन्हें बताया, "तुम किसी भी मूरत के सामने मत झुकना।" लेकिन उनके पास धीरज था। कहा, "हमारा परमेश्वर सक्षम है। लेकिन, फिर भी, हम तुम्हारी मूरत के सामने नहीं झुकेंगे।" धीरज, यह जानते हुए, कि परमेश्वर उसे अंत के दिनों में फिर से जिलाएगा।

281 आखिरकार, इस जीवन का कोई मतलब नहीं है। देखा? परमेश्वर इसे अंत के दिनों में फिर से उठाकर खड़ा करेगा। लेकिन जब यह एक मूरत के सामने झुकने की बात आती है, तो हम ऐसा नहीं करेंगे। अब, हम जो कैसर का है वो कैसर को देंगे, लेकिन, जब कैसर की बात आती है, जो परमेश्वर के साथ हस्तक्षेप कर रहा है, तो पहले परमेश्वर है।

282 "परमेश्वर ने कहा, 'तुम उस मूरत के सामने मत झुकना।' और मैं

ऐसा नहीं करूंगा। हमारा परमेश्वर हमें छुड़ाने में सक्षम है। यदि वह नहीं छुड़ाता है, तो भी मैं उस मूरत के सामने नहीं झुकूंगा।"

उसने कहा, "तो ठीक है, वहां आग की भट्टी है।"

283 "तो ठीक है," उसने कहा, "ओह, मुझे लगता है, आज रात बहुत ही जोर से बारिश हो सकती है और इसे पूरी तरह से बुझा सकती है।" लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब भी धीरज है।

284 अगली सुबह, जब उन्हें बाहर कोर्ट के सामने लाया गया, तो वहां पर नबूकदनेस्सर बैठा हुआ था। उसने कहा, "तो ठीक है, लड़कों, क्या तुम मुझे अपने राजा के रूप में याद करने के लिए तैयार हो? "

"निश्चय ही। हे राजा, सदा जीवित रहो।"

"अब मेरी मूरत के सामने झुको।"

"ओह, नहीं।"

285 "तो ठीक है, तुम जल जाओगे। तुम बुद्धिमान मनुष्य हो। तुम होशियार हो। तुमने हमारी बहुत मदद की है। तुम हमारे राज्य के लिए एक आशीष रहे हो। क्या तुम नहीं समझ सकते कि मैं यह नहीं करना चाहता? लेकिन मैंने—मैंने यहां एक घोषणा की है, और इसे करना ही होगा। मैं तुम्हें वहां पर फेंकना नहीं चाहता। ओह, लोगों, तुम्हारे साथ क्या मामला है? "

286 "मैं जानता हूं कि यह सही दिखाई पड़ता है। लेकिन, हमारा परमेश्वर हमें छुड़ाने में सक्षम है। लेकिन फिर भी... " उनके पास धीरज था।

287 उन्होंने ढलान पर चलना आरंभ किया। वे एक दूसरे की ओर देख रहे थे। "सब सही है। सही है।" धीरज रखा। एक कदम बढ़ाया, परमेश्वर वहां पर नहीं था। दूसरा कदम बढ़ाया, वो वहां पर नहीं था। तीसरा कदम, चौथा कदम, पांचवा कदम, बस आगे बढ़ते रहे, फिर भी वो वहां पर नहीं था। और उसने ठीक तभी आग की भट्टी में कदम रखा। उनके पास धीरज था। लेकिन वह वहां पर था। देखा? उन पर बस इतनी ही आग लगी कि उनके हाथों और पैरों के बंधन जलकर छूट गए। और फिर जब वो भट्टी के गड्ढे की तलहटी पर पहुँचे, वह वहां पर था। समझे? उनके पास धीरज था।

288 उसी तरह से दानिय्येल। दानिय्येल के पास धीरज था। निश्चय ही। वह हार मानने वाला नहीं था। नहीं, श्रीमान। उसने क्या किया? उसने उन खिड़कियों को खोल दिया और प्रार्थना की, जो कुछ भी हो। यह परमेश्वर

की मांग थी। उसके पास धीरज था। वह परमेश्वर पर रुका रहा, यह जानते हुए कि परमेश्वर अपने वचन को पूरा करने में सक्षम है। उन्होंने उसे सिंहो की मांद में फेंक दिया, कहा, "हम तुम्हें सिंहो को खिला देंगे।"

289 उसने कहा, "कोई बात नहीं।" उसके पास धीरज था। क्यों? "तो ठीक है, मैं इस सारे समय परमेश्वर पर रुका रहा हूं। यदि मुझे कुछ हजार वर्ष और प्रतीक्षा करनी पड़े, तो मैं अंतिम दिन में फिर से जी उठूँगा। इसलिए, धीरज रखता हूँ, अर्थात रुका रहूँगा।"

290 पौलुस के पास धीरज था। निश्चय ही था। देखो पौलुस को क्या करना था। धीरज के विषय में बात करें!

291 पेंटीकोस्टल लोगों के विषय में क्या है? जब तक उनके पास आज्ञा थी, "तब तक रुके रहो," देखो, "तब तक रुके रहो जब तक तुम सामर्थ के साथ भर नहीं जाते।" कितने समय तक? उनके पास कोई प्रश्न नहीं था, "यह कब तक हो जाएगा? " उनके पास बस उत्तर था, "तब तक रुके रहो।"

292 वे वहां ऊपर गए और कहा, "तो ठीक है, भाइयों, हो सकता है अब से पंद्रह मिनट बाद पवित्र आत्मा हम पर आ जाए और अपनी सेवकाई को करने जा रहा है।" पंद्रह मिनट बीत गए, किसी को नहीं मिला। एक दिन बीत गया, नहीं; दो, तीन, चार, पांच, छह, सात।

293 हो सकता है उनमें से कुछ ने कहा हो, "हे, क्या तुम नहीं सोचते कि हमें यह पहले ही मिल चुका है? "

"नहीं, नहीं, नहीं, नहीं।" ऐसा ही है। नहीं। ये सही बात है।

294 "अच्छा होगा कि तुम बाहर आ जाओ, लड़कों।" शैतान ने कहा, "तुम—तुम—तुम जानते हो कि तुम्हारे पास पहले से ही वो है जो तुम चाहते हो। आगे बढ़ो, अपनी सेवकाई को आरंभ करो।"

295 "नहीं, नहीं, नहीं। हमारे पास यह अभी तक नहीं है। क्योंकि, उसने कहा, 'वहां वो आएगा, अंत के दिनों में जो बात जगह लेनी है: मैं इन लोगों से हकलाते हुए होठों और अन्य जुबान के साथ बात करूंगा, और यही वो विश्राम है जो मैंने कहा,' देखो, यशायाह 28:19।" कहा, "यही—यही है ये, तुम—तुम इसे पाओगे जब... क्यों, जब यह आता है हम जान जायेंगे। जब यह आता है हम जान जायेंगे। हम इसे जान जायेंगे, 'पिता की

प्रतिज्ञा।'" वहां उसने नौ दिन तक प्रतीक्षा की। और फिर दसवें दिन, "हम वहां पर थे।" उनके पास प्रतीक्षा करने के लिए धीरज था।

296 अब, यदि आपके पास इस प्रकार का धीरज होता है, जब परमेश्वर आपको एक प्रतिज्ञा को देता है और आप इसे बाईबल में देखते हैं, "यह मेरे लिए है," तब रुके रहे। फिर, यदि आपके पास उस प्रकार का धीरज है, तो इसे अपने विश्वास पर जोड़ें। और देखा अब आप कितनी ऊँचाई पर जा रहे हैं? अब आप *यहां* ऊपर की ओर आ रहे हैं। तो ठीक है। घड़ी की सुई भी गोल–गोल घूम रही है, क्या ऐसा नहीं है? तो ठीक है। तो ठीक है। इसे अपने विश्वास पर जोड़ें।

297 हमेशा उसे आपके सामने रखता हूं, याद दिलाता हूं, यह वही है जिसने प्रतिज्ञा की थी। यह मैं नहीं हूँ, जिसने प्रतिज्ञा की। ना ही पास्टर था, जिसने प्रतिज्ञा की, हमारे भाई नेविल। यह कोई और सेवक नहीं था, जिसने प्रतिज्ञा की। यह कोई याजक या पोप नहीं था। यह धरती का कोई मनुष्य नहीं था। यह परमेश्वर था जिसने प्रतिज्ञा की, और परमेश्वर अपनी हर एक प्रतिज्ञा को पूरा करने में सक्षम है। तो ठीक है। यदि आपके पास इस प्रकार का विश्वास है, यह जानने के लिए कि परमेश्वर ने इसकी प्रतिज्ञा की है! कहते है, "भाई ब्रन्हम, मैं बीमार हूं। मुझे चंगाई की बहुत ही आवश्यकता है।" इसे स्वीकार करें। यह एक दान है जो आपको दिया गया है, जी हां, श्रीमान, यदि आप विश्वास कर सकते है। "तो ठीक है," आप कहते हैं, "मैं विश्वास करता हूं।" तो फिर इसे भूल जाये। बस ऐसा ही है। यह सब समाप्त हुआ है। समझे?

298 धीरज रखें, यदि आपके पास धीरज है। यदि आप नहीं रखते हैं, तो आप यहां इस भवन से टूट कर चूर–चूर हो जाते हैं, देखो। ये एक चीज, इसकी बाकी के सारी चीजों को गिराकर ध्वस्त कर देगी। इसे होना ही है। इसे ना जोड़ें, क्योंकि, यदि आपके पास धीरज नहीं है, तो यह आपके भवन को नष्ट कर देगा, यदि आपके पास अपने विश्वास पर जोड़ने के लिए सद्गुण नहीं है जो आप कहते हैं कि आपके पास है। और यदि आपके पास कोई विश्वास नहीं है, और उस पर सद्गुण को जोड़ने की कोशिश करते हैं, तो यह आपके विश्वास को तोड़ देगा। देखा? आप कहते हैं, "अच्छा, अब, एक मिनट रुकना। हो सकता है, जो भी है, यह सब एक गलत हो। हो सकता है परमेश्वर, परमेश्वर नहीं हो। हो सकता है वहां कोई परमेश्वर

ही ना हो।" देखो, यह चीज को दो टुकड़े कर देगा। देखा?

299 लेकिन यदि आपके पास सच्चा विश्वास है, तब उसमें सच्चे सद्गुण को रखें, फिर सच्चे ज्ञान को, उसके बाद सच्चे संयम को, उसके बाद सच्चे धीरज को। समझे? आप सीधे पंक्ति में आगे ऊपर की ओर बढ़ रहे है। तो ठीक है।

300 पांचवी चीज, भक्ति को जोडे। ओह, प्रभु! भक्ति को जोड़ा जाना है। भक्ति का क्या अर्थ होता है? मैंने चार या पांच शब्दकोषों में देखा और ढूंढ ही नहीं पाया कि इसका क्या अर्थ है। अंत में, मैं वहां भाई जेफ्रीस के यहाँ था, हमने इसे एक शब्दकोष में—में पाया। *भक्ति* का अर्थ होता है "परमेश्वर के समान होना।" ओह, प्रभु! विश्वास, सद्गुण, ज्ञान, संयम, धीरज को पाने के बाद, उसके बाद परमेश्वर के समान बने। व्यूह!

301 आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, मैं यह नहीं कर सकता।" ओह, हाँ, आप कर सकते हैं।

302 मैं यहां आपके लिए कुछ वचनों को पढ़ूंगा, बस एक मिनट। मत्ती 5:48। हम इसे लेंगे और देखेंगे कि यह कैसा प्रतीत होता है, मत्ती 5:48, और देखेंगे कि क्या आपको परमेश्वर के समान होना चाहिए। आप जानते हैं कि बाईबल कहती है, "तुम ईश्वर हो।" यीशु ने ऐसा कहा। क्यों? सारे सद्गुण, सारी बातें जो परमेश्वर में है, वो आप में है। मत्ती 5:48, "तुम बनो... " यीशु पहाड़ी वचन में बोल रहा है।

> *इसलिए चाहिए कि तुम* पी–ई–आर–एफ़–ई–सी–टी (यह क्या है?) *सिद्ध बनो, जैसा तुम्हारा पिता... जो स्वर्ग में है सिद्ध है।*

303 अब आप *यहाँ* ऊपर आ जाते हैं, इससे पहले आपको ऐसा करने के लिए कहा जाये। इन सभी चीजों को पहले जोड़ा जाना है। उसके बाद जब आप यहां ऊपर आते हैं, तो उसने आपसे अब सिद्ध होने के लिए कहा है, भक्ति, परमेश्वर के बेटे और बेटीयां। यह सही है। मैं इस पंक्ति में कितनी सारी बातें कह सकता हूं!

304 आइए इफिसियों 4 की ओर जाये, और यहां पर देखेंगे कि इफिसियों की पुस्तक में क्या है, यह इस चीज के विषय में भी कहता है, इस विषय में कि हमें कैसे—कैसे करना चाहिए। इफिसियों, 4था अध्याय, और 12वें

पद से आरंभ करते हुए। इफिसियों 4, और 12वें पद से आरंभ करते हैं। तो ठीक है। आइए यहां 11वे पद से आरंभ करें।

और उसने कुछ को प्रेरित नियुक्त करके; कुछ को भविष्यव्यक्ता नियुक्त करके;...

305 कल रात याद है? दूसरे व्यक्ति के कार्य पद को लेने की कोशिश ना करें। देखा?

... और कुछ को, सुसमाचार सुनानेवाले नियुक्त करके; और कुछ को पास्टर... और कुछ को उपदेशक नियुक्त करके दे दिया;

306 "परमेश्वर को सिद्ध करने के लिए"? क्या यह इस तरह पढ़ा जाता है? [सभा कहती है, "नहीं।"—सम्पा।] किसको सिद्ध करना? ["संतो को।"] वे संत कौन हैं? वे एक जो पवित्र किए गए है। आमीन। वे एक जिन्होंने *यहां* नीचे से आरंभ किया।

... संत लोगों को सिद्ध किया जाए, सेवकाई के काम *किया जाए* (यीशु मसीह की सेवकाई), *मसीह की देह उन्नति पाए* (उन्नति पाने के लिए, इसे ऊपर बनाने के लिए, उन्नति करते हुए): जब तक...

जब तक कि हम सब के सब विश्वास, और... परमेश्वर के पुत्र की पहचान में एक न हो जाए, और एक *सिद्ध मनुष्य न बन जाए,* आश्वासन *के निमित* (ओह, प्रभु), *जब तक* कि *मसीह के पूरे डील-डौल तक न बढ़ जाएं:*

307 "सिद्धता," भक्ति को लेता है। आपको अपने विश्वास पर जोड़ना होगा, भक्ति। देखिए, आप *यहां* नीचे से आरंभ करते हैं, सद्गुण के साथ। उसके बाद आप ज्ञान पर जाते हैं। उसके बाद आप संयम पर जाते हैं। उसके बाद आप धीरज पर जाते है। अब आप भक्ति पर है। भक्ति! ओह, प्रभु! हमारा समय निकल रहा है। आइए देखते है। लेकिन आप जानते हैं कि भक्ति का क्या अर्थ होता है। आपने इस गीत को गाया है:

यीशु के समान बनू, यीशु के समान बनू,
धरती पर मैं उसके समान बनने की लालसा रखता हूं;
सारी जीवन की यात्रा में से होते हुए धरती से लेकर
महिमा तक

मैं केवल यही मांगता हूं कि उसके समान बनू।

308 यही भक्ति है। जब उसके गाल पर थप्पड़ मारा गया था, तो उसने दूसरे गाल को फेर दिया। जब उससे कठोर तरीक़े से बोला गया था, तो उसने उत्तर नहीं दिया। उसने पलटकर कोई ग़लत प्रतिक्रिया नहीं दी। समझे? ईश्वरीय, हमेशा एक चीज के लिए देखता हैं, "मैं हमेशा वही करता हूं जो पिता को प्रसन्न करता है।" समझे? जी हां, श्रीमान। हमेशा ही। यही भक्ति है। समझे?

309 आपके *यहाँ* से, *यहाँ* से, *यहाँ* से, *यहाँ* से, *यहाँ* से, *यहाँ* से आने के बाद, अब आप परमेश्वर के पुत्र के पूरे डील–डौल में आ रहे हैं। लेकिन आपके पास *यह* होना ही है, साथ ही *यह* सब होना है, और आप तब तक आरंभ भी नहीं कर सकते जब तक आपके पास *यह* नहीं होता है।

310 अब याद रखें मोर के पंखों वाली काली चिड़िया को। उसे मत भूलना। देखा? जब तक आप वास्तव में नया जन्म ना ले ले, उसे जोड़ने की कोशिश ना करें। क्योंकि, आप, यह काम नहीं करेगा, और आप—आप इससे काम नहीं करवा सकते। यह *इस* पर आएगा, या फिर *इस* पर, यह कहीं तो टूट कर चूर–चूर हो जाएगा।

311 लेकिन जब आप *यहां* पर आते हैं, एक सच्चा फिर से जन्म पाया हुआ पिंडुक, तो आप कुछ भी नहीं जोड़ते हैं। यह आपके लिए जोड़ता है, देखो, ऊपर आते है, तो ठीक है, अब सिद्धता में आ रहे है। तो ठीक है।

312 फिर, छठवा, आइए जोड़े, बाईबल ने यहां कहा, भाईचारे की प्रीति को जोड़ते हुए... भाईचारे की प्रीति। अब, यह एक अच्छा है, तो ठीक यहाँ, छठा, सातवां। तो ठीक है। भाईचारे की प्रीति को जोड़ना। तो ठीक है। जब हम उस पर आते हैं, भाईचारे की प्रीति, अपने आप को उसके स्थान पर रखें, इस मामले पर। अब आप कहते हैं...

313 "मेरे भाई ने मेरे विरुद्ध पाप किया," पतरस ने कहा। "क्या मैं उसे क्षमा कर दूं," उसने कहा, "दिन में सात बार?"

उसने कहा, "सात गुना सत्तर बार।" समझे?

314 भाईचारे की प्रीति। अब, आप देखते है, यदि कोई भाई पूरी तरह से भटका हुआ है, तो उसके साथ बेसब्र मत होना। देखा? नहीं। समझे? उसके प्रति दयालु बने रहे। जो भी हो, जाओ।

315 किसी ने कहा, अधिक समय नहीं हुआ, कहा, "आप इन बातों का विश्वास कैसे कर सकते है जिस तरह से आप करते है, और फिर भी असेंबली ऑफ गॉड में जाते है, और वननेस, बाकी सभी में? " उसके बाद, देखो, भाईचारे की प्रीति को रखें। देखा? समझे? आशा करते हुए, किसी दिन, देखिये; उसके साथ धीरज रखें, देखिये; संयम बरते, उसके साथ सहनशीलता दिखाते हुए; ज्ञान, यह समझने के लिए कि वह क्या विश्वास करता है, याद रखें, यह उसके हृदय में जो है, यही उसका विश्वास है; अपने आप में सद्गुण रखना, इसे दया, नम्रता के साथ उसके लिए इसे प्रकट होने दे; विश्वास करते हुए कि किसी दिन परमेश्वर उसे अंदर ले आएगा। समझे?

316 भाईचारे की प्रीति, सातवी चीज। एक, दो, तीन, चार, पांच, छह, सात। [भाई ब्रन्हम ने चॉकबोर्ड पर सात बार थपथपाते है—सम्पा।] देखिए, सातवी चीज। उसके बाद, अब, आप आ रहे हो।

317 अगली चीज, उसके बाद, दैविक प्रेम को जोड़ें, जो कि प्रेम है। यही ढाँपने का पत्थर है। इन दिनों में से एक दिन, कलीसिया में...

318 अब, कृपया, इसे टेप पर ज्ञात होने हो, और जहाँ कहीं भी और जाता है, अब मैं जो कहने जा रहा हूं मैं इसे एक सिद्धांत के रूप में शिक्षा नहीं दे रहा हू। लेकिन मैं आपको परमेश्वर की सहायता से बस इसे दिखाना चाहता हूं, यह वास्तव में क्या है, कि, पहली बाईबल जिसे परमेश्वर ने कभी लिखा था यह आकाश में नक्षत्र है। यह कुंवारी के साथ आरंभ होता है। यह सिंह लियो के साथ समाप्त होता है। और जब मैं उस छठवी और सातवी मोहर में जाता हूं, आप देखेंगे, जब वो बाक़ी की दूसरी मोहर खोली गयी, उस स्थान के नक्षत्र का चिन्ह कर्क था, दो मछलीयों का चिन्ह। और यही वह कर्क युग है जिसमें हम अब रह रहे हैं, अर्थात जो प्रकट हुआ। और अगली चीज मोहर खोली गई, इसने सिंह लियो को प्रकट किया, जो मसीह का दूसरा आगमन है। वह आया, पहले, कुंवारी के पास; वह आता है, उसके बाद, सिंह लियो। मैं इसे लाने जा रहा हूं...

319 अब, मैं नहीं जानता कि आज सुबह मेरे पास समय होगा या नहीं। मैं सबसे अच्छा करने की कोशिश करूँगा जो मैं कर सकता हूं, आपको यह दिखाने के लिए कि ये सीढ़ियाँ जो पिरामिडों में हैं, जो बिल्कुल ठीक, दूसरी बाईबल है जिसे परमेश्वर ने लिखा। हनोक ने उन्हें लिखा, और उन्हें

पिरामिड में रखा।

320 और तीसरा, परमेश्वर हमेशा ही तीन में सिद्ध होता है, उसके बाद उसने अपने आप को वचन बनाया।

321 यहाँ, अब, पिरामिड में याद रखना... मुझे लगता है कि आप बहुत से सैनिक और इत्यादि मिस्र में थे। पिरामिड पर कोई चोटी को नहीं लगाया गया है। कभी भी नहीं लगाया गया। वो—वो मंजिल का पत्थर, और जो कुछ भी उनके पास है, लेकिन फिर भी...

322 यदि आपकी जेब में डॉलर का नोट है, तो आप डॉलर के नोट को देखें, और आप पाएंगे कि, वहां दाहिनी ओर, इसमें अमेरिका के झंडे के साथ एक उकाब है। और इसमें मोहर बनी हुई है "जो संयुक्त राज्य अमेरिका की है।" दूसरी ओर, इसमें पिरामिड है, एक बहुत बड़ा ढांपने के पत्थर के साथ और इसमें एक मनुष्य की आंख है। यह इस ओर लिखा है, "वो बड़ी मोहर।" तो ठीक है, यदि यह महान राष्ट्र है, तब यह बड़ी मोहर राष्ट्र की इसकी ख़ुद की मोहर क्यों नहीं होती है? परमेश्वर उन्हें ऐसा गवाही देने के लिए करवाता है, कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कहीं भी जाये।

323 मैं एक बार एक डॉक्टर से बात कर रहा था, और वह बस मुझे उस पर दिव्य चंगाई के विषय में मुझ पर भड़क रहा था। वो रास्ते पर खड़ा हुआ था। उसने कहा, "श्रीमान ब्रन्हम, आप केवल लोगों को उलझन में डालते है।" कहा, "कोई चंगाई नहीं है, केवल दवाईयों के द्वारा ही चंगाई है।"

324 मैंने मुड़कर देखा, उसके कार पर चिन्ह को देखा, एक खंभा था और उस सर्प था। मैंने कहा, "तब बेहतर होगा कि आप अपनी कार से उस चिन्ह को निकाल दे, क्योंकि आपका अपना चिन्ह गवाही देता है कि परमेश्वर एक चंगा करने वाला है।"

325 एक असली डॉक्टर इसे विश्वास करता है। वे तो बस नाम के डॉक्टर हैं। जी हां, श्रीमान। खंभे पर सांप! मूसा ने सांप को एक खंभे पर ऊपर उठाया था। उसने कहा, "मैं प्रभु हूं जो तुम्हारे सारे रोगों को चंगा करता है।" और उन्होंने दिव्य चंगाई के लिए उस सांप की ओर देखा। और फिर भी वे इसके विरोध में गवाही देते हैं; तौभी उनका अपना चिन्ह उनके विरोध में गवाही देता है। व्यूह!

326 यहाँ, हमारा राष्ट्र, जो ऐसी बातों को कह रहा है, और इन बातों का मज़ाक उड़ा रहा हैं, और उनका अपना पैसा, उनकी मुद्राएं, यह गवाही देते

है कि सारे विश्व की मोहर परमेश्वर है। उस डॉलर के नोट पर उस आंख को वहां ऊपर बना हुआ देख रहे है? यही वो बड़ी मोहर है।

327 इसे पिरामिड के ऊपर कभी नहीं रखा गया था। वे इसे नहीं समझ सकते है कि क्यों। चोटी के पत्थर को ठुकराया गया था, अर्थात वो सिर, मसीह। लेकिन यह किसी दिन आएगा।

328 अब, इस भवन में, सद्गुण... इस स्मारक को बनाते हुए, इस डील–डौल को बनाते हुए, देखो, यह बुनियाद के पत्थर से आरंभ होता है; विश्वास, सद्गुण, ज्ञान, संयम, धीरज, भक्ति, भाईचारे की प्रीति। अब यह क्या करता है? तब वे चोटी के पत्थर के लिए रुके हुए हैं, जो कि प्रेम है, क्योंकि परमेश्वर प्रेम है। और वो नियंत्रित करता है, और वो इन सभी चीजों में से हर एक की शक्ति है। यह सही है। जी हां, श्रीमान।

329 ठीक *यहाँ* पर, ठीक *यहाँ* पर, आप देखे मेरे पास ये है, बीच में, ये सारे काम यहाँ पर है, और यहाँ ये छोटी–छोटी लहरें आती हैं। यह क्या है? पवित्र आत्मा मसीह में से होते हुए नीचे आ रहा है, देखो। पवित्र आत्मा! पवित्र आत्मा *इन* सबसे ऊपर है, इसे एक साथ जोड़ रहा है, बना रहा है (एक क्या?) एक सिद्ध कलीसिया को, ताकि चोटी का पत्थर इसे ढांप सके।

330 इसे फिर से क्या किया गया है? यह सात कलीसियायी युगों, और सात कलीसिया के संदेशवाहकों के जरिए से प्रकट हुआ है।

331 *यहाँ* पीछे आरंभ किया। कलीसिया की स्थापना सबसे पहले कहाँ हुई थी? पेंटीकोस्टल कलीसिया की स्थापना सबसे पहले कहाँ हुई थी? संत पौलुस के द्वारा, इफिसुस में, इफिसियों कलीसिया युग का तारा, इफिसुस।

332 दूसरा कलीसिया युग स्मुरना था। "सद्गुण।" इरेनियस, वो महान व्यक्ति जिसने पौलुस के सुसमाचार को थामे रखा।

333 अगला कलीसिया युग पिरगमुन था, मार्टिन कौन था। मार्टिन वो महान व्यक्ति था जो वहां पर बना रहा। पौलुस, इरेनियस, मार्टिन।

334 उसके बाद थुआतीरा में कोलंबा आता है। आपको याद है? यहाँ है ये, ठीक *वहाँ* पर चित्रित किया गया है। कोलंबा। कोलंबा के बाद... वो अन्धकार का युग वहां पर आता है।

335 उसके बाद सरदीस आता है, जिसका अर्थ *मरा* हुआ होता है। लूथर। हाल्लेलुय्या! उसके बाद क्या है? सरदीस, लूथर के बाद क्या आता है?

336 उसके बाद फिलेदिलफिया आता है। "भक्ति।" वेस्ली, पवित्रता! "धर्मी जन विश्वास से जीवित रहेगा," लूथर ने कहा। वेस्ली के द्वारा पवित्रीकरण।

337 तब लौदकिया में से होते हुए भाईचारे की प्रीति में आता है। और हम विश्वास करते हैं कि एलिय्याह के दूसरे प्रगट होने का महान संदेश, अंतिम दिन में, ये देश भर में फैल जाएगा।

338 यहां आप है, सात कलीसियायी युग, सात सीढ़ियाँ। परमेश्वर अपनी कलीसिया को बना रहा है, जैसे ये एक व्यक्ति को एक व्यक्तिगत रूप में, अपने आप में बनाता है। महिमा, परमेश्वर की सामर्थ, *इसमें* से होते हुए नीचे आ रही है, इसे एक साथ जोड़ रही है। इसलिए, पेंटीकोस्टल लोग जो लूथरन को बाहर कर देते है, वेस्लीयन और इत्यादि को बाहर कर दिया है, वे नहीं जानते कि वे किस बारे में बात कर रहे हैं। आप देखो, वे मंदिर के *इस* भाग में रहते थे। यह इसी तरह से है, कुछ लोग इतनी ऊँचाई तक आकर और गिर जाते हैं। लेकिन वहां इसका एक सच्चा भाग है, जो उस इमारत को आगे बढ़ाता रहता है। "मैं फिर से लौटाऊंगा," प्रभु यों कहता है।

339 आपको *दुल्हन रूपी वृक्ष* याद है? आपको *दुल्हन रूपी वृक्ष* का उपदेश याद है? उन्होंने इसे खा लिये, लेकिन उसने इसे काँट–छांट किया। उनके पास सांप्रदायिक डालियाँ हैं; उसने उन्हें काँट–छांट किया। उन्होंने एक और कलीसिया को खड़ा किया, संप्रदाय की डालियों को; उसने इसे काँट–छांट कर अलग किया। लेकिन उस पेड़ का ह्रदय आगे बढ़ता रहा। "और सांझ के समय उजियाला होगा।" देखा? यही है जब मसीह आता है, अर्थात पवित्र आत्मा। यीशु नीचे आता है और तब अपने आप को कलीसिया के सिर के स्थान पर रखता है, और वह इस कलीसिया को फिर से पुनरुत्थित करेगा, उसका अपना शरीर होने के नाते। *वहां* पर वो शरीर है।

340 और जिस तरह से परमेश्वर हमसे एक व्यक्तिगत रूप से बढ़ने की अपेक्षा कर रहा है, जिस तरह से उसने अपनी कलीसिया को बढ़ने के लिए लाया है। हर एक कलीसिया का युग, यह एक बड़ी कलीसिया बन जाती है। देखा?

341 *इन* लोगों से वो माँग नहीं की गई थी जो *इन* लोगों से हैं। *इसकी* मांग

नहीं की गई थी *जो* इसकी थी। देखा? लेकिन उसने अपनी कलीसिया को उसी तरह से ऊपर लेकर आया। वह अपनी—अपनी कलीसिया को उसी प्रकार से ऊपर ले आया जिस प्रकार से वह अपने लोगों को ऊपर ला रहा है। फिर पतरस यहाँ कहता है, पहले, सात चीजें: विश्वास, सद्गुण, (देखो, ऊपर आते है), ज्ञान, संयम, धीरज, भक्ति, भाईचारे का प्रेम, भाईचारे की प्रीति को जोड़ो और उसके बाद परमेश्वर का प्रेम। पवित्र आत्मा, मसीह पवित्र आत्मा के व्यक्ति में, आप पर आता है, पवित्र आत्मा के सच्चे बपतिस्मे में, और आपके पास ये सारे सद्गुण आप में मोहरबंद होते है। तब, परमेश्वर एक भवन में रहता है, जिसे ईमारत कहा जाता है, जीवित परमेश्वर के निवास स्थान का जीवित भवन।

342 जब एक मनुष्य इस प्रकार की चीजों को धारण करता है, तब पवित्र आत्मा उस पर आता है। कोई फर्क नहीं पड़ता, आप अन्य भाषाओं में बात कर सकते हैं, आप किसी भी दान की नकल कर सकते हैं जो परमेश्वर की ओर से है। आप ऐसा कर सकते हैं। लेकिन जब तक *यहां* ये सद्गुण आप के अंदर नहीं जाते हैं, आप तब तक वास्तविक, विश्वास की सच्ची बुनियाद से दूर हैं। लेकिन जब ये सद्गुण अंदर बढ़ते हैं, और आपने इसे इसमें जोड़ा है, तब आप एक जीवित स्मारक बन जाते हैं। आप एक जीवित, चलती–फिरती मूरत हैं।

343 लेकिन, आप जानते हैं, वे—वे मूर्तिपूजक, वे स्वयं को एक मूर्ति के सामने दंडवत करते हैं, अर्थात काल्पनिक ईश्वर। और वे काल्पनिक तरीके से विश्वास करते हैं कि वह काल्पनिक ईश्वर उनसे वापस बात करता है। यह मूर्तिपूजकवाद है। यही रोमनवाद है। वे सभी प्रकार के संतों और हर एक चीज के सामने झुकते हैं। और उनके पास संत सेसिलिया है, एक गृह देवता, और इस तरह की बहुत सी भिन्न–भिन्न चीजें हैं। वे उसके सामने झुकते हैं, और वास्तव में इसे काल्पनिक तरीके से विश्वास करते हैं। यह क्या ही—यह क्या ही नमूना है, सच्चे जीवित परमेश्वर का।

344 लेकिन जब हम, ना ही काल्पनिक तरीके से, लेकिन स्वयं को एक जीवित परमेश्वर के सामने दंडवत करते हैं, एक जीवित सद्गुण, एक जीवित ज्ञान, एक जीवित धीरज, एक जीवित भक्ति, एक जीवित सामर्थ जो एक जीवित परमेश्वर से आ रही है, ये एक जीवित मनुष्य को परमेश्वर के डील–डौल में एक जीवित स्वरूप बनाती है। वो क्या कर रहा है? वही कार्य जो

यीशु ने किए; उसी तरह से चल रहा है, जिस तरह से वह चला, उन्हीं कार्यों को करते हुए जो उसने किए थे। क्योंकि, यह काल्पनिक चीज नहीं है। वहां एक वास्तविकता है जो इसे साबित करती है।

345 देखा मेरा क्या अर्थ है? देखा कि कैसे ये सद्गुण, ये भवन बनाने की सामग्री, कलीसिया के संदेशवाहकों के साथ, कलीसिया के युगों के साथ मेल खाते है? अब, इन दिनों में से एक दिन, हम इनमें से हर एक शब्दों को लेने जा रहे हैं, और उनका अध्ययन करेंगे, और दिखायेंगे कि यह इसे साबित करता है। यह सब एक साथ जुड़ता है। निश्चय ही। देखा? ओह, प्रभु! यह कितना अद्भुत है, देखो, यह देखकर कि यह—यह क्या करता है।

346 अब, यही वो घर है जिसमें परमेश्वर वास करता है; ना ही कोई ऐसा भवन जिसके ऊपर एक बड़ी घंटी लगी है, और एक ऊँची मीनार है। समझे? "लेकिन तूने एक देह मेरे लिए तैयार की है," एक देह जिसमें परमेश्वर वास कर सकता है, परमेश्वर उसमें चल सकता है, परमेश्वर उसमें देख सकता है, परमेश्वर उसमें बात कर सकता है, परमेश्वर उसमें कार्य कर सकता है। आमीन! परमेश्वर का जीवित साधन, परमेश्वर आप में दो पैरों पर चल रहा है। महिमा हो! "धर्मीजन के पदचिन्ह परमेश्वर की ओर से दृढ़ होते है," परमेश्वर आप में चल रहा है। "क्योंकि तुम लिखित पत्रियां हो, जो सब मनुष्यों के द्वारा पढ़ी जाती है।" और यदि वो जीवन जो मसीह में है, आप में हो, तो आप उस जीवन को उत्पन्न करेंगे जो मसीह ने उत्पन्न किया।

347 जैसा कि मैं हमेशा कहता आया हूं।... .एक आड़ू के पेड़ से जीवन के रस को ले, और यदि आप इसे एक स्थानांतरण के द्वारा, एक सेब के पेड़ में स्थानांतरित कर सकते है, तो सेब के पेड़ पर आड़ू लगेंगे। निश्चय ही। निश्चय ही ऐसा होगा। कोई फर्क नहीं पड़ता कि डालियां कैसी दिखती हैं, इसमें सेब के पेड़ का जीवन रस आ जाता है, देखो, या यह जो भी पेड़ होने दो। देखा? सेब के पेड़ से उसके जीवन को ले लेते है, इसे पूरी तरह से बाहर निकालते है, और इसमें एक—एक जीवन के रस को स्थानांतरण करते है, और आड़ू के पेड़ से ख़ाली करके सेब के पेड़ में डाल देते है। क्या होता है? अब यह और आड़ू को उत्पन्न नहीं करेगा। समझे? नहीं, श्रीमान। यह नहीं करेगा। मेरा मतलब, यदि आड़ू के पेड़ का जीवन सेब के पेड़ में आ जाता है, तो यह अब और सेब को उत्पन्न नहीं करेगा। यह आड़ू

को उत्पन्न करेगा, देखो, देखो, क्योंकि इसमें वो जीवन है।

348 तो ठीक है, आप हमें ही ले लीजिए, हम कुछ भी नहीं है सिवाय एक जंगली लौकी के, एक मूर्ख के, देखो, और हमारे अंदर कुछ भी ऐसा नहीं है, क्योंकि हम सब पाप और अपराधों में मरे हुए हैं। हम सब इसी प्रकार की अवस्था में है। और तब हम, हम स्वयं, अपने आप को दंडवत कर सकते हैं, अपने आप को समर्पित कर सकते हैं, जब तक परमेश्वर अपने स्थानांतरण करने की नली को नहीं लेता, अर्थात यीशु मसीह के नाम को, क्योंकि, "स्वर्ग के नीचे कोई दूसरा नाम नहीं है जिसके द्वारा मनुष्य को बचाया जा सके," और मसीह के जीवन को हमारे अंदर स्थानांतरित करता है। तब हमारे पास *इस* प्रकार का विश्वास होता है, वो विश्वास जो मसीह के पास था। और मसीह का विश्वास उन फरीसियों, या सदूकियों में आधारित नहीं था, या उनके बर्तनों, केतलियों, और धूपदानों में, और उनकी धोने के पात्रों में। यह तो परमेश्वर के वचन पर आधारित था, आमीन, इतना अधिक, यहाँ तक मसीह वचन था, वचन देहधारी हुआ था। और फिर जब हम उसकी सामर्थ के द्वारा इतने स्थांतरित हो सकते हैं, कि हम अपने ही विचारों के लिए मर जाते है, और हमारा विश्वास एक सच्चा विश्वास बन जाता है, हाल्लेलुय्या, तब मसीह का जीवन हम में स्थांतरित हुआ है। हम परमेश्वर की जीवित सृष्टी बन जाते हैं, एक रहने का स्थान जहां पवित्र आत्मा अपने तेजस्वी आशीषों को वहां उसमें से होते हुए भेज सकता है, और हम मसीह के डील–डौल में होते है।

349 यीशु ने कहा, "क्या ऐसा नहीं लिखा है? तुमने मुझे यह कहते हुए दोषी ठहराया कि, 'मैं परमेश्वर का पुत्र हूं।' क्या यह नहीं लिखा है, कि, 'तुम ईश्वर हो।' क्या तुम्हारी अपनी व्यवस्था ऐसा नहीं कहती है? " जैसे मूसा, जैसे एलिय्याह, उन भविष्यद्वक्ताओं की तरह जो परमेश्वर के इतने समीप रहते थे, यहां तक कि परमेश्वर ने स्वयं को सीधे उनमें स्थानांतरित कर दिया। और उन्होंने बोला, ना ही खुद से, लेकिन ये परमेश्वर था। "यह मत सोचो कि तुम क्या बोलोगे, क्योंकि यह तुम नहीं हो जो बोलते हो। यह तो पिता है जो तुम में वास करता है; वही बोलता है।" उसके वचन उसके अपने नहीं होते हैं, क्योंकि, उसका जीवन, वह मर चुका है।

350 यदि आप मरते हैं, तो आप उस एक मनुष्य के लहू को निकाल देते हैं, आप उसे लेप लगाते हैं। इसकी परेशानी यह है, उनमें से बहुतों को कभी

भी लेप नहीं लगाया गया। आप उस मनुष्य में से लहू को निकाल लेते हैं, वह जा चुका है। तब केवल एक चीज जो आप करते हैं, कि उसमें वापस दूसरा लहू डाल दे; वो फिर से जीवित हो जाएगा। आपने उसका लहू उसमें से निकाल लिया।

351 और अब हमने यीशु मसीह का लहू अंदर डाला है, देखो, और यह यीशु मसीह के विश्वास को लाता है, यीशु मसीह के सद्गुण को, यीशु मसीह के ज्ञान, यीशु मसीह के संयम को, यीशु मसीह के धीरज, यीशु मसीह की भक्ति, यीशु मसीह के भाईचारे की प्रीति को, और परमेश्वर का प्रेम, जो कि यीशु मसीह है। वह सिर है और आपको नियंत्रित करता है। और आपके पैर बुनियाद है, अर्थात विश्वास। आमीन! सिर के द्वारा नियंत्रित किया जाता है, जो लेता है... ? ... आप वहां हैं। वहां पर वो परमेश्वर का सिद्ध मनुष्य है, जब उसके पास ये सद्गुण होते हैं।

352 तब, परमेश्वर, अपनी कलीसिया को दुल्हन के रूप में प्रतिनिधित्व करता है, एक स्त्री। परमेश्वर अपनी कलीसिया को एक दुल्हन के रूप में प्रतिनिधित्व करता है। और जिस प्रकार से वह हर एक व्यक्तिगत रूप से अपना पुत्र होने के लिए लाता है, उस दुल्हन में जाने के लिए, उसने दुल्हन को भी इन युगों में से होते हुए लाया है, [भाई ब्रन्हम अपने चॉकबोर्ड पर सात बार थपथपाते हैं—सम्पा।] जब तक वह इस एक पूरी कलीसिया को *इस* के अंदर में नहीं लाता।

353 मेरे पैर आगे बढ़ते हैं। क्यों? क्योंकि मेरे सिर ने ऐसा करने को कहा है। अब, यह मेरे हाथ की तरह नहीं चल सकता, क्योंकि यह मेरे पैर है। लूथर उन कामों को नहीं कर सकता जो हमने किए, ना ही मेथोडिस्ट कर सकते हैं, क्योंकि वे कुछ और थे। समझे? पैर आगे बढ़ते हैं क्योंकि सिर ऐसा कहता है। और सिर कभी नहीं कहता, "अब, पैर, तुम हाथ बन जाओ। कान, तू आंखे बन जा।" देखा?

354 लेकिन, हर युग में, परमेश्वर ने इन चीजों को अपनी कलीसिया में रखा है, और यह दर्शाते हुए इसका नमूना तैयार किया कि हर एक व्यक्तिगत रूप से, इन योग्यताओ को अपने भीतर धारण करता है। और *यह* अस्तित्व, जब यह पूरा हो जाता है, ये परमेश्वर की कलीसिया होती है जो रैप्चर में जा रही है। और *यह* अस्तित्व, और पूरा हो जाता है, ये परमेश्वर का एक दास है, परमेश्वर की कलीसिया में, जो रेपचर में जा रहा है। महिमा! देखा

मेरा क्या मतलब है? वहां आप है। वहां ये पूरी चीज है।

355 *यहाँ* एक मनुष्य आता है, पौलुस, जो बुनियाद को डालता है। इरेनियस इसे *इस* पर उंडेलना आरंभ करता है। अगला एक आकर *इसे* उंडेलला है। अगले वाले ने *ये* उंडेला। अगला एक *इसे,* और *इसे,* और *इसे,* और आगे जब तक ये अंतिम युग नहीं आ जाता। लेकिन यह क्या है? ये वही आत्मा है।

356 वही आत्मा जो मुझ में वास करता है, कहता है, "हाथ, उस मामले के लिए आगे बढ़ो।" वही आत्मा कहता है, "पैर, एक कदम आगे बढ़ो।" देखा मेरा क्या अर्थ है?

357 तब, आपके अस्तित्व का संपूर्ण डील–डौल इन चीजों के द्वारा शासित और नियंत्रित किया जाता है, लेकिन इसे पूरी तरह से नियंत्रित नहीं किया जा सकता है जब तक कि यह सारी योग्यताओं को पूरी तरह से प्राप्त न कर ले।

358 क्या आपने कभी इसे सुना है? अब मैं आपको यह बताता हूं। और वास्तविक बने... इसे अपने सुनने वाले कान पर रखें। देखा? एक जंजीर अपनी सबसे कमजोर कड़ी पर सबसे मजबूत होती है। यह सही है। यह उसकी सबसे कमजोर कड़ी की तुलना में अधिक मजबूत नहीं होती है।

359 कोई फर्क नहीं पड़ता कि *इसे* कितना भी मजबूत बनाया गया हो, *इसे* बनाया गया है; यदि इसकी एक कमजोर कड़ी है, तो वहीं पर से वो टूट जाती है। और यह उस सबसे कमजोर कड़ी से अधिक मजबूत नहीं होती है। [भाई ब्रन्हम अपने चॉकबोर्ड के चित्र का उल्लेख कर रहे हैं—सम्पा।] अब यदि आप इसे प्राप्त करते है, तो आप कहते हैं कि आपके पास यह, *यह यह, यह है,* पर आपके पास *यह* नहीं है, यही है जहां से वो टूटती है। यदि आपके पास *यह* है, और आपके पास *ये* नहीं है, तो यह ठीक वहीं पर टूट जाएगी। आपके पास *यह* है, और आपके पास *यह* नहीं है, यह टूट जाएगी। *यह* है, और *ये* नहीं है, यह टूट जाएगी। *यह* है, और *यह* नहीं है, यह टूट जाएगी। समझे? और यदि आप नहीं... बिना *इसके, ये* नहीं हो सकता।

360 इसलिए जब आप अपने संपूर्ण अस्तित्व को समर्पित करते हैं, तब पवित्र आत्मा बस आप में से होकर उंडेलता है, इन सद्गुणों में, तब आप एक जीवित भवन होते हैं। तब लोग बाहर से देखते हैं और कहते हैं, "यह

एक सद्गुण से भरा हुआ मनुष्य है, ज्ञान (वो वचन पर विश्वास करता है), संयम, धीरज, भक्ति, भाईचारे की प्रीति, पवित्र आत्मा के प्रेम से परिपूर्ण। देखो, वह वहाँ पर है, यहाँ–वहां घूम रहा है।" यह क्या है? एक डील–डौल जिसकी ओर अविश्वासी लोग देख सकते हैं और कह सकते हैं, "वो एक मसीही है। वहां एक पुरुष है, या एक स्त्री है, जो जानते है कि वे किस बारे में बात कर रहे हैं। आपने कभी भी ऐसे एक दयालु, मधुर, ईश्वरीय व्यक्ति को नहीं देखा।" आप मोहरबंद हुए है। वो मोहर आर–पार दोनों तरफ दिखती है। फिर चाहे आप आ रहे हों या जा रहे हों, वो मोहर हर तरफ से एक जैसी ही नजर आती है। वहां आप है। समझे? जब एक पुरुष या स्त्री *इसे* प्राप्त कर लेते हैं, तब चोटी का पत्थर नीचे आता है और उन्हें परमेश्वर के राज्य में मोहर करता है, जो कि पवित्र आत्मा है।

361 तब वो वचन, *यहां* से आता है, अपने आप को इनमें से हर एक अस्तित्व के जरिये से प्रकट करता है, देखो, और इस पूरे अस्तित्व को जीवित परमेश्वर का एक भवन बनाता है, एक चलता–फिरता, मसीहत का एक जीवित उदाहरण। जो मसीह था, ये लोग भी वही हैं, क्योंकि उसका जीवन यहां इसमें है। वे मसीह में है। और उनका जीवन मरा हुआ है और परमेश्वर के जरिये से मसीह में छिपा हुआ है, और वहां उसमें पवित्र आत्मा के द्वारा मोहरबंद है। पहला कुरिन्थियों 12। यह सही है। समझे? आप अपने आप को मरा हुआ मानते हैं, तब आप विश्वास से जन्म लेते हैं। तब सद्गुण और ये दूसरी चीजें आप में जुड़ जाती हैं यहाँ तक आप परमेश्वर के एक सिद्ध, जीवित स्वरूप बन जाते है। क्या यह अद्भुत है?

362 और फिर परमेश्वर, इसके जरिये से, सात कलीसियायी युगों को भी लाया, ताकि उन सात सीढ़ियों को दिखाए जो उसने लाया, वो व्यक्तिगत रूप से अपने स्वरूप के अंदर बना रहा है, वो अपने स्वरूप में एक पूर्ण कलीसिया को बनाता है। और पुनरुत्थान में, यह सम्पूर्ण देह हमेशा के लिए उसके साथ रहने के लिए जी उठेगी, क्योंकि यह एक दुल्हन है। देखा? इसलिए यह हर युग में लागू होता है, हर एक युग जो आता है।

363 और वहां और भी मांग की गई है, याद रखें। याद है पौलुस ने यहाँ इब्रानियों 11 में क्या कहा? इससे पहले कि हम यहां बंद करे, मैं आपके लिए कुछ पढ़ूंगा, बस एक मिनट। और फिर आप... यह एक प्रकार से आपको विचित्र सा महसूस करवाता है जब मैं... हमेशा, जब मैं इसे पढ़ता

हूं। मैं इब्रानियों 11 को लेने जा रहा हूं, और मैं 32वें पद से आरंभ करूंगा।

और क्या, *अब और क्या कहूं? क्योंकि समय नहीं रहा कि* तुम्हें *गिदोन का,... और बाराक और... और शिमशोन का और... और यिफतह का;... दाऊद का... और शमुएल का,... भविष्यद्वक्ताओं का वर्णन करूं:*

इन्होंने विश्वास के द्वारा राज्य जीते, धार्मिकता के काम किए, प्रतिज्ञा *की हुई वस्तुएं प्राप्त की, सिंहों के* मुंह *बंद किए,*

आग की ज्वाला को ठंडा किया, तलवार की धार से बच निकले, और *निर्बलता में बलवंत हुए, लड़ाई में वीर निकले,... विदेशियों की फौजों को मार भगाया।*

स्त्रियों ने अपने मरे हुओं को फिर से जीवित पाया:... कितने तो मार खाते–खाते मर गए, *और छुटकारा न चाहा; इसलिए की उत्तम पुनरुत्थान के भागी हों:*

364 *यहाँ* नीचे की ओर। देखा? [भाई ब्रन्हम अपने चॉकबोर्ड के चित्र का उल्लेख करते हैं—सम्पा।] तो ठीक है।

और दूसरे लोग तो उपहास *में उड़ाएं जाने...* कोड़े खाने... *वरन बाँधे जाने, इसके अलावा... बंधन... कैद में पड़ने के द्वारा परखे गए:*

उन पर पत्थरवाह किए गए, आरे *से चीरे गए,* उनकी *परीक्षा की गई,* वे तलवारों *से मारे गए... : वे कंगाली में और क्लेश में दु:ख भोगते हुए भेड़ों* और बकरियों की खालें *ओढ़े हुए* और *इधर–उधर मारे–मारे फिरे;*

(संसार उनके योग्य न था:)...

365 देखिए, वहां कोष्ठक में, आपने अपनी बाईबल में ध्यान दिया है।

... और जंगलों, और पहाड़ों में, और गुफाओं में, और पृथ्वी की दरारों में भटकते फिरे।

... विश्वास ही के द्वारा इन सब के *विषय में अच्छी गवाही दी गई,...*

366 *यहाँ*! [भाई ब्रन्हम अपने चॉकबोर्ड के चित्र का उल्लेख करते हैं—सम्पा।]

... विश्वास ही के द्वारा इन सब के विषय में अच्छी गवाही दी गई तो भी उन्हें प्रतिज्ञा की हुई वस्तु न मिली: (देखा?)

क्योंकि परमेश्वर ने हमारे लिए पहले से एक उत्तम बात ठहराई, कि वे हमारे बिना सिद्धता को न पहुंचे।

367 आप इसे समझ रहे है? ये लोग जो *यहां* पर मारे गए, वे निर्भर हैं और हम पर रुके हुए हैं। इसलिए, *इस* कलीसिया को सिद्धता में आना ही है, ताकि पुनरुत्थान को लेकर आए। और वे प्राण जो वेदी के नीचे है, इस कलीसिया की अपनी सिद्धता में आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं, यही है जब मसीह का आगमन होता है।

368 और यह कलीसिया, आप देखिए, ये बहुत छोटी होती रही है, अल्प संख्या में आ रही है। [भाई ब्रन्हम अपने चॉकबोर्ड के चित्र का उल्लेख करते हैं—सम्पा।] यह पूरी तरह इससे कहीं अधिक कम होता जाता है, लेकिन मैं बस उस क्रूस को वहां बनाना चाहता है, देखिए। यह ऊपर एक सुई की नोक पर आ जाता है। यहाँ तक, कलीसिया, बहुत ही अल्प संख्या में, उस स्थान में आ जाती है जब तक कि यह उसकी प्रकार की सेवकाई ना हो जो *इसने* छोड़ थी, क्योंकि, जब यह चोटी का पत्थर वापस आता है...

369 यह *यहाँ* पर एक छोटे से खांचे जैसा बना हुआ है, जहाँ यह ठीक इस सामान्य पिरामिड के ऊपर आकर बैठ सके। यह बस एक चोटी की तरह नहीं है जो ऊपर ऐसे ही बैठ जाए। यह एक छोटा सा खांचे जैसा किनारा है, और इसे वहां पर बैठना है, क्योंकि यह पानी को बहा देता है।

और जब यह आता है, तो इस कलीसिया को काटकर तराशा जाना है।

370 ये सारे, पिरामिड में बाक़ी के सारे पत्थर, वे इतने सिद्ध तरीके से रखे हुए हैं, इतना तक कि आप उन दोनों के बीच एक धारदार ब्लेड को भी डाल नहीं सकते हैं, जो टन वजन के हैं, वहां पर रखे हुए हैं। उन्होंने उन्हें कैसे ऊपर उठाया, वे नहीं जानते। लेकिन वे बनाए गए थे।

371 और *यहाँ* ऊपर, जब पिरामिड का पत्थर आता है, स्वयं पिरामिड, मसीह की देह को काटकर तराश जाना होगा। ना ही केवल कोई मत–सिद्धांत या शिक्षा, या ना ही कोई और चीज जिसमें से होकर हम आए हैं। इसे मसीह के समान इतना सिद्ध रूप से होना होगा, इतना तक कि, जब

वह आता है, वह और उसकी सेवकाई एक साथ सही से फिट हो जाएगी। देखा? तब रैपचर हो जाएगा, घर जाने का समय।

372 देखो अब हम कहाँ पर रह रहे हैं, लौदकिया में, जहां पर कलीसिया है जो उनका अब तक का सबसे ख़राब कलीसिया का युग है। बाईबल में, हम पाते हैं, यह केवल एक ही कलीसिया युग था जहाँ परमेश्वर कलीसिया के बाहर था, खटखटा रहा है, अपने ख़ुद के भवन में वापस आने की कोशिश कर रहा है। जहाँ मत–सिद्धांत और संप्रदायों ने उसे यहाँ तक उसके ख़ुद की कलीसिया से बाहर रखा था। "देखो, मैं द्वार पर खड़ा खटखटाता हूं। यदि कोई मनुष्य प्यासा है और द्वार को खोलेगा, तो मैं अंदर आकर, उसके साथ भोजन करूंगा।" देखा? यहाँ है ये, *इस* कलीसिया युग में। उन्होंने धीरे–धीरे उसे बाहर फेंक दिया, इतना तक कि उन्होंने *यहाँ* उसे पूरी तरह से बाहर कर दिया। वे इसके साथ कुछ लेना देना रखना नहीं चाहते।

373 अब आप आज देख रहे कि हम कहां जा रहे हैं। यहां तक कि जब लौदिकियन कलीसिया युग का अंत इतना अधिक औपचारिक हो गया है, इतना तक कि ये और कैथोलिकवाद, जिसने इसे ठीक *यहाँ* पर तोड़ दिया था, ये एक साथ आ रहे है और एक बड़ी कलीसिया के रूप में एक हो रहे है। कलीसियाओ के संघ के साथ, यह कैथोलिकवाद के समान ही है।

374 वहां केवल एक ही अंतर है, यदि वे बस वे किसी तरह उस एक बात को मान सकते है, जो प्रभु भोज को लेने पर है। धर्म क्षेत्र में केवल यही चीज है, जो—जो—जो कैथोलिकवाद और प्रोटेस्टेंटवाद को एक होने से रोकती है, ये प्रभु भोज को लेने के विषय में है। कैथोलिक कलीसिया कहती है, "यह रोटी देह है।" और प्रोटेस्टेंट कलीसिया कहती है, "यह देह का प्रतिनिधित्व करती है।" कैथोलिक इसमें से एक मास को बनाते है। एक मास यह होता है, कि, वे प्रभु भोज को लेते हैं, आशा करते हुए कि उन्हें क्षमा किया गया है। वे प्रोटेस्टेंट इसे विश्वास के द्वारा लेते हैं, प्रभु भोज में परमेश्वर का धन्यवाद करते हुए, कि उन्हें क्षमा किया गया है। प्रोटेस्टेंट कहते हैं, "हमें क्षमा किया गया है।" कैथोलिक कहते हैं, "हम आशा कर रहे हैं कि हमें क्षमा किया गया है।" मास और प्रभु भोज। वे इसे एक मास कहकर बुलाते हैं; हम इसे प्रभु भोज कहते हैं। एक मास ये आशा करना है कि यह ऐसा ही है। एक प्रभु भोज यह जानना है कि ऐसा ही है, और इसके लिए उसका धन्यवाद करें। देखा? और केवल यही एक चीज है जिस पर

वे एक साथ नहीं आ सकते। वे इसे करेंगे।

375 ओह, यह बहुत ही सुंदर दिखता है। यह एक हो जायेंगे, ताकि... यह—यह सब चलायेंगे... तो ठीक है, बाईबल ने कहा, "और इस पशु ने अपनी सामर्थ वेश्या को दे दी," देखो, अपने आप को एक साथ एक कर देते है। समझे? बिल्कुल वैसे ही जो बाईबल ने कहा कि वे ऐसा करेंगे, वे इसे अभी कर रहे हैं। यह ठीक इसी सप्ताह क्रम में एक के बाद एक हो रहा है। ऐसा नहीं है कि मेरे पास कैथोलिक लोगों के विरोध में कुछ भी है, वैसे ही प्रोटेस्टेन्ट लोगों के लिए भी नहीं।

376 आप मेथोडिस्ट और बैपटिस्ट, और आप में से बहुत से पेंटीकोस्टल, जब आपकी कलीसियाये सीधे कलीसियाओ के संघ के अंदर जा चुकी है, जब उन्होंने वहां न्यूयॉर्क में बड़ा शवगृह बनवाया, जो कलीसियाओ का संघ का था, यह ठीक वैसे ही है जैसे संयुक्त राष्ट्र और इत्यादि में है। वे सारे प्रोटेस्टेंटवाद को एक साथ जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

377 अब, कैथोलिक इसके लिए बुद्धिमान हैं, और इस पोप जॉन तेईसवें या बाईसवां को लाने जा रहे हैं, जो कुछ भी वो है, वह झुककर, नम्र तरीके से कोशिश कर रहा है, कि सारे प्रोटेस्टेंट विश्वास और कैथोलिक विश्वास को एक विश्वास में लाए, ठीक वैसा ही जैसा बाईबल ने कहा कि वे करेंगे। आप वहां है। और प्रोटेस्टेंट इसके लिए झुक रहे है, जुड़ रहे है, झांसे में आ रहे है।

378 क्यों? क्यों? क्योंकि वे *इन* चीजों को प्राप्त नहीं करते है। *ज्ञान*, "वचन सही है।" *धीरज*, "वे जो प्रभु की बाट जोहते हैं।" देखा मेरा क्या मतलब है?

379 जैसे कि उस मेथोडिस्ट बिशप ने एक दिन कहा, जब उन्होंने इसे पास किया या अनुमति दी। और हर कोई यह जानता है, कैसे, किस बात ने इसे प्रेरित किया, उस कलीसिया में, या स्कूल में कोई तो एक प्रार्थना है उसे बोला जाये जिसे वो लाने की कोशिश कर रहा है। और चाहता था... मैं सोचता हूं कि यह एक प्रेस्बिटेरियन प्रार्थना की किताब है, या ऐसा ही कुछ तो और, और माता–पिता ने उस—उस—उस स्कूल पर मुकदमा किया क्योंकि वे इस प्रार्थना को स्वीकार नहीं करेंगे जो स्कूल में बोली जानी है। और यह मेथोडिस्ट बिशप एक बुद्धिमान बूढ़ा व्यक्ति था, उसने खड़े होकर कहा, "यह गलत है।" कहा, "यह असंवैधानिक है।" उसने इसकी हवा

को महसूस कर लिया। उसने कहा, "जैसे हमारी मेथोडिस्ट कलीसिया में," उसने कहा, "हमारी मेथोडिस्ट कलीसिया में," कहा, "हमारे बहुत से लोग हमेशा हॉलीवुड के घोटाले के बारे में बात करते हैं, और उनमें से पचानबे प्रतिशत कुछ भी हो हॉलीवुड को देखने जाते हैं।"

380 क्या मामला है? उन्होंने *इसे* छोड़ ही दिया। बिल्कुल ऐसा ही है। उन्होंने इसे छोड़ ही दिया।

381 उस दिन मैं ठीक यहाँ इसी कमरे में बात कर रहा था, एक—एक—एक सबसे बड़े मेथोडिस्ट कलीसिया के एक अधिकारी के लिए जो वहां फॉल्स शहर में है, सबसे आत्मिक मेथोडिस्ट कलीसियाओ में से एक जो वहां फॉल्स सिटी में है। दिखाता है, मेथोडिस्ट युग जिसके बाद वहां हमारा युग आता है, अर्थात पेंटीकोस्टल। और उसने कहा, "सेंट लुइस, मिसौरी में, उन्होंने लगभग तीन या चार महीने पहले एक विश्लेषण दिया था, और पता लगाया।" हो सकता है आज सुबह वह व्यक्ति यहां बैठा हो। तो ठीक है, यह वही ठेकेदार है जो इसे बना रहा है, हमारी इमारत की मरम्मत कर रहा है। मेन स्ट्रीट मेथोडिस्ट, जहां का वो सदस्य है, जहां भाई लुम और वे पास्टर थे। तो फिर हम इसमें पाते हैं कि, मैं सोचता हूं कि यह सत्तर से ज़्यादा प्रतिशत मेथोडिस्ट लोग थे जो एक विश्लेषण में थे, कि, सेंट लुइस का एक सर्वेक्षण दिखाता है कि सत्तर से कुछ अधिक प्रतिशत मेथोडिस्ट लोग धूम्रपान करते हैं, और उनमें से अड़सठ प्रतिशत लोग शराब पीते हैं। ये एक मेथोडिस्ट है! और विचित्र बात यह थी, जब यह विश्लेषण दिया गया था, या पुरुषों और महिलाओं के बीच अनुमान लगाया गया; स्त्रियां, इसमें सत्तर, या सत्तर से अधिक प्रतिशत थी, लगभग पचास प्रतिशत पुरुष थे। जितने वहां पुरुष थे उससे अधिक महिलाएं धूम्रपान करती है और शराब पीती हैं। सत्तर प्रतिशत, सत्तर से अधिक प्रतिशत, पुरुषों की तुलना में वहां अधिक महिलाएं थी।

382 अब क्या हो यदि हम बाईबल की शिक्षा पर जाए कि छोटे कपड़े पहनना, और बाल काटना, और इस तरह की चीजें, देखिए, कहाँ तक भक्ति को दिखाता है, स्त्रियां भक्ति और पवित्रता का दावा कर रही हैं? ताश की पाटियाँ और बाक़ी की हर एक चीज, गपशप करने वाले, बकबक करने वाले, जो अपनी जुबान को भी रोक कर नहीं रख सकते। खुद की जुबान बोलते रहते है और बकबक करते है, और इधर–उधर जा घूमते फिरना।

पुरुषों के विषय में क्या है? ताश की पार्टियां, गोल्फ के खेल, वहां आधे कपड़े पहने हुए, छोटे पुराने गंदे दिखने वाले कपड़े पहने हुए, उन महिलाओं के साथ वहां बाहर घूमते फिरते हैं। कोई आश्चर्य नहीं!

383 उस गंदे खेल को देखा, जो उस प्रचारक, कैदखाने के प्रचारक के साथ आज सुबह खेला गया? जी हां, श्रीमान। मैं नहीं सोचता कि मनुष्य इसके लिए दोषी है। इसने क्या किया? यह भाई... मैं उसके नाम को याद नहीं कर पा रहा हूं... [कोई कहता है, "डैन गिल्बर्ट।"—सम्पा।] जी हाँ। डैन गिल्बर्ट, जेल का प्रचारक। जब वो व्यक्ति अंदर भागकर गया और डैन की हत्या कर दी, यहाँ कुछ महीनों पहले, और अब उसकी पत्नी को एक बालक होने वाला है। निश्चय ही, डैन मर चुका है, वे अब बच्चे के लहू का मिलान तो नहीं करवा सकते। वह कहती है कि डैन ने उसके साथ जबदस्ती की है, और वह उसका... "यह डैन का बालक है।" ऐसा... मैं विश्वास नहीं करता वैसे ही जैसे मैं विश्वास नहीं करता कि एक—कि एक कौवे के पास कबूतर के पंख हो सकते हैं। नहीं, श्रीमान। मैं विश्वास करता हूं कि यह झूठ है। मैं विश्वास करता हूं कि डैन गिल्बर्ट परमेश्वर का जन था। और मैं विश्वास करता हूं कि यह शैतान की योजना है।

384 जैसे वह बात जो उनकी प्रार्थनाओं के संबंध में लागू करने की कोशिश की जा रही थी। वह बूढ़ा मेथोडिस्ट—मेथोडिस्ट बिशप इतना समझदार था कि उसने इसे पकड़ लिया। यदि वह ऐसा करता, यदि वह बात आगे बढ़ गई होती, तो वह किसी और चीज़ से ही प्रेरित हुई होती। यह सही है।

385 जैसे कि यह अलगाव की समस्या जो वहां नीचे दक्षिण में है, ये वही चीज है। मैं विश्वास करता हूं कि लोगों को आजाद होना चाहिए। मैं विश्वास करता हूं कि यह राष्ट्र आजादी के लिए खड़ा है। मैं श्रीमान कैनेडी को सैनिकों को भेजने के लिए दोषी नहीं ठहराता। हालांकि, मैं एक—एक "नया वितरक" नहीं हूं, और मैं एक डेमोक्रेट नहीं हूं। मैं एक रिपब्लिकन नहीं हूं। मैं एक मसीही हूं। इसलिए मैं... लेकिन मैं इसमें विश्वास नहीं करता। मैं यह विश्वास नहीं करता कि अश्वेत लोगों को अपने जन्मसिद्ध अधिकार को ऐसी चीजो के लिए बेचना चाहिए। यह वो—यह वो रिपब्लिकन पार्टी थी। अब्राहम लिंकन के लहू ने उन लोगों को आजाद किया क्योंकि वह एक धर्मी मनुष्य था। मैं सोचता हूं कि यदि उन्हें वोट देना ही है तो उन्हें कम से कम अपनी पार्टी के साथ बने रहना चाहिए।

386 लेकिन मैं आपको एक बात बताता हूँ, वो लड़का वहाँ सिर्फ़ उनके स्कूलों की वजह से नहीं गया था। वो लड़का एक नागरिक है। वो अमरीकी है। यहाँ सबको आज़ादी है। किसी मनुष्य के रंग से उसके साथ फ़र्क़ या भेदभाव नहीं होना चाहिए। हम सब... "परमेश्वर ने," कहा, "एक ही मनुष्य से, जिसने सारे लहू को बनाया, सारे राष्ट्र बनाए।" हम सब एक है। लेकिन, वह लड़का, वह एक योद्धा था। वह एक अनुभवी योद्धा है। जो सही चीज है उसके लिए उसने लड़ाई को लड़ा। उसके पास स्कूल जाने का अधिकार था। यह सही है। लेकिन उसके पास बहुत से स्कूल थे, जिसमें वह जा सकता था।

387 बात यह है कि असल चीज़ क्या है। यदि आप इसके पीछे जाये, तो ऊपर यही वर्तमान समय की संप्रदायवादी व्यवस्था है, जो इसे प्रेरित कर रही है। क्यों? वे उन अश्वेत लोगों के वोट को रिपब्लिकन से डेमोक्रेट की ओर मोड़ रहे हैं, और ऐसा करने के द्वारा अपने जन्मसिद्ध अधिकार को बेच रहे हैं। बिल्कुल सत्य है। पवित्र आत्मा यहां नहीं है...

388 "वह जिसके पास बुद्धि हो।" "वह जिसके पास ज्ञान हो।" बिल्कुल। बस इस कलीसिया की तरह, यह वर्तमान युग, खुद को बेच रहा है। क्या आप नहीं देख सकते है कि क्या होने जा रहा है?

389 मैं परवाह नहीं करता यदि इसे टेप हो रहा है। यहाँ यह आता है। उह–हुंह। जी हां। क्या मामला है? मेरी बूढ़ी मां हमेशा कहा करती थी, "शैतान को उसका श्रेय दे दो।"

390 वहां एक मनुष्य है जिसने केवल एक समझदारी के काम को किया था, वो था कास्त्रो। जी हाँ। वो वहाँ पर गया। और पूंजीपतियों के पास सारी गन्ने की फसल और हर एक चीज थी... यह सोने के आधार पर है, जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका। उसने क्या किया? उसने उन सारे बांड्स या कर्जपत्र को खरीद लिया। किसी भी तरह से वो पैसा जुटा सकता था उसने जुटाया। फिर उसने क्या किया? उसने नक़ली नोट छापे, और इसे बदल दिया। उन्हें सीधा वापस रख दिया। यही केवल एक काम है जो यह राष्ट्र कर सकता था।

391 क्या आपने उस सुबह *जीवन रेखा* कार्यक्रम को सुना? क्यों, आप जानते हैं, यह ऐसा ही है जैसे आप सोने पर बांड्स या कर्जपत्र को बेचते हैं। बांड्स या कर्जपत्र को पहले ही ले लिया गया है। और यह वर्तमान

सरकार अब किस लिए पैसा खर्च कर रही है? क्योंकि टैक्स का पैसा जो कि वे अब से चालीस वर्ष बाद वसूलेंगे। या ख़त्म हो चूका है। यह वॉशिंगटन, डीसी से पूरे देश में प्रसारित *जीवन रेखा* का कहना है। टैक्स, वे खर्च कर रहे हैं, और खरीदने की कोशिश कर रहे हैं विदेशी... तो ठीक है, वे बस इसे जैसे–तैसे दे देंगे। क्या आप नहीं देखते? बिल्कुल ठीक यही है जो वे—जो वे करने जा रहे हैं। समझे? यह क्या है? अब, यदि यह राष्ट्र कंगाल हो जाता है, तो केवल एक चीज यह कर सकता है कि ये कंगाल हो जाए। केवल एक चीज जो यह कर सकता है कि ये दिवालिया हो जाये।

392 मुद्रा को बदलना यही केवल एक समझदारी की काम है। लेकिन वे इस वर्तमान प्रशासन के नीचे ऐसा नहीं करेंगे। संसार का सारा सोना रोमन कैथोलिक कलीसिया के पास है। और वे क्या करेंगे, "वे जो धनी लोग है," उन्हें बेच देंगे और इत्यादि, "इस धरती के धनवान," जैसा कि बाईबल ने कहा। हारने से पहले, वे क्या करेंगे, ब्राउन एंड विलियमसन तंबाकू कंपनी, वैसे भी इसका ज्यादातर हिस्सा कैथोलिकों का है, और ये सारी दूसरी चीजें, वे क्या करेंगे? वे इसे स्वीकार कर लेंगे, और वे रोम से पैसा ले लेंगे, और फिर वो अपने जन्मसिद्ध अधिकार को बेच देता है। रोम उसका समर्थन करता है। जी हां, श्रीमान। वह इसका समर्थन करेगा। और अब वे काफी नीतियां बना रहे हैं, अपने आसपास माहौल तैयार कर रहे हैं, उसे उसके मंत्रिमंडल में ला रहे हैं। देखिए मिस्टर केनेडी क्या माँग रहे हैं।

393 और जब कि आपने उस दिन इसे देखा, तो अब वोट देने का कोई मतलब नहीं रह जाता। वोट देने का फायदा ही क्या है? जब, उन्होंने इसे अखबार में डाला, और इसे लोगों के सामने साबित किया, और उन्होंने इसके बारे में कुछ भी करने से इन्कार कर दिया। जब, उन्होंने साबित कर दिया कि मशीनें राष्ट्र भर में तैयार की गई थी, कि उन्होंने श्रीमान कैनेडी को झूठे वोट से चुना है। क्या बाईबल यह नहीं कहती है कि वह छल–कपट के द्वारा अंदर आएगा? निश्चय ही, एक झूठा वोट। अब, मैं लोकतंत्रवादी पार्टी के विरोध में नहीं हूं, जैसे में रिपब्लिकन पार्टी के लिए नहीं हूं, लेकिन मैं तो बस बाईबल की सच्चाइयों को बता रहा हूं। वोटिंग करने का क्या फायदा? वे जानते हैं कि वहां पर कौन आयेगा।

394 आप में से कितने लोगों को वो प्रसारण याद है जहां पर दो महिलाएं खड़ी थी? और एक ने कहा, "मैं वोट देने जा रही हूं श्रीमान... " मतलब,

एक प्रोटेस्टेंट महिला ने कहा, "मैं श्रीमान केनेडी को वोट देने जा रही हूं।"

उन्होंने कहा, "क्यों? "

395 कहा, "क्योंकि मैं सोचती हूं कि वह श्रीमान निक्सन से अधिक बुद्धिमान व्यक्ति है। वो एक बेहतर राष्ट्रपति बनेंगे।"

396 फिर उसने कहा, "यह एक कैथोलिक महिला है। 'आप किसे वोट देने जा रही है? ' "

397 उसने कहा, "मैं एक कैथोलिक हूं, एक रोमन कैथोलिक, एक वफादार कैथोलिक हूं।" उसने कहा, "और मैं श्रीमान निक्सन को वोट देने जा रही हूं।"

"क्यों? "

398 कहा, "क्योंकि, मैं सोचती हूं कि श्रीमान निक्सन एक बेहतर राष्ट्रपति बन सकते है क्योंकि वह इन चीजों के अधिक आदी है। वह साम्यवाद से अधिक परिचित है।" उस महिला ने झूठ बोला।

399 मेरे पास *वो*... जिसे वे कहते हैं, *हमारे विश्वास की सचाई,* सबसे अधिक खरीदी गई कैथोलिक पुस्तक है। और यह वहां पर कहता है, "यदि वहां किसी कैथोलिक के पास एक टिकट है, जो वह एक प्रोटेस्टेंट के विरोध में चुनाव लड़ रहा है; यदि एक कैथोलिक प्रोटेस्टेंट के लिए वोट करता है, तो उन्हें कैथोलिक कलीसिया की संगति से बहिष्कृत कर दिया जाएगा।" सही है। "और यदि वहां दो कैथोलिक लोग उसी कार्य पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं, वे उस कैथोलिक को चुनेंगे जो 'माता कलीसिया' के प्रति अधिक वफादार है और उनके लिए वोट डालेंगे।"

400 देखा कैसा, यह छल है, वे क्या करने की कोशिश कर रहे हैं? खरीदने के लिए पैसे बाँट रहे है। क्यों? वे इसे तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। और वे इसे कर रहे हैं, और वो टूट गया है। और यह क्या है? यह सोने के आधार पर है। और कैथोलिक कलीसिया, मुख्य संगठन का वर्ग, जो संसार के सोने का मालिक है। [कोई कहता है, "एक सौ अड़सठ अरब डॉलर।"—सम्पा।] एक सौ अड़सठ अरब। वहां आप है। उसे वापस सोने के आधार पर वापस ले आयेंगे, और आप लोग बस अपने घरों और चीजों के मालिक तो होंगे, लेकिन आप कैथोलिक कलीसिया के अधीनता में होते है। यह राष्ट्र कैथोलिक कलीसिया के अधिकार में होता है। यह हर एक चीज ठीक

इसी तरह से हाथ में ली जाती है, उनके मुद्रा के जरिये से। क्या बाईबल इसके बारे में नहीं बताती? यही वो तस्वीर है जो बाईबल हमारे लिए चित्रित करती है।

401 मैं आज क्या कहने की कोशिश कर रहा हूं, भाई। वे कहेंगे, "यह इसे एक अच्छी कलीसिया बना देगा। यह प्रोटेस्टेंटवाद को एकजुट कर देगा।" यह स्वाभाविक दृष्टि के लिए देखने में अच्छा लगता है, लेकिन इस संसार का ज्ञान परमेश्वर के लिए मूर्खता है।

402 "और ये परमेश्वर को प्रसन्न करता है, उस—उस मूर्खता के प्रचार करने के द्वारा, जो कि खोए हुओ को बचाता है," एक दिव्य कार्य पद के द्वारा, जिसे उसने अपनी कलीसिया में ठहराया है, ताकि इन आत्मिक योग्यताओं के ऊपर कलीसिया बनाये और ना ही जो धरती से संबंधित किसी भी चीज पर।

403 पतरस ने कहा, "और क्योंकि तुम धन की अभिलाषा से संसार की सड़ावट से बच निकले हो, और सुखद समय की अभिलाषा, और सुखविलास, और खाना, और पीना, और अभिलाषा जो हमारे पास है। तुम इससे बच निकले हो। और अब तुम जीविका के लिए बनकर तैयार हो गए हैं। मैं इसे कलीसिया को संबोधित कर रहा हूं," उसने कहा। आप वहां हो। क्या आपने इसे समझा? क्या आपको पकड़ लिया? क्या आपने इसे सुना जब हमने इसे यहाँ दूसरे पतरस में पढ़ा था? बस सुनना वह यहां क्या कहता है, यह यहाँ कितना सुंदर लिखा गया है, किस तरह से वह—वह इसे संबोधित करता है। तो ठीक है। अब जब वह बोल रहा है तो उसे सुनना। तो ठीक है।

> पतरस, *शमौन पतरस की ओर से जो, यीशु मसीह का दास और प्रेरित है, उन लोगों के नाम जिन्होंने... हमारे परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की धार्मिकता से हमारे जैसा बहुमूल्य विश्वास प्राप्त किया है:*
>
> *... परमेश्वर के और हमारे प्रभु यीशु* मसीह *की पहचान के द्वारा अनुग्रह और शान्ति तुम में* बहुतायत *से बढ़ती जाए,*
>
> *क्योंकि उसके—उसके ईश्वरीय सामर्थ ने सब कुछ जो जीवन और भक्ति* से *सम्बन्ध रखता है...*

404 कौन धरती और सारी चीजों का वारिस होने जा रहा है? [कोई कहता है, "संत।"—सम्पा।] निश्चय ही। "संबंध रखता है... " जी हाँ। तो ठीक है।

> *... जो जीवन और भक्ति से* संबंध *रखता है, उस के ज्ञान* के *द्वारा जिसने हमें महिमा से* महिमा तक *बुलाया है*:
>
> *जिनके द्वारा उसने* हमें *बहुमूल्य... बहुत* ही *बड़ी* प्रतिज्ञाएं *दी है: ताकि इनके द्वारा तुम उस सड़ाहट से छूटकर जो संसार में बुरी अभिलाषाओं से होती है ईश्वरीय स्वभाव के सहभागी हो जाये, उस सड़ावट से बच निकले* (इसे सुनना।) *जो संसार में बुरी अभिलाषा के द्वारा होती है।*

405 धन की अभिलाषा, बड़ी–बड़ी चीजों की अभिलाषा, लोकप्रियता की अभिलाषा, ये चीजें विश्वासी के लिए मरी हुई हैं। हम चिंता नहीं करते। एक तम्बू हो या एक झोपड़ी, मैं क्यों चिंता करूं; जिऊं या मरूँ, डुबू या तैरू? यही वो चीज है जिसमें मेरी रुचि है, अर्थात परमेश्वर का राज्य। चाहे मैं अपने घर को बनाये रखूं या ना रखूं, चाहे मैं अपने परिवार का बनाये रखूं या ना रखूं, चाहे ये जो कुछ भी हो इसे बनाये रखूं या ना रखूं, मुझे मसीह को बनाए रखने दो, जो हमारी महिमा की आशा है।

406 हे प्रभु, मुझे *इस* में बनाये। मसीह को मेरा सिर होने दो, जो मुझ में से होते हुए कार्य करे। मेरी बुनियाद पर, मेरा विश्वास जो उसमें है, सद्गुण, ज्ञान, संयम, धीरज, भक्ति, और भाईचारे की प्रीति मुझ में काम करने दो, हे प्रभु, यह मेरी प्रार्थना है। मैं परवाह नहीं करता; जिऊं या मरूँ, डूबूं या तैरू; संप्रदाय हो, या संप्रदाय ना हो; मित्र हो या ना हो। इसे मुझ में काम करने दो, मसीह का सद्गुण, उसका ज्ञान, बहने दो, जिससे कि मैं उन्हें सिखाने में सक्षम हो सकूं।

407 "क्योंकि परमेश्वर ने कलीसिया में प्रेरितों, भविष्यद्वक्ताओं, शिक्षकों, पास्टरों और सुसमाचार प्रचार करने वालों को रखा है, इन सभी को सिद्ध करने के लिए रखा है और इन सभी सद्गुणों को इसमें लाने के लिए, जो परमेश्वर के पुत्र के आगमन की सिद्धता के लिए है।" *इन* पत्थरों में से हर एक पत्थर उसी एक से निकला हुआ अंश है। *यह* इसमें का अंश है। इन सद्गुणों में से हर एक उसी में का है, और वे उसी में से उंडेले जा रहे हैं, उन्हीं के ज़रिए से नीचे आ रहे है। आमीन।

408 ये बारह बज गए है। यह सब समय कहाँ चला जाता है? आमीन। क्या आप उससे प्रेम करते है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] क्या आप इसे विश्वास करते हैं? ["आमीन।"] सुनना, छोटे बच्चों।

409 आज सुबह बहन किड ने कहा, "भाई बिल, मैं नहीं जानती हूं कि मैं आपको फिर से देख पाऊंगी या नहीं।" इस बात ने मुझे एक तरह से मार सा दिया। समझे? वह सोचती है कि वह बूढ़ी हो रही है, और वह है। मैंने परमेश्वर से प्रार्थना की कि उसे और भाई किड को लंबे समय तक बनाए रखे।

410 मैं आपको बता दूं, हमें नहीं पता कि हम कितने समय तक एक दूसरे के साथ रहने वाले हैं। मैं नहीं जानता कि मैं आपके साथ कितने समय तक रहूंगा। परमेश्वर मुझे संसार से दूर बुला सकता है। वह मुझे सेवा के दूसरे कार्य क्षेत्र में बुला सकता है। वह आपको कहीं भी बुला सकता है। हम नहीं जानते। लेकिन, आइए—आइए इसे प्राप्त करें। आइए इस बात को बस हमारे ऊपर से ना जाने दे। आइए हम उसे ले ले।

411 ये वहां है, बाईबल में। यहाँ यह है, जो हर एक चीज का नमूना है। और काश मेरे पास इसे करने के लिए केवल समय होता था! आप इसे एक दिन में नहीं कर सकते। आप यह जानते हैं। लेकिन, पूरी चीज को एक साथ जोड़ सकते है!

412 देखो, जब हम वहां उस संदेश के साथ थे, तो आप देखते हैं कि पवित्र आत्मा ने वहां दीवार पर क्या किया, क्या आपने नहीं देखा? तब यहाँ पर कितने लोग थे? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] देखा? निश्चय ही! ठीक नीचे आकर, उसी चीज को चित्रित किया, उस प्रभु के दूत ने।

413 देखो, यह सच है। इसे आप से निकलने ना दें। इसे पकडे रहे, बच्चो। उस बात को पकड़े रहे। याद रखें, अपने विश्वास पर सद्गुण, ज्ञान, धीरज पर को बनाये!

414 अब, यहाँ, मैं सोचता हूँ कि मेरे पास यहाँ एक कागज का टुकड़ा था, शायद मैंने इसे कहीं गिराया तो नहीं है जब मैं प्रचार कर रहा था। ये यहां पर है। धन्यवाद, भाई। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। यदि आप इस पर—पर देखना चाहते हैं, और देखना चाहते हैं यदि यहां पर कुछ है जो आप करने में सक्षम हो सकते हैं... हो सकता है कि यहाँ जो है उसकी तुलना में ये थोड़ा बेहतर नमूना है, जिससे कि आप इसमें से कुछ की नकल को

उतार सके। मैं अभी इसे यहां पर टंगा दूँगा, और आप निश्चय ही इसे देख सकते हैं और—और इसे टाइप कर सकते हैं।

415 और मैं चाहता हूं कि आप इसे लेकर इसका अध्ययन करें, और इसकी तुलना करें, और फिर इस पर कार्य करें। सिर्फ इसका अध्ययन ना करें, इसकी तुलना करें, लेकिन जब आप करते हैं तो इस पर कार्य करें। इसे ईमानदारी से अपने आप में लागू करे। ऐसा ना कहे, "भाई, मुझे यह सुनकर आनंद आया।" मुझे भी आया। लेकिन इसे सुनना, और फिर इसे ग्रहण करना, यह अलग बात होती है। देखा? समझे? यह अलग बात है। देखा?

416 परमेश्वर के डील–डौल को बनाने के लिए सात योग्यताएं है। वहां सात कलीसियायी युग है, जो परमेश्वर ने कलीसिया को इस योग्यता के पास लाया है। और उसके पास इसे करने के लिए सात संदेशवाहक थे। वहां सात, सात, सात है। समझे? सात परमेश्वर की पूर्ण संख्या है—है, और तीन परमेश्वर की सिद्ध संख्या है। तो, वहां तीन है, और सात, तीन बार है। इसलिए, गणित के रूप से, आत्मिक रूप से, वचन के द्वारा, पवित्र आत्मा की गवाही के द्वारा, इस सभी ने मिलाकर चीज को पूरा किया है। आइए इसका अध्ययन करें।

417 आइए तब अपने विश्वास में इन बातों को जोड़ें, ताकि हम मसीह के पूरे डील–डौल में आ सकें; ईश्वरीय प्रेम, परमेश्वर का भय, हमारे हृदय में एक दूसरे के प्रति आदर के साथ एक दूसरे से जुड़ सके, एक दूसरे के प्रति गहरा आदर, भाईचारे और बहनचारे का प्रेम, ना कोई अश्लीलता, कुछ भी नहीं लेकिन केवल पवित्र आत्मा की पवित्रता रहती है। देखा? एक साथ रहे, एक मसीही बने। विश्वास के साथ चले। परमेश्वर के सद्गुण को आप में से होकर बहने दे; परमेश्वर के ज्ञान को होने दो, जब यह सही और गलत की बात आती है। जब शैतान कुछ तो ऐसा प्रस्तुत करता है जो कि बिल्कुल वचन के अनुसार नहीं है, तो इससे दूर चले जाए। यह सही है।

418 मैं कल्पना कर सकता हूं कि उन प्रेरितों ने कभी भी हमारे जैसा व्यवहार नहीं किया। वे यहाँ–वहाँ गए, हो सकता है वे मनुष्य कुछ ही शब्दों को बोलते थे, जब तक वे पुलपीट पर नहीं आ जाते थे। वे वहां चले जाते और उन्होंने वही किया जो उन्हें करना चाहिए था, और चले जाते। जी हां, श्रीमान। उनके पास सामर्थ थी। उनके पास सद्गुण थे। वे मनुष्यों के साथ कोई विवाद नहीं करते थे। वे जानते हैं कि वे कहां खड़े थे। बस यही है। वे जानते हैं कि

उन्होंने किस पर विश्वास किया। वे आत्मा में आगे चलते रहे। केवल वही करते...

419 जैसा कि मैंने उस रात कहा था। एक छोटा सा इशारा, यही सब परमेश्वर को करना होता था, उसके बाद उन्हें कोई भी रोकने वाला नहीं था। उन्होंने सवाल नहीं किया और अध्ययन नहीं किया, और संकोच और चिंता नहीं की जैसे हम करते हैं, क्या उन्हें *ऐसा* या *वैसा* करना चाहिए की नहीं। उन्होंने आगे बढ़कर और इसे किया, जो भी हो। बस परमेश्वर की ओर से एक छोटा सा इशारा, जिसने इसे किया, बस जितना जल्दी हो सके। क्यों? वे कैसे जान सकते थे कि यह परमेश्वर की ओर से एक इशारा था? उनके पास यहां ये सारे सद्गुण थे, ये सारी योग्यताएं थी। और परमेश्वर का पहला छोटा इशारा जो *इसके* हर एक अंश के साथ, और उसके वचन के साथ तुलना करता है। वे जान जाते कि यह परमेश्वर का वचन था, और वे वहां चले जाते थे। किसी और चीज के लिए चिंता करने की आवश्यकता नहीं थी। जब परमेश्वर बोलता, वे चले जाते। हम बोलते हैं...

420 परमेश्वर हमसे बात करता है, और हम कहेंगे, "तो ठीक है, हम आरंभ करेंगे। हम देखेंगे कि क्या हम इस जीवन को जी सकते हैं।" पहली बात आप जानते हैं, कोई तो आपको परेशान कर देता है। तो ठीक है, निश्चय ही, यह शैतान है।

421 आपको आज सुबह उसे मुझे इस सभा में आने से रोकने की कोशिश करते हुए देखना चाहिए था। आपको एक बार तो यह ज़रूर देखना चाहिए था। ओह, दया! हर बार जब मैं किसी सभा का उल्लेख करता हूं तो मुझे लड़ना पड़ता है। और यदि मैं एक बीमार के लिए प्रार्थना करने जा रहा होता हूं, और कोई तो मर रहा होता है और बचाया हुआ नहीं है, तो वहाँ दस मिनट में तीस फोन आ जाएंगे, यदि वे मुझे इससे दूर रखने के लिए जितनी तेजी से कर सकते हैं वे करेंगे। "ओह, भाई ब्रन्हम, आपको *इसे* करना होगा।" लेकिन वहां एक प्राण दांव पर है। निश्चय ही। जी हां।

422 एक रात, मुझे एक जगह बुलाया गया था। एक नवयुवक, मैंने उससे कुछ वर्ष पहले बात की थी, वहां पर, जिसे आप सुपर मार्केट कहते हैं। वह एक शराबी बन गया था। मैं उस लड़के को जानता था, एक अच्छा भला लड़का, लेकिन वह एक पापी था। और इसलिए उसकी मां ने फोन किया।

मुझे लगता है कि उसने दो बार डॉक को भी फोन किया। मैं... फोन किया, और उन्होंने बिली को फोन किया, और—और अंत में मुझे संदेश मिला। और जब मुझे संदेश मिला, ईमानदारी से कहता हूं, मैंने अपने जीवन में उस लड़के तक पहुँचने के लिए इतना संघर्ष कभी नहीं किया था।

423 और जब मैं वहां पहुंचा, तो वह बेचारा व्यक्ति मुझे पहचान ही नहीं पाया था। वहां पर वह था, वहां बेसुध सा पड़ा हुआ था, और बस ऐसे ही बुरी हालत में पड़ा था। उसके पिता उसे थपथपाने की कोशिश कर रहे थे, और कह रहे थे, "प्रिय।" और वह मनुष्य पचास वर्ष का, लगभग इक्यावन वर्ष का था। और कह रहा था, "प्रिय," *यह*, और "शांत पड़ा हुआ था।" और वह उठने की कोशिश कर रहा था। उसके छोटी बाहें लगभग *इतनी* ही मोटी थी। उस लड़के को इतना कैंसर था कि वह और कुछ नहीं, बल्कि पूरा का पूरा कैंसर ही रह गया था। उसके शरीर के सारे अंगों को कैंसर हुआ था। यहां तक कि उसका लहू की धारा कैंसर से ग्रस्त थी, हर एक चीज। और वो वहां पर था, ऊपर उठने की कोशिश कर रहा था, और इसी तरह से उसकी बुरी हालत थी।

424 मैंने उसका हाथ पकड़ा, मैंने कहा, "वुडरो, वुडरो, मैं भाई ब्रन्हम हूं।"

425 उसके पिता ने कहा, "क्या तुम नहीं जानते? यह भाई बिल है। वुडरो, यह भाई बिल है।"

उसने कहा, "ओह। हुंह। उह–उह–उह।" *इस* तरह से।

426 और उसके पिता ने देखा और कहा, "बिली, आपको आने में थोड़ी देर हो गई है।"

मैंने कहा, "कोई देर नहीं हुई। वो यहाँ पर है।" मेरी एक लड़ाई थी।

427 और फिर दूसरे लड़के, कुछ और भी लड़के, पापी, जो वहां पर खड़े हुए थे, उसके कुछ रिश्तेदार। मैंने कहा, "तुम देखो, लड़कों, तैयार हो जाओ, क्योंकि तुम भी इस स्थान पर आओगे। तुम्हें ठीक यहाँ पर नीचे आना है। समझे? हो सकता है इस—इस कैंसर के साथ नहीं रहोगे। तुम किसी और चीज के साथ आ सकते हो, वहां उस महामार्ग पर, लहूलुहान होकर मृत्यु तक, या कुछ और। तुम्हें इस पर आना ही है।" हमने उन लोगों से बातें की।

428 मैं यह देखने के लिए रुका हुआ था कि आत्मा क्या करने को कहता

है। प्रतीक्षा कर रहा था। पहली बात जो आप जानते हो, मैंने उसे छोटा सा इशारा करते हुए महसूस किया। "अपने हाथ उस पर रखो।"

429 मैं यहां–वहां चला, कहा, "आप सभी अपने सिरों को झुकाए।" उन सभी ने अपने सिरों को झुकाया, वहां दो या तीन युवा लोग थे।

430 मैंने अपने हाथों को उस पर रखा। मैंने कहा, "प्रभु परमेश्वर, इस लड़के को यह जानने के लिए होश में आने दो कि वो क्या करने जा रहा है, इससे पहले कि वो इस बात को पूरा करे। वह मर रहा है। इस शैतान ने उसे घायल कर दिया है, और वह जा रहा है। और उसने शराब पी–पीकर अपने आप को मृत्यु तक ला छोड़ा है, और यहाँ वह इस स्थिति में है। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उस पर दया करें।" और जब मैंने उसके लिए प्रार्थना की, अगली सुबह वह वहां उठकर बैठा हुआ था, अपने पिता से बात कर रहा था।

431 बस्टी रोजर्स, जो... उन्होंने मुझे यहां अस्पताल में बुलाया, अधिक समय नहीं हुआ। मैं उस दिन वहां पर था, जब मैंने वहां मिलटाउन में प्रचार किया था, जहां छोटे जॉर्जी कार्टर ने चंगाई को पाया था। आप सभी को यह याद होगा। और वहां जब भाई स्मिथ, एक मेथोडिस्ट प्रचारक ने कहा, "यदि किसी ने कभी यीशु मसीह के नाम का बपतिस्मा लिया है, तो मेरे तंबू के नीचे से बाहर निकलो," इस तरह से। वहां ऊपर टोटेन फोर्ड पर, उस सभा को रखा गया था। और, ओह, उसने मुझे हर उस चीज़ के लिए दोषी ठहराया जिसकी आप कल्पना कर सकते हैं। मैंने कभी एक शब्द भी नहीं कहा; सीधा आगे चला गया। मेरे पास एक कार्यआदेश था। प्रभु ने मुझे एक दर्शन दिखाया। वहां पर एक मेमना था, जो जंगल में कहीं तो फँसा हुआ है। आप सभी को दर्शन याद होगा, आप सभी को। मुझे लगता है कि आपको याद हैं। क्या आपको यह याद है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] निश्चय ही। तो ठीक है। तब मैं वहां जंगल में से होते हुए उसे ढूंढते हुए जा रहा था।

432 मैं टोटेन फोर्ड के पास गया। वहां भाई राइट जानते हैं। हम वहां पर गए, नहीं जानते थे कि क्या करना है। मैंने दस सेंट में एक छोटे से साबुन के डिब्बे को खरीदा। मैं वहां जाकर, वहां सीढ़ी पर खड़े होकर प्रचार करने वाला था। उसने कहा कि वह ऊपर पहाड़ी की चोटी पर कुछ लेन–देन करने जा रहा है। मैं उसके साथ चला गया। वहां एक बड़ी पुरानी बैपटिस्ट

कलीसिया थी जो वहां खाली पड़ी हुई थी। प्रभु ने मुझसे कहा, "वहां रुक जाओ।"

433 मैंने कहा, "भाई राइट, मुझे ठीक यहाँ पर छोड़ दो।" मैं रुक गया। वह ऊपर जाकर और वापस आ गया।

434 मैं वहां गया, और दरवाजे को नहीं खोल सका। मैंने कहा, "प्रभु, यदि आप इसमें हैं, तो आप चाहते हैं कि मैं कलीसिया में जाऊं, मेरे लिए दरवाज़े को खोल दे।" मैं वहां बैठ गया और सोच रहा था।

435 किसी के आने की आवाज सुनी; चलकर आया, और उसने कहा, "तुम कैसे हो? मैं तुम्हें बताऊंगा," कहा, "तुम कलीसिया के अंदर जाना चाहते हो? "

मैंने कहा, "जी हां, श्रीमान।"

उसने कहा, "मेरे पास यहां चाबी है।"

436 एक सभा शुरू की। पहले हफ्ते तो मानों कोई था ही नहीं। पहली रात मेरे पास सिर्फ भाई राइट और उनका परिवार ही आया था। पहली चीज आप जानते है, हफ्ते के अंत तक हालत यह थी कि बाहर के मैदान में भी लोगों का खड़ा होना मुश्किल हो गया था। अब भी वह मेम्ना सामने नहीं आया था। उस समय के दौरान भाई हॉल बचाए गए, अब वो वहां के पास्टर है, वे सभी। मैं नहीं ढूंढ पाया कि यह मेमना कहां पर है। कुछ देर के बाद, चर्च ऑफ क्राइस्ट के बाहर, वहां पहाड़ी के नीचे, वो छोटी सी नौ वर्ष की लड़की और आठ महीने तक हिली भी नहीं थी, वहां पड़ी हुई थी। वहां पर वो थी। आप सब कहानी को जानते हैं। जी हां, श्रीमान।

437 और उस दोपहर जब बस्टी रॉजर्स, बड़ा मजबूत क़द–काठी वाला अनुभव वाला वहां खड़ा था... मैं वहां पर से चलकर गया। और वहां भाई स्मिथ की सभा के लोग खड़े हुए थे मुझ पर हंसने के लिए, मेरा मजाक उड़ाने के लिए, कि मैं यीशु के नाम में बपतिस्मा देता हूं। मैं टोटेन फोर्ड के कीचड़ भरे पानी में चलकर गया, जहां उनके पास एक... [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... वहां नाले के ऊपर, और बस जितनी जोर से गरज सकता था गरज रहा था। कुछ डिकन मेरे साथ चलकर बाहर आ गए।

438 मैंने कहा, "मैं आज दोपहर को यहां परमेश्वर के पवित्र वचन के प्रतिनिधित्व में खड़ा हूं।" मैंने कहा, "मैं यहां बाईबल में से पढ़ता हूं जहां

पतरस ने कहा, 'पश्चाताप करो, तुम में से हर एक जन अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा ले।'" मैं मुड़ा और उनमें से एक डिकन को पुस्तक दे दी।

439 ... . वहां पर चलकर गया, और मैंने कहा, "जो कोई भी अपने पाप से पश्चाताप करेगा, उसे आने का अधिकार है।" वहां पानी में चलकर गया। मैंने कहा, "मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि वे दूत अब हर एक शाखा में बैठे हुए हैं, देख रहे हैं।" ओह, प्रभु! उस समय के लगभग मैंने लगभग दो या तीन लोगों को बपतिस्मा दिया, उसकी सारी सभा के लोग, वे स्त्रियां सुन्दर रेशमी वस्त्र पहने हुए थी, उस पानी में उतरते हुए, वे उनकी तेज आवाज से चिल्ला रहे थे। मैंने उसकी सारी सभा के लोगों को यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा दिया। आप यह जानते हैं। मेरे पास इसकी तस्वीर है। वहां पर ऐसा था।

440 यह क्या था? अपने सद्गुण पर जोड़ना। समझे? इसे ऐसे ही छोड़ दे। परमेश्वर जानता है कि इसे कैसे करना है। परमेश्वर जानता है कि इन बातों को कैसे पूरा करना है। उन्हें कहने दो जो वे कहना चाहते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। बस आगे बढ़ते रहे।

441 बस्टी रोजर्स वहां पर खड़े हुए थे, जब उन्होंने इसे देखा, तो उन्होंने कहा, "तब मैं इसे अपने पूरे हृदय से विश्वास करता हूं।" और वह पानी में बाहर आया, अपने अच्छे कपड़े पहने हुए, और यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लिया था।

442 लगभग तीन या चार वर्ष पहले, उन्होंने मुझे यहां न्यू अल्बानी के अस्पताल में बुलाया। वहां वह कैंसर से मर रहा था, कैंसर ने बस उसे खा लिया। डॉक्टरों ने कहा वो अगली सुबह तक ही जीवित रहेगा। कहा, "वह अब मर रहा है।" कहा, "एक बार आ जाए।"

443 मैं वहां कमरे में गया, जब मैं वहां पहुंचा, कि वहां खड़े होकर और प्रार्थना करूं। उसने कहा, "बिली, वहां उस कोने में एक गोल मेघधनुष दिखाई देता है।"

444 और मैं देखने के लिए पीछे मुड़ा। मैंने कहा, "बस्टी, यह एक वाचा है। तुम मरने वाले नहीं हो। लहू की वाचा तुम्हें बचाती है।"

445 मैंने अपने हाथों को उस पर रखा, कहा, "प्रभु परमेश्वर, कैसे वह दर्शन वहां उस ओर है जो साबित करता है कि आप यहां पर हैं। आपकी

वाचा यह है, कि, 'उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए हैं।'" उस पर हाथ रखा, और वहां वह चंगा हो गया। उसे घर भेज दिया।

446 और लगभग चार या पांच वर्ष, लगभग चार वर्ष, वहां नदी पर ऊपर–नीचे मछली पकड़ता था और सब कुछ ठीक चल रहा था। और जहाँ पेट की खाने की नली के पास कैंसर हो गया था, वहाँ की चमड़ी सख्त होने से एक बड़ी सख़्त गाँठ बन गयी थी। डॉक्टरों ने, अस्पताल के अनुभवी लोगों ने उसे बताया कि उनके पास रासायनिक तत्व का इलाज है जो उसे फैलाकर चौड़ा कर सकता है, जिससे एक बार में ज़्यादा खाना अंदर जा सके। उन्हें खाना खाने में बहुत दिक्कत होती थी, उसे बहुत धीरे–धीरे खाना पड़ता था। वह इसे करवाने को वहां चले गए। मुझे नहीं पता था कि वह वहाँ हैं।

447 फिर जब उन्होंने उसका ऑपरेशन किया, तो उन्होंने पाया कि इसने उसे एक ऐसे झटके में डाल दिया, और उसे एक दौरा पड़ा। उसके इस तरह से उसके एक हिस्से को लकवाग्रस्त कर दिया। और केवल एक चीज जो वो कर सकता था, वह बस अधूरी आवाज़ में रो पा रहा था। और उसने एक पेंसिल को *इस* तरह से पकड़ा, और ऐसे करने लगा, "उह, उह, उह।" फिर अपने सही वाले हाथ से *इस* तरह से काँपते हुए, लिखने की कोशिश की। उनका बायाँ हिस्सा लकवे की वजह से बेकार हो गया था। उसने इस हाथ से लिखा: "यीशु बचाता है, 1900 और कुछ वर्ष।" वे लोग उसे समझ नहीं पाए।

448 इसलिए अब जब उसकी पत्नी ने कहा, "भाई ब्रन्हम, मैं नहीं जानती कि उनका इससे क्या अर्थ है।"

449 मैंने कहा, "श्रीमती रोजर्स, उसका जो अर्थ है, यह 1900 और ऐसे कुछ वर्ष की बात है, जब वह बचाया गया था और यीशु के नाम में उसने वहां तब बपतिस्मा लिया था। वही चीज़ आज काम आ रही है। वह मरने से नहीं डरता।"

450 मैंने कहा, "प्रभु परमेश्वर, उसके जीवन को बचा ले। मैं यह प्रार्थना करता हूं, यीशु के नाम में, कि आप उसके जीवन को बचा लीजिए।" उस पर हाथ रखे। लकवे के दौरे ने उसे छोड़ दिया। झटके रुक गये। और वह पलंग पर उठ कर बैठ गया। और वह अब वहां पर है, गवाही को दे रहा है।

451 अपने विश्वास पर सद्गुण को जोड़ें; अपने सद्गुण पर, ज्ञान को जोड़ें;

आपके ज्ञान पर, संयम को; आपके संयम पर, धीरज को; आपके धीरज पर, भक्ति को; आपकी भक्ति पर, भाईचारे की प्रीति को; आपके भाईचारे की प्रीति पर, पवित्र आत्मा, और मसीह आ जाएगा। क्योंकि, उसके ठीक नीचे... पवित्र आत्मा यीशु मसीह का आत्मा है जो कलीसिया में है, ताकि उन सद्गुणों को प्रकट करें। ओह, प्रभु!

यहां है ये, बारह बजकर पंद्रह मिनट।

मैं प्रेम करता हूं... मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया

यहाँ नीचे, इससे पहले कि आप कुछ भी होते।

और खरीद लिया... (उसने क्या किया?)... मेरे उद्धार को
उस कलवरी के पेड़ पर।

मैं *ऐसा* किस तरह से हूं? क्योंकि उसने मुझसे पहले प्रेम किया।

मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया (यही वो कारण है।)
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी के पेड़ पर।

452 मैं इस सुबह प्रतिज्ञा करता हूं, अपने पूरे हृदय से, कि, उसकी सहायता के द्वारा और उसके अनुग्रह के द्वारा, मैं प्रार्थना करता हूं कि मैं प्रतिदिन बिना रुके ढूंढूंगा, जब तक कि मुझे महसूस न हो कि इन आवश्यकताओं में से हर एक मेरे इस छोटे–से डील–डौल में प्रवाहित हो रही है, जब तक कि मैं जीवित मसीह का प्रगटीकरण न बन जाऊँ। क्योंकि, वह मेरे समान पापी बन गया, जिससे कि मैं बन सकूं... परमेश्वर की धार्मिकता उसके समान बन जाऊं। "उसने मेरा स्थान ले लिया; प्रभु, मुझे अब उसका स्थान लेने दो।" क्योंकि, यही वो उद्देश्य है जिसके लिए वो मरा। कितने लोग उसी चीज की प्रतिज्ञा करेंगे, परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] अब अपने झुके हुए सिरों के साथ, और हमारे हाथ ऊपर उठे हुए हैं।

मैं...

453 मैं इसकी प्रतिज्ञा करता हूं, प्रभु, यह कलीसिया इसकी प्रतिज्ञा करती है, "यीशु मसीह का पूर्ण डील–डौल!"

क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी के पेड़ पर। 

62–1014M एक सिद्ध मनुष्य का डील–डौल
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2026 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org